RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:233। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, (बुधवार) 15 अप्रैल 2026 || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

डिजिटल षड्यंत्र सच की पड़ताल

महानगर मेट्रो स्पेशल इन्वेस्टिगेशन

आस्था पर 'डिजिटल' प्रहारः जैन उपाश्रय उद्घाटन को रोकने की अंतरराष्ट्रीय साजिश का भंडाफोड़!

हनीट्रैप गिरोह के पीछे विदेशी फंडिंग का 'टेरर कनेक्शन'?

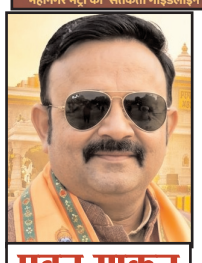

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। शहर के आगामी भव्य जैन उपाश्रय के उद्घाटन की खुशियों के बीच एक ऐसी काली सच्चाई सामने आई है जिसने सुरक्षा एजेंसियों के भी होश उड़ा दिए हैं। जिसे अब तक केवल एक 'हनीट्रैप' का मामला समझा जा रहा था, वह दरअसल एक सुनियोजित वैचारिक युद्ध निकला। विश्वसनीय सूत्रों के मुताबिक, इस गिरोह का मास्टरमाइंड सात समंदर पार बैठकर भारतीय समाज की जड़ों पर हमला कर रहा है।

साजिश का ब्लूप्रिंटः कैसे बुना गया जाल?

जांच एजेंसियों के हाथ लगे दस्तावेज़ों और डिजिटल फुटप्रिंट्स से पता चला है कि यह हमला तीन स्तरों पर प्लान किया गया था:

फेज 1 (चरित्र हनन): अत्याधुनिक AI और Deepfake तकनीक का उपयोग करके समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तियों और संतों के फर्जी वीडियो तैयार करना।

फेज 2 (रणनीतिक टाइमिंग): इन वीडियो को ठीक उद्घाटन समारोह से 48 घंटे पहले वायरल करना, ताकि पूरे देश में समाज की छवि धूमिल हो और कार्यक्रम स्थगित हो जाए।

फेज 3 (आर्थिक सेंधमारी): गिरोह के 'क्रिप्टो वॉलेट्स' में संदिग्ध विदेशी ट्रांजेक्शन पाए गए हैं, जो इशारा करते हैं कि इस काम के लिए करोड़ों की फंडिंग सीमा पार से आई है।

यह केवल एक अपराध नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान मिटाने की कोशिश है। जब तकनीक का इस्तेमाल अधर्म के लिए होने लगे, तो समाज को ढाल बनकर खड़ा होना होगा। '

— सुरक्षा एवं साइबर एक्सपर्ट

जांच की आंचः 'डार्क वेब' तक फैले तार

पुलिस की साइबर सेल ने जिन शुरुआती संदिग्धों को हिरासत में लिया है, उनके मोबाइल डेटा से सनसनीखेज खुलासे हुए हैं। गिरोह के पास न केवल प्रतिष्ठित परिवारों की सूचियां थीं, बल्कि उनके निजी जीवन की 'डिजिटल जासूसी' भी की जा रही थी। महानगर मेट्रो को मिली जानकारी के अनुसार, इस गिरोह को कुछ ऐसे 'प्रतिद्वंदी समूहों' का भी मौन समर्थन प्राप्त है जो शहर में बढ़ते जैन समाज के प्रभाव से ईर्ष्या रखते हैं।

खबर का असरः प्रशासन हाई अलर्ट पर

इस खुलासे के बाद गृह मंत्रालय ने मामले को गंभीरता से लिया है। उद्घाटन स्थल की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और सोशल मीडिया पर पैनी नजर रखी जा रही है।

महानगर मेट्रो की 'सतर्कता गाइडलाइन':

1.डिजिटल भ्रम से बचें: एआई के दौर में आंखें भी धोखा खा सकती हैं। किसी भी वीडियो को सच मानने से पहले उसकी प्रमाणिकता की जांच करें।

2.फॉरवर्ड नहीं, डिलीट करें: भ्रामक सामग्री को बढ़ाना भी अपराध की श्रेणी में आता है। संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें।

3.सुरक्षा तंत्र का साथ दें: यदि कोई आपको या आपके परिचित को ब्लैकमेल करने की कोशिश करे, तो डरे नहीं, तुरंत साइबर सेल (1930) पर रिपोर्ट करें।

संपादकीयः सत्य की अग्निपरीक्षा

यह हमला किसी एक संप्रदाय पर नहीं, बल्कि भारत की उस लोकतांत्रिक आस्था पर है जहाँ हर किसी को अपने धर्म के पालन की आजादी है। 'महानगर मेट्रो' प्रशासन से मांग करता है कि इस षड्यंत्र के 'सफ़ेदपोश आकाओं' को बेनकाब किया जाए। समाज की एकता ही इस डिजिटल आतंक का सबसे सटीक जवाब है।

कल के अंक में पढ़ें: कौन है वो 'विदेशी हैंडलर' जिसने इस गिरोह को करोड़ों की सुपारी दी? विशेष पड़ताल!

बने रहें महानगर मेट्रो के साथ... क्योंकि हम सच के सिपाही हैं।

महानगर मेट्रो - निर्भीक कलम, निष्पक्ष खबर।

मोदी ने दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का किया उद्घाटन

एजेंसी

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर से उत्तराखंड की राजधानी देहरादून तक निर्मित 212 किलोमीटर लंबे छह लेन ग्रीनफील्ड दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे को राष्ट्र को समर्पित किया। यह एक्सप्रेस-वे दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड को जोड़ेगा। करीब तीन वर्ष में तैयार इस एक्सप्रेस-वे पर वाहन बिना रुके तेज गति से संचालित हो सकेंगे और दिल्ली से देहरादून की यात्रा लगभग ढाई घंटे में पूरी की जा सकेगी। परियोजना में 16 प्रवेश एवं निकास प्वाइंट, 12 टोल प्लाजा तथा 76 किलोमीटर सर्विस रोड का निर्माण किया गया है। करीब 13 हजार करोड़ रुपये की लागत से बने इस एक्सप्रेस-वे पर 62 फ्लाईओवर और 113 अंडरपास बनाए गए हैं। परियोजना में पर्यावरण संरक्षण का विशेष ध्यान रखा गया है। वन्यजीवों की आवाजाही के लिए विशेष अंडरपास तथा हाथियों के लिए सुरक्षित गलियारा विकसित किया गया है।

यह इकोनॉमिक कॉरिडोर प्रगति के नए द्वार : मोदी

एजेंसी

देहरादून। पीएम मोदी ने देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए उत्तराखंड के विकास, कनेक्टिविटी, सामाजिक न्याय और महिला सशक्तीकरण पर अपनी बात रखी। दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर पर बोलते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसे कॉरिडोर केवल सड़क नहीं होते बल्कि ये विकास के नए द्वार खोलते हैं। ये नए व्यापार, उद्योग, गोदाम और फैक्ट्रियों के लिए रास्ता तैयार करते हैं। इस कॉरिडोर से पूरे क्षेत्र का कायाकल्प होने की उम्मीद है और लोगों के लिए नई संभावनाएं पैदा होंगी। अपने संबोधन की शुरुआत में प्रधानमंत्री ने कहा कि इस समय देश में त्योहारों की खुशी और नववर्ष का उत्साह है। उन्होंने सभी नागरिकों को वैसाखी, बोहाग बिहू और पुथंडु की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि बाबा केदार के दर्शन के बाद उन्होंने जो बात कही थी कि इस सदी का तीसरा दशक उत्तराखंड का दशक होगा, वह अब सच होती दिख रही है। प्रधानमंत्री ने खुशी जताते हुए कहा कि 'डबल इंजन सरकार' की नीतियों और राज्य के लोगों की मेहनत से उत्तराखंड तेजी से विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है और कनेक्टिविटी मजबूत हो रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे परियोजना इस प्रगति को और तेज करेगी और राज्य के विकास को नई गति देगी।

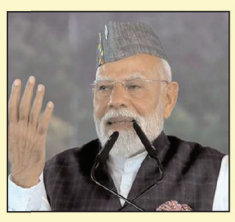

प्रधानमंत्री के रोड शो में मानव श्रृंखला बनाकर लोगों ने बरसाए फूल

●मोदी-मोदी के नारों से गूंजीं शिवालिक की पहाड़ियां

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड की शक्ति, सामर्थ्य और आर्थिक उन्नति के पथ का प्रतीक देहरादून-दिल्ली एक्सप्रेस-वे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रोड शो में भारी भीड़ उमड़ी। लोगों ने मानव श्रृंखला बनाकर प्रधानमंत्री मोदी पर फूल बरसा कर उनका भव्य स्वागत किया। रोड शो के दौरान प्रधानमंत्री ने भी हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन किया। रोड शो के बाद वे उत्तराखंड के प्रसिद्ध डाट काली मंदिर पहुंचे। यहां बालिकाओं ने महिषासुरमर्दिनी स्तोत्र अयि गिरिनन्दिनी, नन्दित मेदिनि का सुंदर गाया। इस दौरान प्रधानमंत्री शांति से कुछ देर स्तोत्र की ऋचाओं को सुना। इसके बाद उन्होंने माँ काली के दर्शन व पूजा-अर्चना की।

दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर से बेहतर होगी कनेक्टिविटी; पैदा होंगे व्यापार, निवेश और रोजगार के नए अवसरः नितिन गडकरी

उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इस परियोजना के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह केवल एक सड़क परियोजना नहीं है, बल्कि देश के आर्थिक विकास को गति देने वाला एक बड़ा माध्यम है। उन्होंने बताया कि इस कॉरिडोर से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के अवसरों में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। गडकरी ने बताया कि इस दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर से प्रमुख पर्यटन स्थलों और आर्थिक केंद्रों के बीच बेहतर कनेक्टिविटी स्थापित होगी, जिससे व्यापार, निवेश और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। खासतौर पर उत्तराखंड जैसे पर्यटन-प्रधान राज्य के लिए यह परियोजना एक बड़ी सौगात है।गडकरी ने बताया कि इस एक्सप्रेसवे के बनने से उत्तराखंड में आर्थिक, सामाजिक और औद्योगिक विकास के नए द्वार खुलेंगे। बेहतर कनेक्टिविटी से निवेश बढ़ेगा, उद्योगों को प्रोत्साहन मिलेगा और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। यह परियोजना खासतौर पर उन लोगों के लिए लाभकारी साबित होगी, जो नियमित रूप से दिल्ली और देहरादून के बीच यात्रा करते हैं।

नोएडा दूसरे दिन भी बवाल

●प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प, पथरावः 350 से ज्यादा गिरफ्तारी

एजेंसी

कोलकाता । नोएडा । नोएडा को चल रहे धरना-प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर द्वारा शहर में सुदृढ़ पुलिस व्यवस्थापन किया गया है ताकि कानून-व्यवस्था बनाए रखी जा सके और किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। प्रशासन के अनुसार, विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों में पर्याप्त पुलिस बल और वरिष्ठ अधिकारियों की तैनाती सुनिश्चित की गई है। जानकारी के मुताबिक, क्लियो काउंटी, गढ़ी चौखंडी, सेक्टर-121 और सेक्टर-70 जैसे क्षेत्रों में जो घटनाएं सामने आई हैं, वे मूल रूप से एक ही स्थान से जुड़ी हुई हैं। वहीं अब तक 350 से ज्यादा गिरफ्तारी हो चुकी है।

नोएडा में पूरी स्थिति सामान्य है: डीजीपी राजीव कृष्ण

उत्तर प्रदेश के डीजीपी राजीव कृष्ण ने नोएडा में मजदूरों के विरोध प्रदर्शन पर कहा, 'नोएडा में पूरी स्थिति सामान्य है। यहां सभी वरिष्ठ अधिकारी मौजूद हैं और नोएडा में हमारे अधिकारियों के साथ संवाद भी कर रहे हैं...सभी जगह स्थिति सामान्य है। मुख्यमंत्री ने कल एक कमेटी का गठन किया था और उस कमेटी ने तुरंत वहां जाकर सभी हितधारकों के साथ विस्तृत वार्ता की है। मामले में कुछ ऐसे लोग और समूह सामने आए हैं जिन्होंने इस प्रकरण में भड़काने का काम किया है। हमारे पास उनके इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य मौजूद हैं और उनके आधार पर कार्रवाई की जा रही है।'

दोनों पक्षों से कल विस्तार में बात हुईः इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कमिश्नर

नोएडा में मज़दूरों के विरोध प्रदर्शन पर इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कमिश्नर दीपक कुमार ने कहा, 'दोनों पक्षों से कल विस्तार में बात हुई और सैकड़ों लोगों से बात हुई। दोनों तरफ की जो चुनौतियां और मांगे हैं उनको ध्यान में रखते हुए समिति ने सिफारिश की। स्थानीय प्रशासन और पुलिस के अधिकारी काम कर रहे हैं।'

नोएडा में श्रमिक आंदोलन पर राहुल गांधी का सवाल, क्या यही विकसित भारत का सच?

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सोमवार को नोएडा में श्रमिकों के प्रदर्शन और पुलिस द्वारा लाठीचार्ज किए जाने पर सरकार पर हमला बोला। राहुल गांधी ने ङ्क पर ट्वीट कर लिखा कल नोएडा की सड़कों पर जो हुआ, वो इस देश के श्रमिकों की आख़िरी चीख़ थी - जिसकी हर आवाज़ को अनसुना किया गया, जो मांगते-मांगते थक गया।नोएडा में काम करने वाले एक मज़दूर की 12,000 रुपये महीने की तनख्वाह,4,000-7,000 रुपये किराया। जब तक 300 रुपये की सालाना बढ़ोतरी मिलती है, मकान मालिक 500 रुपये सालाना किराया बढ़ा देता है। तनख्वाह बढ़ने तक ये बेलगाम महंगाई ज़िंदगी का गला घोंट देती है, कर्ज़ की गहराई में डुबा देती है - यही है 'विकसित भारत' का सच।एक महिला मज़दूर ने कहा - 'गैस के दाम बढ़ते हैं, पर हमारी तनख्वाह नहीं।' इन लोगों ने शायद इस गैस संकट के दौरान अपने घर का चूल्हा जलाने के लिए 5000 रुपये का भी सिलेंडर खरीदा होगा।यह सिर्फ़ नोएडा की बात नहीं है। और यह सिर्फ़ भारत की भी बात नहीं है। जो मज़दूर हर रोज़ 12-12 घंटे खड़े होकर काम करता है फिर भी बच्चों की स्कूल फ़ीस क़र्ज़ लेकर भरता है - क्या उसकी मांग ग़ैरवाजिब है?

अखिलेश ने सीएम पर साधा निशाना, नोएडा में हुए बवाल पर बोले- यह सरकार की नाकामी

एजेंसी

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव ने नोएडा में मजदूरों के प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने आरोप लगाए कि नोएडा की घटना को लेकर मुख्यमंत्री (योगी आदित्यनाथ) और भाजपा सरकार जिम्मेदार है। अखिलेश यादव ने मंगलवार को भीमराव अंबेडकर की जयंती पर लखनऊ में हजरतगंज चौराहा पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसी दौरान नोएडा में हुए हिंसक प्रदर्शन पर पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, 'जो नोएडा में हुआ है, यह सरकार की नाकामी के कारण हुआ है। सरकार को मामले की जानकारी थी, फिर भी ऐसी घटना होने दी। अगर अधिकारी कह रहे कि साजिश हुई है तो इसके लिए मुख्यमंत्री जिम्मेदार हैं।' सपा प्रमुख ने आगे कहा, 'मुख्यमंत्री से ज्यादा झूठ बोलने वाला कोई संत अभी तक नहीं हुआ है। हम नहीं कहते हैं, बल्कि बहुत सारे लोग कहते हैं कि वे नकली संत हैं। इन्हें संविधान से कोई लेना-देना नहीं है, क्योंकि संविधान से चलने वाले कभी किसी के साथ अन्याय नहीं कर सकते हैं। ' उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि भाजपा की 10 साल की सरकार में बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की बड़ी संख्या में प्रतिमाओं को नुकसान पहुंचाया गया है।

सम्राट चौधरी होंगे बिहार के नए मुख्यमंत्री

●बीजेपी विधायक दल के नेता चुने गए

एजेंसी

नई दिल्ली/पटना। भाजपा के नेता और तारापुर विधानसभा सीट से बीजेपी के विधायक सम्राट चौधरी बिहार के नए मुख्यमंत्री होंगे। उन्हें बीजेपी विधायक दल का नेता चुना गया है। हुब्ब की बैठक के बाद इसकी ऑपचारिक घोषणा की जाएगी। कल 15 अप्रैल को लोकभवन में शपथग्रहण समारोह होगा। राष्ट्रीय लोक मोर्चा (RLM) के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के लिए ट्वीट कर लिखा नयी जवाबदेही के लिए श्री सम्राट चौधरी जी को बहुत-बहुत बधाई और ढ़ेरों शुभकामनाएं।

नीतीश कुमार का मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा

· बिहार की राजनीति में 20 साल से अधिक लंबे 'नीतीश युग' का अंत

एजेंसी

नई दिल्ली/पटना। बिहार की राजनीति में एक बड़ा बदलाव सामने आया है। राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इसके साथ ही लगभग 20 वर्ष 5 माह लंबे 'नीतीश युग' का अंत हो गया है। 'सुशासन बाबू' के नाम से पहचान बनाने वाले नीतीश कुमार का जन्म 1 मार्च 1951 को पटना के बख्तियारपुर में हुआ था। नीतीश कुमार के पिता स्वर्गीय राम-लखन सिंह स्वतंत्रता सेनानी और प्रसिद्ध गांधीवादी नेता थे। उन्होंने बिहार कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग (वर्तमान एनआईटी पटना) से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। उनकी राजनीतिक सोच पर समाजवादी विचारधारा का गहरा प्रभाव रहा, जो उन्हें महान नेताओं राम मनोहर लोहिया, जयप्रकाश नारायण और विश्वनाथ प्रताप सिंह के सान्निध्य से मिला। उन्होंने 1974 से 1977 तक चले जेपी आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई। इसी आंदोलन ने उनके भीतर समाजवाद की मजबूत नींव रखी और उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन के लिए इसी राह को चुना। नीतीश कुमार ने वर्ष 1985 में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में बिहार विधानसभा में प्रवेश किया। उनकी राजनीतिक प्रतिभा के चलते 1987 में उन्हें युवा लोक दल का अध्यक्ष बनाया गया। इसके बाद 1989 में वे जनता दल के महासचिव और नौवीं लोकसभा के सदस्य बने। उन्होंने 1989 से 2004 तक लगातार बाढ़ लोकसभा क्षेत्र से जीत दर्ज की। केंद्र सरकार में भी उन्होंने महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं। अपने पहले कार्यकाल में वे केंद्रीय राज्य मंत्री बने और बाद में 2001 से 2004 के बीच रेल मंत्री के रूप में भी कार्य किया।

कांग्रेस ने अंबेडकर को विशेष सम्मान से वंचित रखाः नितिन नवीन

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने मंगलवार को कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उसकी सरकारों ने बाबासाहेब डॉ भीमराव अंबेडकर का सदैव अपमान किया और उन्हें विशेष सम्मान से भी वंचित रखा। नितिन नवीन ने यहां पार्टी मुख्यालय में डॉ. अंबेडकर की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में यह बात कही। नितिन नवीन ने कहा, 'आजादी के 60 वर्षों तक एक विशेष परिवार के अलावा किसी और को सम्मान नहीं देने की मानसिकता रही। संविधान के शिल्पी को दशकों तक उचित सम्मान नहीं दिया गया। पंडित नेहरू ने 1952 और 1954 के चुनाव में बाबासाहेब को हराने और अपमानित करने का प्रयास किया। यहां तक कि मतदाता सूची के साथ छेड़छाड़ कर उन्हें रोकने की कोशिश की गई। भाजपा अध्यक्ष ने कहा, नेहरू-गांधी परिवार ने स्वयं को तो भारत रत्न दिया लेकिन बाबासाहेब को इस सम्मान से वंचित रखा, लेकिन मैं मानता हूं उस युग के बाद जब वाजपेयी सरकार आई तब उन्होंने डॉ. अंबेडकर को भारत रत्न देने का काम किया। प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी ने न केवल इस वैचारिक विरासत को आगे बढ़ाया बल्कि 'पंचतीर्थ' की स्थापना कर उनके जीवन दर्शन को वैश्विक पहचान दी। वर्तमान सरकार ने डॉ. अंबेडकर से जुड़े पांचों मुख्य स्थानों को राष्ट्रीय गौरव का केंद्र बनाकर उनके अनुयायियों और पूरे देश को गौरवान्वित किया है।

महानगर मेट्रो एक्सक्लूसिव : गुजरात निकाय चुनाव 2026

क्या 'अपनों' की बगावत भाजपा के लिए बनेगी गले की फाँस ?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। गुजरात में 2026 के स्थानीय निकाय चुनावों का बिगुल बजते ही राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है। राज्य की सत्ता पर काबिज भारतीय जनता पार्टी के लिए यह चुनाव किसी बड़ी अग्निपरीक्षा से कम नहीं है। दिलचस्प बात यह है कि इस बार भाजपा के लिए सबसे बड़ी चुनौती विपक्षी दल कांग्रेस या आम आदमी पार्टी नहीं, बल्कि खुद पार्टी के भीतर पनप रहा 'आंतरिक असंतोष' बनकर उभरा है।

टिकट कटने से 'अपनों' में उबाल

भाजपा ने इस बार 'नो-रिपीट थ्योरी' और 'युवा नेतृत्व' को प्राथमिकता देते हुए कई पुराने और अनुभवी चेहरों के टिकट काट दिए हैं। टिकट वितरण के बाद राज्य के कई शहरों और ग्रामीण इलाकों में पुराने कार्यकर्ताओं में भारी नाराजगी देखी जा रही है। राजनीतिक पंडितों का मानना है कि पार्टी का यह साहसिक कदम अब 'बैकफायर' कर सकता है। कई वार्डों में पार्टी के पुराने वफादार अब निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर पर्चा भरने की तैयारी कर रहे हैं।

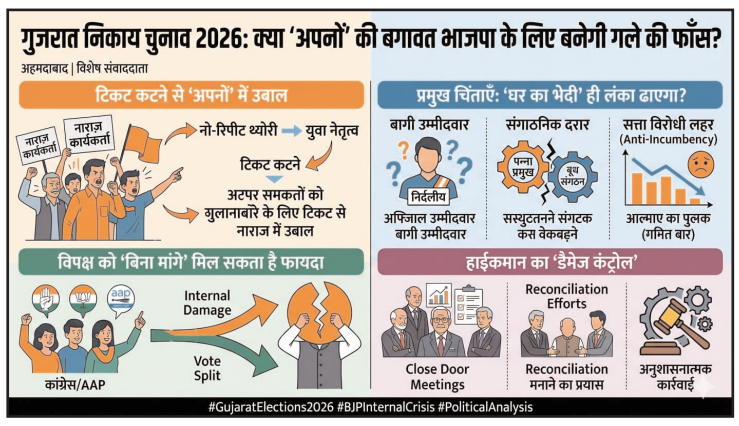

प्रमुख चिंताएँ: 'घर का भेदी' ही लंका ढाएगा?

ज़ बागी उम्मीदवार: कई क्षेत्रों में भाजपा के बागी उम्मीदवार ही भाजपा के आधिकारिक प्रत्याशियों के लिए सिरदर्द बन रहे हैं। यह स्थिति वोटों के ध्रुवीकरण और विभाजन का कारण बन सकती है।

संगाठनिक दरार: भाजपा का सबसे बड़ा हथियार उसका 'पन्ना प्रमुख' और बूथ स्तर का संगठन रहा है। लेकिन कार्यकर्ताओं की नाराजगी के कारण संगठन के काम में वो उत्साह नजर नहीं आ रहा है जो आमतौर पर होता है।

ज़ सत्ता विरोधी लहर लंबे समय से सत्ता में होने के कारण स्थानीय स्तर पर कुछ विधायकों और पार्षदों के खिलाफ जनता के साथ-साथ कार्यकर्ताओं में भी रोष है।

विपक्ष को 'बिना मांगे' मिल सकता है फायदा

हालांकि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी इस वक्त संगठनात्मक रूप से कमजोर दिख रही हैं, लेकिन भाजपा के भीतर की कलह उन्हें संजीवनी दे सकती है। भाजपा के 'इंटरनल डैमेज' का सीधा लाभ उन सीटों पर मिल सकता है जहाँ जीत-हार का अंतर बहुत कम होता है।

हाईकमान का 'डैमेज कंट्रोल'

बढ़ते विरोध को देखते हुए भाजपा आलाकमान ने वरिष्ठ नेताओं को मैदान में उतारा है। रुठे हुए कार्यकर्ताओं और पूर्व पार्षदों को मनाने के लिए बंद कमरों में बैठकों का दौर जारी है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि जो कार्यकर्ता पार्टी के खिलाफ काम करेंगे, उन पर सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

गोविंद येतयेकर भाजपा मीडिया चीफ और ओम प्रकाश चौहान सह मीडिया चीफ नियुक्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई (मुकेश सोलंकी)। गोविंद येतयेकर और ओम प्रकाश चौहान को भारतीय जनता पार्टी महाराष्ट्र प्रदेश का क्रमश: मीडिया चीफ और जॉइंट मीडिया चीफ नियुक्त किया गया है। भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण की मौजूदगी में गोविंद येतयेकर और ओम प्रकाश चौहान को संगठनात्मक नियुक्ति पत्र दिए गए। इस मौके पर रवींद्र चव्हाण ने नव ? नियुक्त मिडिया पदाधिकारी को बुके देकर मंगल बधाई दी और उनके उज्जवल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर भाजपा जनरल सेक्रेटरी राजेश पांडे, जनरल सेक्रेटरी सुनील राणे, भारतीय जनता युवा मोर्चा के अध्यक्ष कृष्णराज महादिक और भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सिस्टम की बेरुखी या मानसिक बोझ: विजय शिरोया के बहाने सुलगते सवाल

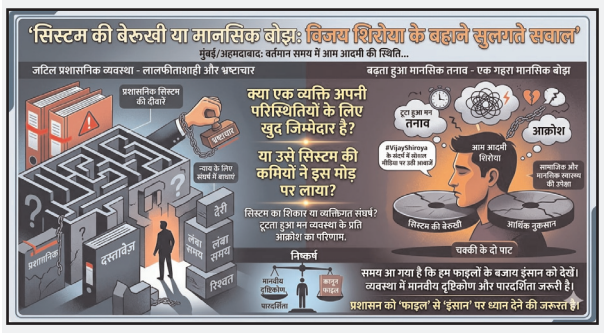

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई/अहमदाबाद। वर्तमान समय में आम आदमी की स्थिति 'चक्की के दो पाटों' जैसी हो गई है। एक तरफ जटिल प्रशासनिक सिस्टम की दीवारें हैं, तो दूसरी तरफ बढ़ता हुआ मानसिक तनाव। हाल ही में विजय शिरोया के संदर्भ में सोशल मीडिया पर उठी आवाजें इसी कड़वी सच्चाई की ओर इशारा कर रही हैं। सवाल खड़ा होता है कि क्या एक व्यक्ति अपनी परिस्थितियों के लिए खुद जिम्मेदार है, या उसे सिस्टम की कमियों ने इस मोड़ पर लाकर खड़ा किया है?

अक्सर देखा गया है कि जब कोई व्यक्ति न्याय या अपने हक के लिए सिस्टम से लड़ता है, तो भ्रष्टाचार और लालफीताशाही उसे मानसिक रूप से तोड़ देती है। यह केवल आर्थिक नुकसान नहीं, बल्कि एक गहरा मानसिक बोझ बन जाता है। विजय शिरोया के मामले ने इस बहस को पुनर्जीवित कर दिया है कि क्या हमारा समाज और प्रशासन व्यक्ति की मानसिक स्थिति के प्रति संवेदनशील है?

व्यवस्था की विफलता या व्यक्तिगत संघर्ष?

अक्सर 'सिस्टम का शिकार' वह व्यक्ति बनता है जिसे सही समय पर मार्गदर्शन और सहयोग नहीं मिलता। मानसिक स्वास्थ्य को आज भी समाज में नजरअंदाज किया जाता है, जबकि सच्चाई यह है कि टूटता हुआ मन व्यवस्था के प्रति आक्रोश का ही परिणाम होता है। समय आ गया है कि हम केवल फाइलों और कानूनों को न देखें, बल्कि उस इंसान को देखें जो इनके नीचे दब रहा है। अगर समय रहते व्यवस्था में पारदर्शिता और मानवीय दृष्टिकोण नहीं लाया गया, तो कई और लोग इसी तरह 'मानसिक बोझ' तले दबते रहेंगे। प्रशासन को अब 'फाइल' के बजाय 'इंसान' पर ध्यान देने की जरूरत है।

चुनावी सुधार: 'स्याही के साथ अब स्कैनिंग भी जरूरी' सुप्रीम कोर्ट के वकील अश्विनी उपाध्याय का बड़ा सुझाव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय ने एक क्रांतिकारी प्रस्ताव रखा है। उनका मानना है कि अब चुनाव प्रणाली में केवल उंगली पर स्याही लगाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि तकनीक का गहरा समावेश अनिवार्य हो गया है।

फर्जी वोटिंग पर लगेगा पूर्ण विराम

अश्विनी उपाध्याय के अनुसार, मतदान केंद्रों पर अब मतदाताओं की केवल पहचान देखना काफी नहीं है। उन्होंने सुझाव दिया है कि मतदान के समय:

1.आधार कार्ड का सत्यापन अनिवार्य हो।

2.आंखों का स्कैनिंग किया जाए।

3.फिंगरप्रिंट स्कैनिंग की व्यवस्था हो।

विवादों और झगड़ों का होगा अंत

एडवोकेट उपाध्याय का तर्क है कि इस प्रक्रिया से 'प्रॉक्सि वोटिंग' (दूसरे के नाम पर वोट डालना) और फर्जी मतदान की संभावनाएं पूरी तरह खत्म हो जाएंगी। उन्होंने कहा, 'इससे न केवल फर्जी वोट रुकेंगे, बल्कि चुनाव के बाद हार-जीत को लेकर लगने वाले गलत आरोपों पर भी विराम लगेगा। जब डेटा पूरी तरह बायोमेट्रिक होगा, तो चुनावी रंजिश और झगड़े अपने आप समाप्त हो जाएंगे। '

पारदर्शिता की नई दिशा

महानगर मेट्रो से बात करते हुए विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इस सुझाव पर अमल किया जाता है, तो यह भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में सबसे बड़ा डिजिटल सुधार साबित हो सकता है। इससे चुनाव आयोग की साख और भी मजबूत होगी और 'एक नागरिक, एक वोट' का सिद्धांत पूरी शुद्धता के साथ लागू होगा।

महंगाई की मार और सत्ता का शिकार: आम आदमी की कमर, राजनीति की मौज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। आज के दौर में आम आदमी दो पाटों के बीच पिस रहा है। एक तरफ आसमान छूती महंगाई की 'मोकण' (शोक) है, तो दूसरी तरफ किसी भी कीमत पर सत्ता हथियाने का खेल। जनता की थाली से दाल-सब्जी गायब हो रही है, लेकिन सियासी गलियारों में 'कुर्सी' के समीकरण बिठाने के लिए करोड़ों की गोटियां फेंकी जा रही हैं।

थाली खाली, पर वादे आलीशान

बाजार में जाकर देखिए, टमाटर और प्याज की कीमतें आम जनता की आंखों में आंसू ला रही हैं। पेट्रोल-डीजल के दाम पूरी अर्थव्यवस्था की रफ्तार को धीमा कर रहे हैं। मध्यम वर्ग और गरीब परिवार इस उलझन में हैं कि महीने का बजट कैसे चलाएं? जिसे महंगाई पर लगाम लगाने के लिए चुना गया था, वही सत्ता अब चुनाव जीतने की नई-नई 'रणनीतियों' में व्यस्त है।

सत्ता का शतरंज: जनमत पर भारी पड़ता 'जुगाड़'

राजनीति अब सेवा नहीं, बल्कि 'सत्ता पर कब्जे' का व्यापार बन चुकी है। राज्य दर राज्य हम देखते हैं कि जनता का वोट एक तरफ होता है और सरकार किसी दूसरे की बन जाती है।

राजनेता की चमकती किस्मत: 3.5 साल में 5 गुना बढ़ी राजू करपड़ा की संपत्ति

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सुरेंद्रनगर। गुजरात में आगामी 26 अप्रैल को होने वाले स्थानीय स्वराज्य के चुनावों को लेकर सियासी पारा चढ़ गया है। तीनों प्रमुख दलों के उम्मीदवारों ने अपना नामांकन दाखिल कर दिया है। इस चुनावी गहमागहमी के बीच सबसे ज्यादा चर्चा सुरेंद्रनगर के चर्चित किसान नेता राजू करपड़ा की हो रही है, जो हाल ही में 9 अप्रैल को भाजपा में शामिल हुए थे। उनके चुनावी हलफनामे ने सबकी आंखें चौंधिया दी हैं।

हलफनामे के आंकड़ों के अनुसार, पिछले साढ़े तीन वर्षों में राजू करपड़ा की संपत्ति में जबरदस्त उछाल आया है। साल 2021 के आसपास उनकी कुल संपत्ति लगभग 61 लाख रुपये आंकी गई थी, जो अब बढ़कर 3.12 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। यानी महज कुछ ही सालों में उनकी संपत्ति 5 गुना बढ़ गई है।

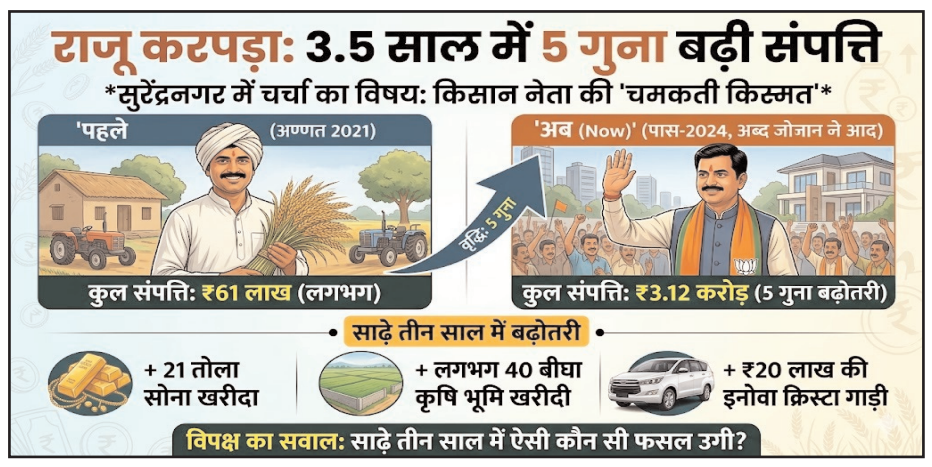

इस छोटी सी अवधि में करपड़ा ने 21 तोला सोना और करीब 40 बीघा कृषि भूमि की खरीदारी की है। इतना ही नहीं, उनके काफिले में 20 लाख रुपये की आलीशान इनोवा क्रिस्टा गाड़ी भी शामिल हुई है। एक किसान नेता के रूप में पहचान रखने वाले नेता की संपत्ति में हुए इस बेतहाशा इजाफे ने राजनीतिक गलियारों में चर्चा और विवाद दोनों को जन्म दे दिया है। विपक्ष अब सवाल उठा रहा है कि साढ़े तीन साल में ऐसी कौन सी फसल उगी जिससे संपत्ति करोड़ों में पहुंच गई? अब देखना यह है कि सुरेंद्रनगर की जनता इस 'समृद्धि' को किस नजरिए से देखती है।

नकली नोटों के काले कारोबार का भंडाफोड़: 500 की जाली करेंसी के साथ 3 गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/राजकोट: जाली नोटों के जरिए अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुँचाने वाले गिरोह के खिलाफ पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी करते हुए 500 की नकली नोटों के साथ 3 आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

पुलिस को जानकारी मिली थी कि कुछ लोग बाजार में ?500 की नकली नोटों को खपाने की फिराक में हैं। पुलिस ने जाल बिछाकर संदिग्धों को घेरा और तलाशी के दौरान उनके पास से ?500 की बड़ी संख्या में नकली नोट बरामद किए। पकड़े गए नोटों की बनावट ऐसी है कि पहली नजर में आम आदमी को धोखा हो सकता है।

पूछताछ में जुट गई पुलिस:

गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपियों से पुलिस कड़ी पूछताछ कर रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि:

* इन नकली नोटों की छपाई कहाँ हो रही है?
* इस गिरोह के तार किन अन्य शहरों या राज्यों से जुड़े हैं?
* अब तक बाजार में कितनी नकली करेंसी पहुंचाई जा चुकी है?

जनता से अपील:

पुलिस ने आम जनता और व्यापारियों से अपील की है कि ?500 के नोटों का लेन-देन करते समय सावधानी बरतें। यदि किसी नोट पर शक हो, तो तुरंत नजदीकी पुलिस स्टेशन को सूचित करें।

मेट्रो अलर्ट: सतर्क रहें, सुरक्षित रहें। लेनदेन के समय नोटों के सुरक्षा मानकों (जैसे वॉटरमार्क और सुरक्षा धागा) की जांच जरूर करें।

जेतपुर में हनीट्रैप गैंग का भंडाफोड़: व्यापारी को फंसाकर वसूली करने वाली दो महिलाओं समेत तीन गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट (जेतपुर): राजकोट ग्रामीण पुलिस ने व्यापारियों को प्रेमजाल में फंसाकर उनसे मोटी रकम वसूलने वाली एक शातिर 'हनीट्रैप' गैंग का पर्दाफाश किया है। जेतपुर सिटी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो महिलाओं सहित तीन आरोपियों को धर दबोचा है। साजिश और वसूली: पुलिस के अनुसार, यह गैंग ग्राहक बनकर व्यापारियों से संपर्क बढ़ाती थी और उनका मोबाइल नंबर हासिल कर लेती थी। हाल ही में मतवा शेरी के एक व्यापारी को इस गैंग ने जाल में फंसाया और बलात्कार के झूठे केस में जेल भेजने की धमकी देकर 20,000 रुपये ऐंठ लिए। जब गैंग ने और पैसों की मांग की, तो पीड़ित व्यापारी ने हिम्मत दिखाकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। जेतपुर पुलिस ने 'जेट आई' सीसीटीवी कैमरों और तकनीकी मदद से घेराबंदी कर नकलंक आश्रम रोड के पास से तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान ममता सिंह राजपूत, रमाबा जडेजा और महबूब मकवाणा के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से 4 मोबाइल फोन, एक मोटरसाइकिल और नकदी सहित कुल 1.01 लाख रुपये का मुद्दामाल जब्त किया है। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि इस गैंग ने और कितने लोगों को अपना शिकार बनाया है। व्यापारियों को सावधान रहने की सलाह दी गई है कि वे अनजान संपर्कों से दूरी बनाए रखें।

लोकतंत्र का 'रिटर्न गिफ्ट'

चुनाव खत्म होते ही महंगाई की लूट शुरू ?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। राजनीति में एक पुरानी कहावत है– 'वोट डलने तक सरकार जनता की होती है, और वोट डलते ही जनता सरकार की।' बंगाल चुनाव के खत्म होते ही अब कुछ ऐसे ही हालात नजर आ रहे हैं। जो लोग पिछले कुछ दिनों से इस बात पर चुटकी ले रहे थे कि 'मोदी सरकार तेल के दाम क्यों नहीं बढ़ा रही ', उनके लिए अब खतरे की घंटी बज चुकी है।

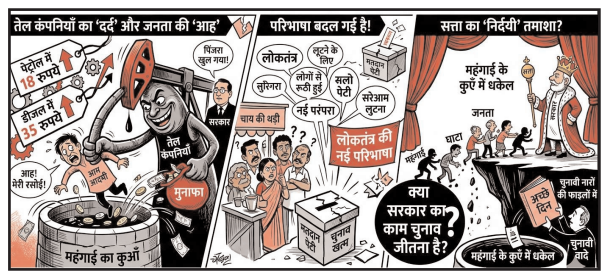

तेल कंपनियों का 'दर्द' और जनता की 'आह'

सूत्रों की मानें तो अंतरराष्ट्रीय बाजार का हवाला देकर तेल कंपनियां पेट्रोल में 18 रुपये और डीजल में सीधे 35 रुपये की ऐतिहासिक बढ़ोतरी करने की तैयारी में हैं। सरकार अब तक चुनाव की वजह से इन कंपनियों को रोक कर बैठी थी, लेकिन अब 'पिंजरा' खुलने वाला है। सवाल यह है कि क्या तेल कंपनियों के घाटे का बोझ हमेशा आम आदमी की रसोई और वाहन पर ही डाला जाएगा?

परिभाषा बदल गई है!

सोशल मीडिया से लेकर चाय की थड़ियों तक अब एक ही चर्चा है– लोकतंत्र की नई परिभाषा। लोगों का कहना है कि आज का लोकतंत्र 'लोगों की, लोगों से रूठी हुई और लोगों को लूटने के लिए बनी सरकार' जैसा महसूस होने लगा है। क्या लोकतंत्र में जनता का सरेआम लुटना ही अब नई परंपरा बन गई है?

सत्ता का 'निर्दयी' तमाशा ?

यह देखना वाकई दिलचस्प और दर्दनाक होगा कि क्या सरकार सचमुच इतनी निर्दयी होकर जनता को महंगाई के कुएं में धकेल देगी। क्या सरकार का काम केवल चुनाव जीतना है, या चुनाव के बाद जनता के हितों की रक्षा करना भी? अगर ये कीमतें इसी तरह बढ़ीं, तो आम आदमी के लिए 'अच्छे दिन' केवल चुनावी नारों की फाइलों में ही दबे रह जाएंगे।

बदबू मछली की थी या मरती हुई इंसानियत की ?

एक बेबस मां, बीमार बच्चा और समाज की 'सभ्य' क्रूरता की कहानी

लेखक: पवन माकन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद के भीड़भाड़ वाले रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों के डिब्बों में रोज़ हज़ारों चेहरे गुज़रते हैं। हर चेहरे के पीछे एक संघर्ष छिपा होता है, लेकिन हाल ही में एक ट्रेन के डिब्बे में जो घटा, वह हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम भौतिक प्रगति की दौड़ में अपनी संवेदनाएं कहीं पीछे छोड़ आए हैं?

संघर्ष की दोहरी मार: बीमार बच्चा और पेट की आग

यह कहानी है उस मछुआरे महिला की, जिसकी गोद में डेढ़ साल का 'बावला' (बेटा) बुखार से तप रहा था और सिर पर मछली की टोकरी थी। घर पर बीमार पति और गोद में बीमार संतान–इस दोहरी चुनौती के बीच वह शहर आई थी ताकि पति के लिए दवा और घर चलाने के लिए मछलियां खरीद सके। मध्यमवर्गीय सुख-सुविधाओं में पले-बढ़े लोगों के लिए जो 'बदबू' थी, वह उस स्त्री के लिए उसके घर का 'चूल्हा' जलाने का एकमात्र साधन था।

'सभ्यता' का क्रूर चेहरा

जब वह ट्रेन के डिब्बे में चढ़ी, तो उसके मन में डर था कि किसी को तकलीफ न हो। उसने टोकरी को अखबार से ढका, कपड़े से लपेटा और सीट के नीचे छिपा दिया। लेकिन कहते हैं न कि गरीब की लाचारी छिपती नहीं है। डिब्बे में चढ़ी कुछ 'सुशिक्षित' और 'रसूखदार' महिलाओं ने नाक-भौं सिकोड़ना शुरू कर दिया। 'यह गंदगी डिब्बे में नहीं चलेगी,' 'लगेज कोच में जाओ,' जैसी आवाजों ने उस गरीब मां को मानसिक रूप से तोड़ दिया।

गुम होती मानवीय संवेदनाएं

किसी ने यह नहीं देखा कि उस मां का बच्चा बुखार में जल रहा है। किसी ने यह नहीं पूछा कि 'बहन, तुम इतनी मजबूरी में यहाँ क्यों बैठी हो?' बस, सबको उस टोकरी की गंध अखर गई। अगले स्टेशन आते ही उसे उतरने पर मजबूर कर दिया गया। नतीजा यह हुआ कि भीड़ और जल्दबाजी के कारण वह दूसरी ट्रेन नहीं पकड़ सकी और अपने बीमार बच्चे और मछली की टोकरी के साथ तपती धूप में प्लेटफॉर्म पर अकेली रह गई।

महानगर मेट्रो का सवाल: क्या मन की स्वच्छता जरूरी नहीं?

आज हम स्वच्छता के बड़े-बड़े दावे करते हैं, यह अच्छी बात है। पर क्या मन की स्वच्छता और मानवता का कोई मूल्य नहीं? जिस मछली की गंध से लोग दूर भागे, उसी मछली को बेचकर वह मां अपने बीमार बच्चे के लिए दवा की शीशी खरीदने वाली थी। ट्रेन के डिब्बे में जगह तो मिल गई, पर क्या हमारे दिलों में इन गरीब संघर्ष करने वालों के लिए थोड़ी भी जगह बाकी है? जब हम किसी की मजबूरी को धिक्कारते हैं, तो असल में हम अपनी इंसानियत का गला घोंट रहे होते हैं।

सिस्टम की भेंट चढ़ा एक ईमानदार अधिकारी ?

मामलतदार की मौत के पीछे 'सियासी रसूख' का काला साया!

महानगर मेट्रो

अहमदाबाद/विशेष जांच – सरीगाम सीट के चुनावी दंगल ने एक प्रशासनिक अधिकारी की बलि ले ली है। सरीगाम सीट से एक निर्दलीय उम्मीदवार का नामांकन फॉर्म रद्द करने के लिए मामलतदार डी.सी. ब्राह्मणकाच्छ पर 'ऊपर' से भारी दबाव बनाया जा रहा था। सूत्रों की मानें तो यह दबाव इतना अनैतिक था कि कानूनन फॉर्म रद्द करने की कोई गुंजाइश न होने के बावजूद अधिकारी को मजबूर किया जा रहा था। नौकरी से निकालने की धमकी और मानसिक प्रताड़ना

मामलतदार कार्यालय के गलियारों में चर्चा है कि डी.सी. ब्राह्मणकाच्छ को स्पष्ट शब्दों में धमकी दी गई थी– 'या तो फॉर्म रद्द करो, वरना नौकरी से हाथ धो बैठो या फिर स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले लो।' एक तरफ कानून की मर्यादा थी और दूसरी तरफ सत्ता का अहंकार। ईमानदार अधिकारी की हालत 'सूड़ी वच्चे सोपारी' (दो पाटों के बीच फंसे होना) जैसी हो गई थी। बताया जा रहा है कि किसी गलत फैसले पर दस्तखत करने के बजाय उन्होंने मौत को गले लगाना बेहतर समझा।

कॉल डिटेल्स और व्हाट्सएप चैट खोलेंगे राज!

इस घटना ने पूरे प्रशासनिक अमले को हिला कर रख दिया है। अब मांग उठ रही है कि आखिर वो 'बड़े मगरमच्छ' कौन हैं जिन्होंने एक अधिकारी को आत्महत्या के लिए उकसाया? जांच के घेरे में ये बिंदु सबसे अहम हैं:

* लास्ट 48 ऑवर्स: अधिकारी के पिछले 48 घंटों के कॉल रिकॉर्ड्स।
* डिजिटल सबूत: व्हाट्सएप कॉल्स और चैट हिस्ट्री की बारीकी से जांच।
* अदृश्य हाथ: वह कौन सा 'पावर सेंटर' था जो नियम विरुद्ध काम कराने के लिए फोन पर धमकियां दे रहा था?

सुसाइड नोट का सस्पेंस

पुलिस ने अभी तक आधिकारिक तौर पर किसी सुसाइड नोट की पुष्टि नहीं की है, लेकिन माहौल में कई सवाल तैर रहे हैं। क्या पुलिस दबाव मुक्त होकर जांच कर पाएगी? महानगर मेट्रो यह सवाल उठाता है कि आखिर कब तक ईमानदार अधिकारियों को राजनीति की इस गंदी बिसात पर अपनी जान गंवानी पड़ेगी? न्याय की गुहार: इस मामले की निष्पक्ष जांच ही मृत अधिकारी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। दोषियों का चेहरा बेनकाब होना जरूरी है!

डॉ. भीमराव अंबेडकर जातीय सद्भाव के प्रतीक हैं' – सनातन सम्राट जगद्गुरु स्वामी चक्रपाणि जी महाराज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। अखिल भारत हिंदू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सनातन सम्राट, जगद्गुरु स्वामी चक्रपाणि जी महाराज ने भारत रत्न डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर जी की जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि बाबा साहब केवल सामाजिक न्याय के महानायक ही नहीं, बल्कि जातीय सद्भाव और सामाजिक समरसता के भी सशक्त प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने अपने जीवन में छुआछूत, भेदभाव और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करते हुए समाज को शिक्षा, समानता और संवैधानिक अधिकारों का मार्ग दिखाया। साथ ही उन्होंने महिला उत्थान, उनके अधिकारों और सम्मान के लिए भी महत्वपूर्ण कार्य किए, जो आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। सनातन सम्राट जगद्गुरु स्वामी चक्रपाणि जी महाराज ने अपने संबोधन में कहा कि–

'वर्ष 1952 के प्रथम लोकसभा चुनाव में, जब बाबा साहब डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर ने बॉम्बे नॉर्थ सेंट्रल लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा, उस समय हिंदू महासभा के महापुरुषों ने उनके प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए अपना प्रत्याशी नहीं उतारा और समर्थन का भाव प्रकट किया, जबकि कांग्रेस ने उनके विरुद्ध उम्मीदवार खड़ा किया। '

उन्होंने आगे कहा– 'यह उस समय की राष्ट्रवादी सोच और सामाजिक सद्भाव का प्रमाण था कि विचार भिन्न होने के बावजूद, योग्य व्यक्तित्व के सम्मान में सहयोग की भावना रखी गई। '

सनातन सम्राट जगद्गुरु स्वामी चक्रपाणि जी महाराज ने कहा– 'आज देश में जाति के नाम पर जो संघर्ष और एक-दूसरे पर टिप्पणी करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, वह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। किसी को भी यह अधिकार नहीं है कि वह किसी को उसकी जाति के आधार पर अपमानित करे। यदि जातीय सद्भाव सीखना है, तो बाबा साहब डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर के जीवन से सीखना चाहिए–वे समरसता और न्याय के सच्चे प्रतीक हैं। '

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में कुछ लोग बाबा साहब के नाम पर समाज में वैमनस्य फैलाने का प्रयास कर रहे हैं, जो उनके मूल विचारों के विपरीत है। अखिल भारत हिंदू महासभा का मत है कि सनातन धर्म का मूल भाव 'वसुधैव कुटुम्बकम्' है, जिसमें सभी वर्गों के प्रति समान सम्मान और एकता का संदेश निहित है। स्वामी चक्रपाणि जी महाराज ने देशवासियों से आह्वान किया कि वे बाबा साहब की जयंती पर जातीय भेदभाव को समाप्त कर एक समरस, संगठित और सशक्त भारत के निर्माण का संकल्प लें। उक्त जानकारी हिंदू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ब्रह्म ऋषि बीके शर्मा हनुमान जी ने दिया।

वर्षीतप आराधकों का भव्य अभिनंदन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा। नवकार सोशल ग्रुप के तत्वावधान में नागदा में जैन समाज द्वारा वर्षीतप आराधकों के लिए एक गरिमामय सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम के मुख्य लाभार्थी नागदा परिवार (मधु जी, सुभाष जी एवं ऋषभ जी नागदा) रहे।

प्रमुख आकर्षण और गतिविधियाँ

पग पखार (चरण पूजन): आराधकों के त्याग और तप के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए वरिष्ठजनों ने उनके चरण पखारे।

सांस्कृतिक व आध्यात्मिक प्रस्तुतिः सोनम कोलन के मंगलाचरण और दिलीप सिसोदिया के भक्ति गीतों ने माहौल को भक्तिमय बनाया।

सम्मानः तपस्वियों को शॉल, श्रीफल और प्रतीक चिह्न भेंट कर उनका बहुमान किया गया।

अतिथिः भाजपा जिला ग्रामीण अध्यक्ष राजेश धाकड़ सहित विभिन्न ट्रस्ट मंडलों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सम्मानित तपस्वी

कार्यक्रम में सुदिक्षा चपलोत, कीर्ति काकरिया, मोहन बाई कोठारी, सुनीता सकलेचा, कमलनयन चपलोत, डॉ. विपीन वागरेचा, रचना चपलोत, प्राची भटेवरा, प्रतिभा बुरड़ एवं हीरामणी ओरा का विशेष सम्मान हुआ।

भारतीय रेलवे के सलाहकार आलोक द्विवेदी का यात्रियों से संवाद

सुविधाओं में सुधार की दिशा में उठाए गए कदम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोरखपुर। भारतीय रेलवे बोर्ड के सलाहकार आलोक द्विवेदी ने हाल ही में विभिन्न रेलवे स्टेशनों का दौरा कर यात्रियों से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याओं व सुझावों को सुना। इस दौरान, वे भारतीय रेलवे के आगामी योजनाओं, विज़न और यात्री सुविधाओं के बारे में भी जानकारी दे रहे थे। श्री द्विवेदी ने सबसे पहले सहजनवा रेलवे स्टेशन का दौरा किया, जहाँ यात्रियों ने गर्मी के मौसम में पेयजल की समस्या की जानकारी दी। श्री द्विवेदी ने तुरंत संबंधित अधिकारियों से समाधान कराने का आश्वासन दिया। उनके इस तत्परता से यात्रियों में सकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिली। इसके बाद, श्री द्विवेदी जी ने गोरखपुर जंक्शन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बड़ी संख्या में यात्रियों से संवाद किया और वेटिंग रूम समेत अन्य यात्री सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने यात्रियों से प्राप्त सुझावों को संज्ञान में लेते हुए, तत्काल सुधार की दिशा में कदम उठाने का वचन दिया। इस मौके पर विनीत, प्रशांत यादव, ऋषि यादव, सौरभ जायसवाल, डॉ. अमरनाथ सिंह, गौरव त्रिपाठी, हर्षित दुबे और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। श्री द्विवेदी ने इस अवसर पर कहा कि वे निरंतर रेलवे स्टेशनों पर जाकर यात्रियों से मिल रहे हैं और माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी तथा यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विज़न को आगे बढ़ाने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय रेलवे भविष्य में नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेगा और इस दिशा में हम प्रयासरत हैं कि अधिक से अधिक आधुनिक सुविधाएँ सीधे यात्रियों तक पहुँचाई जा सकें। इस दौरान यात्रियों को यह भी बताया गया कि किसी भी प्रकार की असुविधा होने पर वे रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 पर कॉल करके तुरंत समाधान प्राप्त कर सकते हैं। श्री द्विवेदी के इस संवादात्मक प्रयास से भारतीय रेलवे में यात्रियों की सुविधाओं में सुधार की उम्मीद जताई जा रही है और यह कदम भारतीय रेलवे के प्रति यात्रियों का विश्वास और बढ़ाएगा।

सीमा सुरक्षा पर संग्रामः अमित शाह का बंगाल सरकार पर बड़ा प्रहार, पूछा– 'घुसपैठ रोकने में रोड़ा क्यों?'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोलकाताः देश की आंतरिक सुरक्षा और सीमाओं की संवेदनशीलता को लेकर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार को कठघरे में खड़ा किया है। शाह ने दो टूक शब्दों में कहा है कि सीमाओं को सुरक्षित करने के लिए फेंसिंग (बाड़ लगाना) अनिवार्य है, लेकिन बंगाल सरकार जमीन आवंटन में सहयोग न देकर राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ समझौता कर रही है।

फेंसिंग में देरीः मजबूरी या राजनीति?

गृहमंत्री ने कड़े तेवर दिखाते हुए सवाल उठाया कि आखिर सीमा सुरक्षा के काम में यह रुकावट किसके इशारे पर और किसके हित में पैदा की जा रही है? उन्होंने कहा, 'घुसपैठ रोकना देश के लिए प्राथमिकता है, लेकिन जब राज्य सरकार जमीन देने में ही आनाकानी करे, तो सुरक्षा एजेंसियां अपने हाथ कैसे मजबूत करें?' राजनीतिक जानकारों का मानना है कि शाह का यह हमला सीधे तौर पर सीमावर्ती इलाकों में हो रही जनसांख्यिकीय बदलाव और अवैध घुसपैठ की ओर इशारा करता है।

सुरक्षा के आगे सहयोग का अभाव

बॉर्डर पर फेंसिंग का काम अधूरा रहने से घुसपैठियों और तस्करों के हौसले बुलंद हैं। गृहमंत्री ने साफ कर दिया कि सीमा सुरक्षा केवल केंद्र का विषय नहीं, बल्कि इसमें राज्य की जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि फेंसिंग के बिना घुसपैठ पर पूरी तरह लगाम लगाना असंभव है और बंगाल सरकार का असहयोग राष्ट्रीय अखंडता के लिए चिंता का विषय है।

महानगर मेट्रो का सवालः देश पहले या वोट बैंक?

इस तीखे प्रहार के बाद एक बड़ा सवाल गूंज रहा है– क्या वोट बैंक की राजनीति देश की सुरक्षा से बड़ी हो गई है? आखिर क्यों अंतरराष्ट्रीय सीमाओं को सील करने के काम में राजनीतिक गतिरोध पैदा किया जा रहा है?

गृहमंत्री के इस बयान ने बंगाल की राजनीति में फिर से उबाल ला दिया है। अब देखना यह होगा कि क्या केंद्र के इस दबाव के बाद बंगाल सरकार जमीन के मुद्दे पर अपना रुख नरम करती है या सुरक्षा के मोर्चे पर यह तकरार यूँ ही जारी रहेगी।

आईपीएसी निदेशक की गिरफ्तारी पर ममता का गुस्सा, भाजपा को चेतावनी

मुझे डराने की कोशिश न करें, दहाड़कर जवाब देना आता है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोलकाताः पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आईपीएसी के निदेशक वाइनेश चंदौल की गिरफ्तारी को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी है। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा सोमवार रात दिल्ली में की गई इस कार्रवाई के बाद ममता बनर्जी ने मंगलवार को हावड़ा के जगतबल्लभपुर में आयोजित एक चुनावी सभा में भारतीय जनता पार्टी और निर्वाचन आयोग पर जमकर निशाना साधा। सभा को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस को डराकर झुकाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि चाहे जितनी भी चालें चली जाएं, बंगाल में एक बार फिर तृणमूल कांग्रेस ही सत्ता में आएगी और राज्य की प्रत्येक विधानसभा सीट पर 'दो फूल' चिन्ह वाले प्रत्याशी विजयी होंगे।

अपने तीखे तेवर दिखाते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे डराने की कोशिश मत करो। जो मुझे डराने आते हैं, वे मेरी दहाड़ से ही भाग जाते हैं। यदि तुम मुझे डराओगे, तो मैं तुम्हें चौंका दूंगी, और यदि तुम मुझे चौंकाओगे, तो मैं तुम्हें चुनौती दूंगी। '

मुख्यमंत्री ने निर्वाचन आयोग पर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि चुनाव की घोषणा के बाद राज्य की पुलिस और प्रशासनिक व्यवस्था आयोग के अधीन आ गई है, जिसके कारण पुलिस अब उनके नियंत्रण में नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस भारतीय जनता पार्टी के इशारे पर काम कर रही है और बाहर से कुछ ऐसे अधिकारियों को लाया गया है, जो कथित रूप से बिजली कटौती जैसी घटनाओं में शामिल रहे हैं।

ममता बनर्जी ने कार्यकर्ताओं और आम जनता से अपील की कि यदि पुलिस उन्हें परेशान करे तो वे तत्काल शिकायत दर्ज कराएं। उन्होंने कहा कि यदि लिखित शिकायत संभव न हो तो लोग इसे ऑनलाइन माध्यम से भी भेज सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि 15 मार्च को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की घोषणा के साथ ही राज्य में आचार संहिता लागू हो गई थी। तब से ममता बनर्जी लगातार निर्वाचन आयोग की भूमिका पर सवाल उठा रही हैं और उस पर भारतीय जनता पार्टी के प्रभाव में काम करने का आरोप लगा रही हैं।

इसके अतिरिक्त उन्होंने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का मुद्दा उठाते हुए आश्वासन दिया कि जिन लोगों के नाम सूची से हटाए गए हैं, उन्हें पुनः जोड़ा जाएगा। साथ ही उन्होंने माकपा और भारतीय जनता पार्टी के बीच मिलीभगत का आरोप लगाते हुए जनता से अपील की कि वे तृणमूल कांग्रेस के प्रत्याशियों को भारी मतों से विजयी बनाएं।

रिश्वत नहीं देने पर नोटिस देने का मामला मामला डोंगरगांव ब्लॉक के दरराबांधा मिडिल स्कूल का

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। डोंगरगांव छत्तीसगढ़ में प्राथमिक एवं मिडिल स्कूलों में शासन ने छात्र छात्राओं की परेशानी को देखते हुए शौचालय अनिवार्य किया है जिसके तहत सर्व शिक्षा अभियान और राजीव गांधी शिक्षा मिशन के तहत विभिन्न स्कूलों में शौचालय निर्माण किया जा रहा है लेकिन शौचालय निर्माण की आड़ में कुछ बाबू कर्मचारियों के द्वारा रिश्वत की डिमांड की जा रही है डोगरगांव ब्लॉक के दरराबांधा मिडिल स्कूल में शौचालय निर्माण का काम लगभग पूर्णता की ओर है अंतिम चरण में रंग रोगन किया जा रहा है इस संबंध में प्रधान पाठक बसंत वर्मा ने बताया कि डोगरगांव ब्लॉक शिक्षा विभाग में पदस्थ देवांगन बाबू के द्वारा यह कहा गया कि?10000 आपको देने पड़ेंगे तब मैंने पूछा कि क्यों तब बाबू बोला कि एक लाख में 10000 देने का नियम है अगर नहीं देंगे तो बार-बार परेशान कर झूठे आरोप में फंसा देंगे बसंत वर्मा ने कहा कि शौचालय निर्माण के लिए मैंने अपनी जेब से पैसा लगाया है मैं रिश्वत क्यों दूं जब उन्होंने पैसा देने से मना किया तब उन्हें बाबू के द्वारा एक स्पष्टीकरण नोटिस दिया गया है जिसमें कहा गया है कि शौचालय निर्माण नहीं करने पर आपके ऊपर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी दूसरी ओर प्रधान पाठक बसंत वर्मा ने कहा कि उन्होंने मिडिल स्कूल में निर्मित शौचालय में अपने निजी पैसे भी लगाया है रिश्वत नहीं देने के कारण उन्हें नोटिस दिया गया है जिससे वह काफी परेशान नजर आ रहे हैं उन्होंने इस संबंध में विकासखंड शिक्षा अधिकारी डोंगरगांव को एक पत्र लिखा है और अनुमति मांगी है कि संबंधित बाबू के खिलाफ रिश्वत मांगने की आरोप में वह एफआईआर करेंगे और उन्होंने नोटिस का भी जवाब दिया है शौचालय निर्माण पूर्ण हो चुका है यह बेहद आश्चर्य की बात है कि संबंधित विभाग के नाक के नीचे इस तरीके से बाबू के द्वारा खुले आम रिश्वत की मांग की जा रही है डोंगरगांव ब्लॉक में सैकड़ो स्कूल है सभी से अगर इस तरीके से उक्त बाबू के द्वारा रिश्वत लिया गया होगा तो यह रकम लाखों रुपया की होगी।

साबरमती के तट पर सनसनीः जला हुआ अज्ञात शव मिलने से हड़कंप, हत्या या कुछ और?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के बाहरी इलाके में साबरमती नदी के तट (साबरमती पट) से एक अज्ञात व्यक्ति का अधजला शव मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। सोमवार सुबह जब स्थानीय लोग नदी किनारे से गुजर रहे थे, तब उनकी नजर धुएं और झुलसी हुई लाश पर पड़ी, जिसके बाद तुरंत पुलिस को सूचित किया गया। प्रथम दृष्टया यह मामला जघन्य हत्या का प्रतीत हो रहा है, जिसमें पहचान मिटाने के उद्देश्य से शव को जलाने का प्रयास किया गया है।

पहचान मिटाने की क्रूर साजिश

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और एफएसएल की टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस के अनुसार, शव इतनी बुरी तरह जल चुका है कि उसकी उम्र या पहचान कर पाना फिलहाल मुश्किल है। हत्यारे ने साबरमती के इस सुनसान इलाके को इसलिए चुना ताकि किसी की नजर न पड़े। पुलिस को आशंका है कि मृतक की हत्या कहीं और की गई है और साबरमती के रेतीले पट में लाकर साक्ष्य मिटाने के लिए उसे पेट्रोल या किसी ज्वलनशील पदार्थ से जला दिया गया।

पुलिस जांच और सीसीटीवी खंगालने की कवायद

अहमदाबाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया है। जांच अधिकारी ने बताया, 'हमने आसपास के इलाकों की गुमशुदगी की रिपोर्ट चेक करना शुरू कर दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही मौत के सही समय और हत्या के तरीके का पता चल सकेगा।' साबरमती नदी की ओर आने-जाने वाले सभी मुख्य रास्तों और टोल नाकों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि संदिग्ध वाहनों की पहचान की जा सके।

बना अपराधियों का अड्डा?

नदी का यह किनारा रात के समय काफी सुनसान रहता है, जिसका फायदा अक्सर अपराधी उठाते हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि पुलिस गश्त कम होने के कारण इस इलाके में असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है। इस घटना ने एक बार फिर शहर की बाहरी सीमाओं पर सुरक्षा व्यवस्था पर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं।

महानगर मेट्रो का सवालः क्या शहर के किनारे अपराधियों के लिए सुरक्षित ठिकाने बनते जा रहे हैं? पुलिस प्रशासन को इस दिशा में कड़े कदम उठाने की जरूरत है ताकि अहमदाबाद की शांति भंग न हो।

अनकहे बलिदानः क्या हम माता-पिता के संघर्ष की कीमत समझ पा रहे हैं?

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी और चकाचौंध के बीच एक कड़वा सच कहीं दबा रह जाता है। वह सच है–माता-पिता का वह अथक संघर्ष और त्याग, जिसकी बुनियाद पर औलाद की सफलता की इमारत खड़ी होती है। अक्सर बच्चे इस त्याग का मूल्य तब तक नहीं समझ पाते, जब तक जिम्मेदारियों का बोझ खुद उनके कंधों पर नहीं आता।

पसीने की स्याही से लिखी खुशियां

हकीकत यह है कि कई माता-पिता दिन-रात हाड़-तोड़ मेहनत सिर्फ इसलिए करते हैं ताकि उनके बच्चे कभी खाली पेट न सोएं। एक पिता की फटी हुई बनियान और मां की पुरानी साड़ी के पीछे बच्चों के नए कपड़ों और बेहतर शिक्षा की कहानी छिपी होती है। अपनी छोटी सी कमाई में भी वे सबसे पहले बच्चों की जरूरतों को रखते हैं, अपनी इच्छाओं का तो जैसे उन्होंने गला ही घोंट दिया हो।

बदलते समय की विडंबना

वक्त बदलता है, बच्चे बड़े होते हैं और अपनी अलग दुनिया बसा लेते हैं। करियर, दोस्तों और आधुनिकता की दौड़ में अक्सर वे हाथ पीछे छूट जाते हैं जिन्होंने हमें चलना सिखाया था। विडंबना देखिए, जिस उम्र में माता-पिता को सबसे ज्यादा सहारे की जरूरत होती है, उसी उम्र में वे अक्सर खुद को अकेला और उपेक्षित महसूस करने लगते हैं।

दुनिया का सबसे सुरक्षित कंधा

दुनिया में आपको हजारों सलाहकार और दोस्त मिल सकते हैं, लेकिन संकट के समय जो निस्वार्थ सहारा माता-पिता के पास मिलता है, वह कहीं और मुमकिन नहीं। उनके संघर्षों को नजरअंदाज करना न केवल नैतिक पतन है, बल्कि हमारी जड़ों को काटना भी है।

आत्मचिंतन की जरूरत

आज जो हमारे लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर रहे हैं, कल उन्हें हमारे समय और प्रेम की जरूरत होगी। रिश्तों की असली कीमत तब नहीं होती जब वे पास हों, बल्कि तब होती है जब हम उनके होने की कद्र करें।

महानगर मेट्रो हर युवा से यह अपील करता है कि आप आसमान की ऊंचाइयों को जरूर छुएं, लेकिन उन हाथों को कभी न छोड़ें जिन्होंने आपको उड़ना सिखाया। दुआ है कि हर माता-पिता का संघर्ष सफल हो और हर बच्चा समय रहते उनके बलिदानों का सम्मान करना सीखे।

महानगर मेट्रो संदेशः कल को बेहतर बनाने की दौड़ में, उन्हें मत भूलिए जिन्होंने आपका 'आज' बनाया है।

पार्टी से ऊपर देशः अटल जी की वो सीख, जो आज के दौर में सबसे बड़ा मंत्र है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

'पार्टियां आती-जाती रहेंगी, सरकारें बनेंगी-बिगड़ेंगी, मगर यह देश रहना चाहिए।' भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी के ये स्वर्णिम शब्द आज के दौर में पहले से कहीं ज्यादा प्रासंगिक हो गए हैं। लोकतंत्र की मजबूती के लिए यह जरूरी है कि हमारी पहली और अंतिम निष्ठा किसी राजनीतिक दल के प्रति नहीं, बल्कि अपने देश के प्रति हो।

अंधभक्ति बनाम राष्ट्रभक्ति

अक्सर देखा जाता है कि लोग अपने पसंदीदा राजनीतिक दल या नेता के प्रति इतने समर्पित हो जाते हैं कि उनकी गलतियों पर भी आंखें मूंद लेते हैं। जब हम दलगत राजनीति के मोह में देश के व्यापक हितों की अनदेखी करते हैं, तो अनजाने में हम अपने राष्ट्र का ही नुकसान कर रहे होते हैं। लोकतंत्र में सवाल पूछना और आलोचना करना नागरिक का अधिकार ही नहीं, कर्तव्य भी है।

राष्ट्र प्रथम का संकल्प

अटल जी का जीवन हमें सिखाता है कि राजनीति केवल सत्ता पाने का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र सेवा का मार्ग है। एक सच्चा देशभक्त वही है जो पक्ष-विपक्ष की संकीर्ण सीमाओं से ऊपर उठकर यह देख सके कि देश के लिए क्या सही है। अगर दल की विचारधारा राष्ट्रहित से टकराती है, तो देश का चुनाव करना ही सच्ची राष्ट्रभक्ति है।

आइए, चुनावी शोर और सोशल मीडिया की बहसबाजी के बीच हम खुद से एक वादा करें। हम किसी पार्टी के 'अंधभक्त' होने के बजाय देश के 'जागरूक प्रहरी' बनेंगे। जब जनता जागरूक होगी और पार्टी प्रेम से ऊपर उठकर देश प्रेम को प्राथमिकता देगी, तभी हमारा लोकतंत्र और भारत अखंड एवं सशक्त रहेगा।

महानगर मेट्रो अपील

इस चुनावी माहौल में, अपनी उंगली पर लगी स्याही का सम्मान करें और 'देश प्रथम' की भावना के साथ अपना मत दें।

मेष ARIES (चू चे चो ला ली लू ले लो अ)	आज का दिन फायदेमंद रहेगा। सामाजिक दायराबढ़ेगा व मान सम्मान में वृद्धि होगी। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात होगी।
वृष TAURUS (ई उ ए ओ वा वि वू वे वो)	आज आप खुद को उर्जावान महसूस करेंगे। जीवनसाथी को किसी कार्य में सफलता मिलने से घर में खुशी का माहौल बनेगा।
मिथुन GEMINI (का की कू घ इ छ के को हा)	आज ऑफिस में काम का प्रेशर थोड़ा बढ़ सकता है। आप कुछ ऐसे मामलों में भी पड़ सकते हैं, जिनका समाधान निकालने में आपको थोड़ी परेशानी हो सकती है।
कर्क CANCER (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)	किसी खास व्यक्ति से अचानक मुलाकात आपके करियर की दिशा में बदलाव ला सकती है। इस राशि के आर्ट्स स्टूडेंट्स को थोड़ी मेहनत करने की जरूरत है।
सिंह LEO (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)	आज कलात्मक कार्यों में आपकी रूचि बढ़ेगी, धैर्य से निर्णय लेने पर सफलता के नए आसार खुलेंगे। किसी काम में जीवनसाथी की मदद मिलने से आपको फायदा होगा।	**कन्या** VIRGO (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)	आज परिवार का सहयोग प्राप्त होगा। अपने काम के लिये दूसरों को सहमत कराने में आप बहुत हद तक सफल रहेंगे। कुछ जरूरी निर्णय आपको फायदा दिला सकते हैं।
तुला LIBRA (रा री रू रे रो ता ती तू ते)	आज परिवार वालों के साथ टाइम स्पेंड करने का मौका मिलेगा। आपकी सभी परेशानियाँ दूर होंगी। किसी काम से थोड़ी भागदौड़ करनी पड़ सकती है।	**वृश्चिक** SCORPIO (तो ना नी नू ने नो या यी यू)	आज तरक्की के कई नए रास्ते नजर आयेंगे, आप पारिवारिक रिश्तों के बीच सामंजस्य बनाने में सफल होंगे। शाम को बच्चों के साथ समय व्यतीत करेंगे।
धनु SAGITTARIUS (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)	आज व्यापारी वर्ग को धन लाभ होगा, आप बच्चों के साथ खुशी के पल बितायेंगे। इस राशि के सिविल इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन अनुकूल है।	**मकर** CAPRICORN (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)	आज पहले किये गये काम में मेहनत का बेहतर परिणाम हासिल होगा। ऑफिस का खुशनुमा वातावरण आपके मन को उत्साह से भर देगा।
कुंभ AQUARIUS (गु जो सा सी सू से सो दा)	आज आपके भाग्य के सितारे बुलंद रहेंगे। अगर आप किसी महत्वपूर्ण काम को पूरा करने की सोच रहे हैं, तो वह काम आज पूरा हो जाएगा।	**मीन** PISCES (दी दु थ झ ञ दे दो चा ची)	आज किसी पुरानी बात को लेकर आप थोड़े परेशान हो सकते हैं, लेकिन शाम तक सब ठीक हो जायेगा। आज घर पर अचानक से कोई मेहमान आ सकता है।

सूरों की आशा बनकर गूंजती रहेगी आशा भोसले

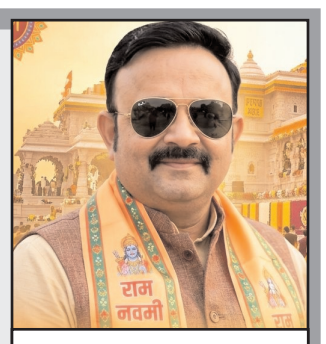

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

आशा भोसले की आवाज में केवल स्वर नहीं, बल्कि एक दिव्य स्पंदन, एक अदृश्य करिश्मा और साधना की सिद्धि निहित थी। वह स्वर कभी शृंगार की मधुरता बनकर मन को मोह लेता, तो कभी विरह की वेदना बनकर आत्मा को छू जाता। उन्होंने अपने गायन के माध्यम से भारतीय संगीत को केवल सरस और मनोरंजक ही नहीं, बल्कि अर्थपूर्ण, भावपूर्ण, आध्यात्मिक और प्रेरणादायी बनाया। उनके गीतों में जीवन का दर्शन, संवेदना की गहराई और आत्मिक स्पर्श एक साथ विद्यमान रहता था।

भारतीय संगीत का आकाश आज कुछ अधिक मौन, कुछ अधिक रिक्त प्रतीत होता है। स्वर की वह चंचल चिड़िया, जन-जन को चमत्कृत करने वाली आवाज जिसने दशकों तक हर हृदय में मधुरता के बीज बोए, आज भले ही भौतिक रूप से हमारे बीच न हो, पर उसकी गूंज अनंत में विलीन होकर भी अमर बनी हुई है। आशा भोसले केवल एक गायिका नहीं थीं, वे भारतीय आत्मा की वह स्वर-लहरी थीं, जो हर संस्कृति, हर भावना और हर युग में अपनी उपस्थिति दर्ज कराती रही। वे एक बेमिसाल गायिका, अनगिनत लोगों की आशा एवं अभिलाषा की करिश्माई आवाज बनकर करीब 12000 गीतों का सृजन कर विश्व रिकार्ड बनाया। हृदयाघात के कारण उनका जाना केवल एक कलाकार का जाना नहीं, बल्कि भारतीय संवेदना के एक पूरे युग का अवसान है, परंतु यह अवसान भी किसी अंत का नहीं, बल्कि उस अमरत्व का संकेत है जहाँ कलाकार अपने शरीर से परे होकर अपनी कृति में जीवित रहता है। 'अभी न जाओ छोड़ कर' जैसे गीत आज करोड़ों हृदयों की सच्ची पुकार बन गए हैं। जिनकी आवाज ने विरह को भी मधुर बना दिया, आज उन्हीं के बिछोह में संसार भाव-विह्वल है। आशा जी की आवाज में एक अद्भुत जीवंतता थी, वह कभी किशोरी की चंचलता बन जाती तो कभी विरहिणी की करुण पुकार। उनके गीतों में जीवन की सम्पूर्णता समाहित थी-हंसी, आंसू, प्रेम, पीड़ा, श्रृंगार और भक्ति का ऐसा समन्वय जो दुर्लभ है। यही कारण है कि उनकी गूंज केवल भारत तक सीमित नहीं रही, बल्कि विश्व के अनेक देशों में लोग उनके गीतों को गुनगुनाते रहे। यदि भारतीय संगीत को एक महासागर माना जाए तो आशा भोसले उसमें बहती वह नदी थीं, जिसने हर शैली को अपने भीतर समेट लिया। क्लासिकल से लेकर पॉप, जैज से लेकर गजल और कव्वाली तक, उन्होंने हर विधा में अपनी विशिष्ट छाप छोड़ी। यह मानना कठिन है कि एक ही स्वर इतनी विविधताओं को इतनी सहजता से व्यक्त कर सकता है, पर आशाजी ने इसे संभव कर दिखाया। वे केवल गाती नहीं थीं, वे हर गीत को जीती थीं और यही कारण है कि उनके गीत केवल ध्वनि नहीं बल्कि अनुभूति बन जाते थे।

8 सितंबर 1933 को जन्मी आशाजी ने संगीत को साधना के रूप में जिया। लता मंगेशकर जैसी विराट प्रतिभा की छाया में अपनी अलग पहचान बनाना सरल नहीं था। अनेक प्रतिभाएँ उस छाया में दबकर गुमनामी में खो गईं, पर आशाजी ने संघर्ष को अपनी शक्ति बनाया। पिता दीनानाथ मंगेशकर से मिली

संगीत की विरासत को उन्होंने अपने परिश्रम और साहस से विस्तार दिया। निजी जीवन के उतार-चढ़ाव, सामाजिक दबाव और प्रतिस्पर्धा के बीच भी उन्होंने अपने स्वर की लौ को कभी मंद नहीं होने दिया। ओ.पी. नैयर जैसे संगीतकारों के साथ उनका जुड़ाव उनके करियर का निर्णायक मोड़ बना और उसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। उनकी उपलब्धियाँ केवल लोकप्रियता तक सीमित नहीं रहीं। ग्रेमी अवार्ड से सम्मानित होना, पद्म विभूषण प्राप्त करना और गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड में सर्वाधिक गीत गाने का रिकॉर्ड दर्ज कराना, यह सब उनकी दीर्घ साधना और असाधारण प्रतिभा के प्रमाण हैं। परंतु इन सबसे बढ़कर उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि वह प्रेम है, जो उन्हें श्रोताओं से मिला और जो आज भी उनके गीतों के माध्यम से जीवित है।

आशा जी के गीतों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे समय की सीमाओं को लांघ जाते हैं। 'पिया तू अब तो आजा', 'दम मारो दम', 'चुरा लिया है तुमने', 'दिल चीज क्या है' जैसे अनगिनत गीत आज भी उतने ही ताजगी भरे लगते हैं जितने अपने समय में थे। उनके गीतों में केवल संगीत नहीं, बल्कि एक जीवंत आत्मा थी, जो हर शब्द को अर्थपूर्ण बना देती थी और उसे कालजयी बना देती थी। संगीत उनके लिए केवल कला नहीं, जीवन का श्वास था। जैसे बिना सांस के जीवन असंभव है, वैसे ही बिना संगीत के जीवन नीरस और अर्थहीन हो जाता है। उन्होंने अपने गीतों के माध्यम से यह सिद्ध किया कि संगीत केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि आत्मा का पोषण है। उनके हर गीत में कहीं न कहीं ईश्वर की स्तुति, जीवन की सार्थकता और भावनाओं की पवित्रता का स्पर्श मिलता है।

आज जब हम उन्हें स्मरण करते हैं, तो यह अनुभव होता है कि उनका जाना केवल एक व्यक्ति का जाना नहीं, बल्कि एक युग का समापन है। मो. रफी, मुकेश और किशोर कुमार के बाद आशा भोसले का जाना भारतीय संगीत की उस स्वर्णिम परंपरा के एक और दीप का बुझना है, जिसने इस देश की आत्मा को सुरों में पिरोया था। फिर भी यह भी उतना ही सत्य है कि ऐसे कलाकार कभी समाप्त नहीं होते, वे अपनी कृतियों में जीवित रहते हैं, अपने स्वरों में सांस लेते हैं और पीढ़ी दर पीढ़ी लोगों के हृदय में गूंजते रहते हैं। मोहन भागवत द्वारा व्यक्त श्रद्धांजलि इस सत्य को और गहराई देती है कि आशा भोसले केवल एक गायिका नहीं थीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना की प्रतीक थीं। उनका योगदान केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने अपने गीतों के माध्यम से भारतीयता, संवेदनशीलता और जीवन के उत्सव को अभिव्यक्त किया। उनका जाना निस्संदेह एक अपूरणीय क्षति है, पर उनकी आवाज, उनकी लय, उनकी जीवंतता और उनकी आत्मा इस देश की माटी में सदैव गूंजती रहेगी। यही उनकी सच्ची अमरता है और यही हमारे लिए उनकी सबसे बड़ी विरासत है।

आशा भोसले का व्यक्तिगत जीवन जितना संघर्षमय रहा, उतना ही अदम्य साहस, जीवटता और आत्मविश्वास से भरा हुआ भी था। एक संगीत-साधक परिवार में जन्म लेकर उन्होंने बचपन से ही कठिन परिस्थितियों का सामना किया, परंतु हर चुनौती को उन्होंने अपनी शक्ति में रूपांतरित किया। लता मंगेशकर जैसी विराट विभूति की छाया में रहते हुए भी अपनी स्वतंत्र पहचान बनाना उनके असाधारण व्यक्तित्व का प्रमाण है। निजी जीवन के उतार-चढ़ाव, सामाजिक आलोचनाओं और पारिवारिक जटिलताओं के बीच उन्होंने कभी अपने आत्मबल को क्षीण नहीं होने दिया। उनकी जिंदादिली, बेबाकी, हाजिरजवाबी और जीवन के प्रति उत्सवधर्मी दृष्टिकोण उन्हें केवल एक कलाकार नहीं, बल्कि एक जीवंत प्रेरणा बनाते हैं। वे हर परिस्थिति में मुस्कराते हुए आगे बढ़ने की उस दुर्लभ कला की प्रतीक थीं, जो साधारण मनुष्यों को असाधारण बना देती है। आशाजी की प्रतिभा को तीन मुख्य संगीतकारों ने निखारा एवं संवारा, जिनमें ओ.पी.नैय्यर, रवि और आर.डी. बर्मन मुख्य है। उनका एक गीत मेरा कुछ सामान तुम्हारे पास पड़ा है, बहुत ही लोकप्रिय है, इसके लिये उन्हें नेशनल अवार्ड मिला था।

आशा भोसले की आवाज में केवल स्वर नहीं, बल्कि एक दिव्य स्पंदन, एक अदृश्य करिश्मा और साधना की सिद्धि निहित थी। वह स्वर कभी शृंगार की मधुरता बनकर मन को मोह लेता, तो कभी विरह की वेदना बनकर आत्मा को छू जाता। उन्होंने अपने गायन के माध्यम से भारतीय संगीत को केवल सरस और मनोरंजक ही नहीं, बल्कि अर्थपूर्ण, भावपूर्ण, आध्यात्मिक और प्रेरणादायी बनाया। उनके गीतों में जीवन का दर्शन, संवेदना की गहराई और आत्मिक स्पर्श एक साथ विद्यमान रहता था। उन्होंने हर शब्द में प्राण फूँककर उसे कालजयी बना दिया, जिससे संगीत केवल सुनने का विषय नहीं, बल्कि जीने का अनुभव बन गया। वास्तव में, आशा भोंसले वह अनंत स्वर-धारा थीं, जिन्होंने भारतीय संगीत को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाकर उसे वैश्विक चेतना में प्रतिष्ठित किया और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत बना दिया।

संपादकीय

श्रमिक अशांति

कोरोना संकट के बाद पटरी पर लौटती वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं को दुनिया के कई भागों में जारी युद्ध व संघर्ष ने फिर पटरी से उतार दिया है। महाशक्तियों की महत्वाकांक्षा मानवता और आम आदमी के जीवन पर भारी पड़ी है। यूक्रेन युद्ध ने दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं और यूरोप की ऊर्जा आपूर्ति को बाधित जरूर किया, लेकिन उसका असर उतना व्यापक नहीं था, जितना खाड़ी युद्ध का रहा है। जाहिरा तौर पर वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने से आम आदमी के जीवन पर बहुत नकारात्मक असर पड़ा है। बढ़ती महंगाई ने आम आदमी की जीवन शैली व थाली पर गहरा प्रभाव डाला है। अमेरिका के साम्राज्यवादी मंसूबों और इस्त्राइल की आक्रामकता से उपजे खाड़ी संकट ने एशिया ही नहीं, बल्कि यूरोप, अफ्रीका व अमेरिका की ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला को संकट में डाल दिया है। संयुक्त राष्ट्र की विफलता के चलते आज दुनिया में ह्यजिसकी लाठी, उसकी भैंसह्न वाली कहावत चरितार्थ हुई है। जिसका सीधा असर महंगाई वृद्धि के रूप में सामने आया है। एक ओर ईंधन संकट और उससे बुरी तरह प्रभावित जनजीवन आक्रोश का कारक बना है। विडंबना यह है कि इस महंगाई के बीच कामगारों के वेतन सिकुड़ने लगे हैं। जीवनयापन कठिन होते और कोई समाधान न निकलते देख श्रमिकों का आक्रोश सड़क तक पहुंचने लगा है। सोमवार को उत्तर प्रदेश के नोएडा में फैक्ट्रियों के श्रमिकों द्वारा किया गया हिंसक प्रदर्शन इस संकट की परिणति ही है। वहीं दूसरी ओर हरियाणा की औद्योगिक नगरी मानेसर में भी पुलिस व श्रमिकों के बीच हिंसक झड़पों की खबरें आई हैं। ये टकराव भारतीय औद्योगिक तंत्र की विसंगतियों की ही याद दिलाते हैं। इस तरह के हिंसक संघर्ष हमारी कानून-व्यवस्था की विफलता को भी उजागर करते हैं। वहीं बताते हैं कि श्रमिक वर्ग, उद्योग और राज्य सरकार के बीच कहीं न कहीं संवाद की कमी है। यही वजह है कि वेतन बढ़ाने की मांग के समर्थन में शुरू हुआ मार्च कालांतर आगजनी, तोड़फोड़ व यातायात बाधित करने में तब्दील हो गया। निश्चित तौर पर समय रहते इस श्रमिक असंतोष को भांपते हुए बेहतर ढंग से संवाद किया जाता तो शायद टकराव की स्थिति पैदा न होती। दरअसल, सरकारों की तरफ से तो कहा जा रहा है कि देश में ईंधन व गैस आपूर्ति में कोई व्यवधान नहीं है, लेकिन जमाखोरी व प्रशासन की उदासीनता से इसकी कालाबाजारी जारी है। श्रमिक वर्ग जो छोटे गैस सिलेंडरों से जीवन-यापन करता था, उसमें व्यवधान पैदा हो गया। नियंत्रित गैस आपूर्ति से छोटे गैस सिलेंडर भरने का धंधा ठप हो गया। शायद सरकारों को भी इस बात का अहसास नहीं था कि कितना बड़ा श्रमिक वर्ग छोटे गैस सिलेंडरों को भरने के काले धंधे पर निर्भर है। यही वजह है कि हिमाचल समेत कई राज्यों में खाना पकाने के संकट के चलते श्रमिकों के घर लौटने के मामले प्रकाश में आए हैं।

चिंतन-मनन

वीरत्व की अलंकृति है क्षमा

क्षमा वीरत्व की अलंकृति है। दुर्बल और विवश व्यक्ति द्वारा उद्गीत क्षमा का माहात्म्य उतना प्रखर नहीं हो सकता। ज्ञान की स्फुरणा में मौन की सार्थकता है। शक्ति-संपन्नता में क्षमा की सार्थकता है और त्याग-भावना में आत्मगोपन या अप्रशस्ति की सार्थकता है। शक्ति के अभाव में स्वीकृत का कवच व्यक्ति को कई अवांछनीय परिस्थितियों से त्राण तो दे सकता है, पर उससे क्षमा का वर्चस्व धुंधला हो जाता है। मन के प्रतिकूल परिस्थिति उत्पन्न होने पर संभावित प्रोध को शांति से प्रतिहत करने वाला व्यक्ति अपनी क्षमा को तेजस्वी बनाता है। क्षमा के स्वरूप और उसकी क्रियान्विति के संबंध में कोई निश्चित सिद्धांत नहीं बन सकता। अपराध करने वलों और क्षमाशील रहने वालों की अनेक भूमिकाएं हैं। एक मुनि, अपराधी व्यक्ति को क्षमा नहीं करता है तो उसका मुनित्व संदिग्ध हो जाता है। भगवान महावीर के साधना काल में कितनी बार प्रतिकूल परिस्थितियां पैदा की गई, पर महावीर का महावीरत्व उनकी क्षमाशीलता में ही पल्लवित हुआ। राजधर्म क्षमा को ऐकांतिक महत्व नहीं देता। दुष्ट व्यक्ति को दंडित करना राजधर्म के अनुसार विहित है। दंडनीय को दंड न देना राजधर्म का लोप माना जाता है। इससे अराजकता को प्रोत्साहन मिलता है और अपराधी तत्व निरंकुश हो जाते हैं। दंडसंहिता की सारी धाराएं अपराधों का प्रतिकार करने के लिए हैं। समाज के साथ अपराध और अपराधों के साथ दंड-पद्धति का सृजन स्वाभाविक माना जाता है। किंतु यह लोक-व्यवस्था या राज्य-व्यवस्था का सिद्धांत है। अध्यात्म की भूमिका इससे भिन्न है। इसमें अपराधी व्यक्ति स्वयं अपराध-शोधन के लिए प्रायश्चित स्वीकार करता है। अपराधी को बलात दंडित करने या उसके प्रति प्रोध प्रदर्शित करने की बात क्षमा-धर्म द्वारा संभव नहीं है। साधना के पथ पर अग्रसर साधकों के लिए क्षमा के अतिरिक्त दूसरा मार्ग ही नहीं हैं। क्षमा का प्रभाव अप्रतिहत होता है, पर क्षमा-धर्म की साधना है बहुत कठिन।

कैनवास पर जिंदगी: जब कला और नवाचार बनते हैं बदलाव की भाषा

दिलीप कुमार पाठक

कहते हैं कि कोरे कागज पर जब पहली बार कोई टेढ़ी-मेढ़ी लकीर खींची जाती है, तो वह महज एक आकृति नहीं होती, बल्कि इंसान के भीतर पल रहे एक विचार का पहला भौतिक जन्म होता है। वह पहली लकीर गवाह होती है उस छटपटाहट की, जो कुछ नया रचने के लिए हमारे भीतर हमेशा मचलती रहती है। आज का समय केवल सूचनाओं का नहीं, बल्कि उन सूचनाओं को खूबसूरती से पेश करने और उनसे नए रास्ते तलाशने का है। कला और नवाचार, ये दो ऐसे शब्द हैं जो सुनने में तो अलग-अलग क्षेत्रों के लगते हैं, लेकिन असल में ये एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। कला जहाँ हमें संवेदनाओं से भरती है, वहीं नवाचार उन संवेदनाओं को समाधान में बदल देता है।

भारतीय परिदृश्य में देखें तो कला कभी भी केवल दिखाने या सजाने की वस्तु नहीं रही, बल्कि यह हमारे जीवन जीने का एक अभिन्न ढंग रही है। हमारे देश के गाँवों की कच्ची दीवारों पर जब कोई महिला बिना किसी औपचारिक डिग्री के अपनी उंगलियों से मधुबनी या वरली के जरिए सदियों का इतिहास उकेर देती है, तो वह उसकी रचनात्मकता का शिखर होता है। दक्षिण के मंदिरों की वह बारीक नक्काशी हो या बनारस के घाटों पर सुबह की पहली किरण के साथ गूँजती शास्त्रीय बंदिशें, हमारी हर परंपरा में एक इनोवेशन छिपा रहा है। हमने मिट्टी से घड़ा बनाया तो वह हमारी जरूरत थी, लेकिन उसी घड़े को जब एक खास शक्ल दी गई ताकि पानी शीतल रहे और देखने वाले की आँखों को भी सुकून मिले, तो वह कला और विज्ञान का अद्भुत संगम बन गया। दुनिया भर में हर साल 15 अप्रैल को विश्व कला दिवस के रूप में मनाया जाता है, जो महान खोजी और कलाकार लियोनार्डो दा विंची की याद दिलाता है। दा विंची एक ऐसे शख्सियत थे जिन्होंने सदियों पहले यह साबित कर दिया था कि एक कलाकार के भीतर ही एक वैज्ञानिक और एक इंजीनियर छिपा होता है। भारत में भी आज इसी सोच को नए सिरे से परिभाषित करने की जरूरत है। आज जब पूरी दुनिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी मशीनी दिमाग के बढ़ते प्रभाव से सहमी हुई है, तब मानवीय संवेदनाओं वाली कला की अहमियत और बढ़ गई है। मशीनें करोड़ों आंकड़े जुटा सकती हैं, वे गणना कर सकती हैं, लेकिन वे उस एहसास को जन्म नहीं दे सकतीं जो एक कलाकार की मौलिक सोच से उपजता है। मशीन कभी भी उस दर्द, उस संघर्ष या उस निस्वार्थ मुस्कान को कैनवास पर वैसे नहीं उतार सकती, जैसा एक इंसान अपनी जिंदगी के अनुभवों से निचोड़कर लाता है।

बदलते भारत में अब कला और तकनीक का एक नया और गहरा रिश्ता बनता दिख रहा है। यह बदलाव की एक नई भाषा है। आज का युवा अपनी पारंपरिक विरासत को छोड़ नहीं रहा, बल्कि उसे तकनीक के पंख लगा रहा है। जब एक बुनकर सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म का सहारा लेकर अपनी साड़ियों के डिजाइन सीधे वैश्विक बाजार तक पहुँचाता है, तो वह अपनी विरासत को नया जीवन दे रहा होता है। यह नवाचार ही है जो हमारी मरती हुई कलाओं को ऑक्सीजन दे रहा है। हमें यह समझना होगा कि नयापन या इनोवेशन कोई रॉकेट साइंस नहीं है, बल्कि यह अपने पुराने काम को थोड़े अलग और बेहतर तरीके से करने का साहस है। शिक्षा के क्षेत्र में भी हमें इसी नजरिए की दरकार है। अक्सर हम बच्चों को तयशुदा ढर्रे पर चलाने की होड़ में उनके भीतर के सृजनात्मक पक्ष को नजरअंदाज कर देते हैं। हम उन्हें डॉक्टर या इंजीनियर तो बनाना चाहते हैं, लेकिन एक रचनात्मक इंसान बनाना भूल जाते हैं। हमें ऐसे समाज और ऐसी शिक्षा पद्धति की जरूरत है जहाँ लीक से हटकर सोचने को न केवल स्वीकार किया जाए, बल्कि उसे प्रोत्साहित भी किया जाए। यदि कोई बच्चा गणित के उलझे हुए सवालों को किसी धुन या चित्र के जरिए हल करता है, तो वह भविष्य के एक बड़े नवाचारी बनने की राह पर है।

अंततः, हमें कला को केवल दीघाओं या ड्राइंग रूम की सजावट तक सीमित नहीं रखना चाहिए। चाहे आप एक शिक्षक हों, खेत में पसीना बहाता किसान हों, घर संभालती गृहणी हों या कंप्यूटर पर कोडिंग करता सॉफ्टवेयर इंजीनियर-अपने काम को करने का आपका जो अपना मौलिक और बेहतर तरीका है, वही आपकी असली कला है। भारत की असली ताकत यहाँ के लोगों के हुनर और उनकी सांस्कृतिक विविधता में है। जब हम अपनी इस कलात्मक सोच को आधुनिक तकनीक और नए विचारों से पूरी तरह जोड़ देंगे, तभी एक ऐसे समाज का निर्माण होगा जहाँ हर हाथ में कौशल होगा और हर दिमाग में एक नया विचार। आइए, इस रचनात्मकता के सप्ताह को अपनी जिंदगी के कोरे कैनवास पर नए रंग भरने और समाज में एक सार्थक बदलाव लाने की शुरूआत बनाएं।

किरदार ईमानदार रखो, 'अंतिम संस्कार' शानदार होगा

ऐसे जियो कि विदाई भी त्योहार बन जाए! करम की स्याही से किरदार लिखो, तभी शानदार स्वागत मिलेगा

महानगर मेट्रो

आज के मैटेरियलिस्टिक ज़माने में, जहाँ लोग 'क्या पाया?' के पीछे भाग रहे हैं, यह लाइन हमें याद दिलाती है कि आखिर में 'कैसे थे?' ही मायने रखता है।

जब पद नहीं, चरित्र पर्सनैलिटी की खुशबू बोलता है

इंसान अपनी पूरी ज़िंदगी दौलत, पावर और पद पर बिता देता है। उसे लगता है कि बंगले की ऊंचाई से उसकी इज़्ज़त बढ़ेगी, लेकिन असल में, इंसान की ऊंचाई उसके बंगले से नहीं, बल्कि उसके चरित्र (कैरेक्टर) से मापी जाती है।

ईमानदारी का मतलब सिर्फ़ पैसे के मामले में ट्रांसपेरेंट होना नहीं है। ईमानदारी का मतलब है अपनी बातों, अपने व्यवहार और अपने फ़र्ज़ के प्रति वफ़ादार होना। जब आप किसी के न देखने पर भी सही रास्ता चुनते हैं, वही आपकी सच्ची ईमानदारी है।

'अंतिम संस्कार' इतना शानदार क्यों निकलेगा? जब कोई इंसान इस दुनिया से चला जाता है, तो लोग उसका बैंक बैलेंस देखने नहीं आते। लोग याद रखते हैं कि वह इंसान मुसीबत में कितना मज़बूत था, किसी के आँसू पोंछने में उसका हाथ कितना दूर था और उसकी बातों में कितनी सच्चाई थी। कीमत हमेशा कपड़ों की होती है, लेकिन कीमत हमेशा कैरेक्टर की होती है।

जिसका कैरेक्टर साफ़ होता है, उसकी विदाई में पूरा शहर जमा हो जाता है। वह भीड़ किराए की नहीं होती, बल्कि उस इंसान के ज़िंदगी भर के प्यार और सम्मान का नतीजा होती है। वह 'भव्य' अंतिम संस्कार इस बात का सबूत है कि इस इंसान ने धरती पर रहकर दुनिया को कुछ अच्छा दिया है। इतिहास गवाह है।

देश के प्रधानमंत्री होने के बावजूद लाल बहादुर शास्त्री के पास अपनी कार खरीदने के पैसे नहीं थे। उन्होंने लोन लेकर कार खरीदी। आज भी जब उनका नाम लिया जाता है, तो लोग सिर झुका लेते हैं। यही 'ईमानदार कैरेक्टर' की ताकत है।

जब अब्दुल कलाम राष्ट्रपति भवन से निकले थे, तो उनके पास बस कुछ किताबें और कपड़े थे। लेकिन जब उनका निधन हुआ, तो पूरे देश ने आँसू बहाए। वह अंतिम संस्कार सिर्फ़ शानदार ही नहीं, बल्कि ऐतिहासिक था। हम सब 'सेलिब्रिटी' बनना चाहते हैं, लेकिन 'पर्सनैलिटी' बनाना भूल जाते हैं। याद रखें, समय के साथ लुक्स और रंगत फीकी पड़ जाएगी, लेकिन आपका नेचर और आपकी ईमानदारी पीढ़ियों तक ज़िंदा रहेगी।

अपनी ज़िंदगी की किताब ऐसे लिखो कि जब आखिरी पेज पढ़ा जाए, तो पढ़ने वाले की आँखों में आँसू और दिल में आपके लिए इज़्ज़त हो।

अगर आप दुनिया में आए हैं, तो भले ही खाली हाथ जाना पड़े, लेकिन अपने पीछे ऐसी 'खुशबू' छोड़ जाओ कि लोग कहें, वो इंसान भले ही चला गया हो, लेकिन उसकी इंसानियत अभी भी हमारे बीच ज़िंदा है।

– दर्शना पटेल
(नेशनल मेडलिस्ट)

दिल्ली से फर्जी जज और उसका दोस्त गिरफ्तार, अवैध हथियार और कार भी जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक नकली जज और उसके दोस्त को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने दोनों के पास से अवैध हथियार, बिना रजिस्ट्रेशन की कार भी जब्त की है. दिल्ली पुलिस ने एक नकली न्यायिक अधिकारी को हथियार के साथ गिरफ्तार किया है. साथ ही पुलिस ने उसके दोस्त को भी गिरफ्तार किया है. इस बात की जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने एक न्यूज एजेंसी को दी. गिरफ्तार आरोपियों में से एक पर जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल करके खुद को न्यायिक अधिकारी बताने का आरोप है. इनके पास से एक हथियार और जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं.

पुलिस को ऐसे हुआ शक

आरोपियों की पहचान सूर्य अग्रवाल (31) और निखिल यादव (21) के रूप में हुई है. ये दोनों ही उत्तर प्रदेश के झांसी जिले के रहने वाले हैं. पुलिस के अनुसार ये गिरफ्तारियां पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन की एक टीम ने की हैं. यह कार्रवाई राष्ट्रीय राजधानी में संभावित सुरक्षा खतरों की जांच के लिए चलाए जा रहे एक अभियान के तहत की गई.

नई दिल्ली के पुलिस उपायुक्त (DCP) सचिन शर्मा ने एक बयान में कहा, '5 अप्रैल को शाम करीब 5 बजे, टीम ने एक संदिग्ध SUV (MG Hector) कार को रोका. यह कार बिना रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट के चल रही थी और इसकी खिड़कियों पर काली फिल्म लगी थी. वाहन पर 'जज, उत्तर प्रदेश सरकार' लिखा हुआ एक स्टिकर भी लगा था, जिससे शक पैदा हुआ. DCP ने आगे बताया कि तलाशी के दौरान निखिल यादव के पास से एक पिस्तौल और चार जिंदा कारतूस बरामद हुए. जबकि अग्रवाल के पास से पांच जिंदा कारतूस मिले. पूछताछ के दौरान अग्रवाल ने खुद को एक वकील बताया और साथ ही उत्तर प्रदेश का सिविल जज होने का भी दिखावा किया. उसने एक न्यायिक पहचान पत्र और एक पत्र पेश किया, जो कथित तौर पर उत्तर प्रदेश के अधिकारियों द्वारा जारी किया गया था. उसने दावा किया कि उसे दिल्ली में हथियार ले जाने की अनुमति है.

फर्जी तरीके से बनाया गया था जज का पहचान पत्र

सत्यापन करने पर पुलिस को पता चला कि पहचान पत्र और पत्र, दोनों ही जाली थे और उनमें डिजिटल रूप से छेड़छाड़ की गई थी. पुलिस को आगे पता चला कि अग्रवाल के पास उत्तर प्रदेश में जारी किया गया एक वैध हथियार लाइसेंस था, लेकिन वह केवल उसी राज्य तक सीमित था और उसे दिल्ली में हथियार ले जाने की अनुमति नहीं देता था.

फिलहाल पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन में एक मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है. पुलिस ने पिस्तौल, 9 जिंदा कारतूस, घटना में इस्तेमाल की गई स्कूू, जाली पहचान पत्र, मनगढ़ंत अनुमति पत्र और आधिकारिक पद का झूठा दावा करने के लिए इस्तेमाल किए गए स्टिकर को जब्त कर लिया है. साथ ही जाली दस्तावेजों के स्रोत का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं.

उम्रकैद का दोषी जमानत लेकर जेल से निकला और कर दिया दूसरा मर्डर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली: क्राइम ब्रांच ने बदमाश विकास दहिया उर्फ सोनू उर्फ ठेकेदार (42) को चंडीगढ़ से गिरफ्तार कर लिया है। मर्डर में उम्रकैद मिलने के बाद हाई कोर्ट से जमानत लेकर आया था। जुलाई 2025 में दूसरे मर्डर को अंजाम देकर फरार हो गया था। पुलिस को कत्ल में इसके सहयोगी रहे सुमित राणा उर्फ छोटू और कृष्ण दहिया उर्फ महाराज की तलाश है। आरोपी विकास सोनीपत के खरखौदा का रहने वाला है, जो ग्रेजुएट है। डीसीपी (क्राइम) पंकज कुमार के मुताबिक, विकास दहिया ने अपने साथियों के साथ दिल्ली के सुराखपुर निवासी बॉक्सिंग खिलाड़ी विकास डागर उर्फ भिंडा की 30 जुलाई को हत्या की थी। दहिया ने खुद कई राउंड फायरिंग की, जिससे पीड़ित की मौके पर ही मौत हो गई। द्वारका जिले के बाबा हरिदास नगर थाने में मर्डर समेत कई धाराओं में केस दर्ज किया गया। द्वारका कोर्ट ने इसे 18 अक्टूबर 2025 को भगोड़ा करार दे दिया।

पुलिस ने बॉक्सर की हत्या के मुख्य आरोपी विकास दहिया को चंडीगढ़ से गिरफ्तार किया है। आरोपी विकास को पहले भी एक मर्डर के मामले में उम्रकैद की सजा मिल चुकी थी। वह हाई कोर्ट से जमानत पर बाहर आया था और फिर दूसरा मर्डर कर दिया। जुलाई 2025 में उसने दिल्ली के एक बॉक्सर की गोली मारकर हत्या की थी। वह पिछले 8 महीनों से फरार था और कोर्ट ने उसे भगोड़ा घोषित किया था।

क्राइम ब्रांच ने कार्रवाई कर पकड़ा

जांच में पता चला कि विकास का आपराधिक इतिहास रहा है। सोनीपत के खरखौदा में 9 नवंबर 2010 को हुई हत्या का यह मुख्य आरोपी था। सोनीपत कोर्ट ने इसे 4 सितंबर 2012 में उम्रकैद दी थी, जिसे बाद में हाई कोर्ट से उसे जमानत मिल गई थी। जुलाई 2025 में दोबारा हत्या कर दी और फरार हो गया। इंस्पेक्टर विनोद यादव की टीम के हेड कॉन्स्टेबल रामनिवास को इसके चंडीगढ़ में होने की जानकारी मिली, जहां से इसे दबोच लिया।

आप 4 बार RSS से जुड़े कार्यक्रमों में गईं', जज से बोले केजरीवाल- सुनवाई निष्पक्ष होगी इसका भरोसा नहीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आगरा। दिल्ली हाई कोर्ट में सुनवाई के दौरान दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने सुनवाई कर रहीं जज पर ही सवाल उठा दिए। केजरीवाल ने कहा कि उन्हें आशंका है कि उनकी सुनवाई निष्पक्ष नहीं हो पाएगी। इसका कारण बताते हुए केजरीवाल ने कहा कि सुनवाई में शामिल जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा आरएसएस और बीजेपी से जुड़े 4 कार्यक्रमों में शामिल हो चुकी हैं। जबकि केजरीवाल और उनकी पार्टी की विचारधारा इसके बिल्कुल विपरीत है।

अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली हाई कोर्ट में सुनवाई कर रहीं जज पर उठाए सवाल

मेरे मन में यह आशंका है कि मुझे निष्पक्ष सुनवाई का मौका नहीं मिल पाएगा... यह बात दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के चीफ अरविंद केजरीवाल ने यह बातें दिल्ली हाई कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान कहीं। केजरीवाल ने इस सुनवाई में शामिल दिल्ली हाई कोर्ट की जज स्वर्ण कांता शर्मा को इस केस से अलग करने की मांग की। केजरीवाल ने सुनवाई के दौरान कहा कि आप (जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा) 4 बार ꣲꣲꣲ से जुड़े कार्यक्रमों में शामिल हो चुकी हैं। यह फैसला हमारी बात सुने बिना और हमारा जवाब लिए बिना ही पारित कर दिया गया, जो कि 'प्राकृतिक न्याय' का उल्लंघन है। जस्टिस शर्मा के पिछले आदेशों का जिक्र करते हुए केजरीवाल ने कहा कि मुझे सचमुच यह आशंका है कि मुझे निष्पक्ष सुनवाई का मौका नहीं मिलेगा।

'कर्मचारी भी बचाने हैं और इंडस्ट्रीज भी...' नोएडा एम्प्लॉइज प्रोटेस्ट पर क्या बोली सीएम की कमेटी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नोएडा। कर्मचारियों के उग्र प्रदर्शन के बीच बनी सीएम कमेटी ने साफ किया कि 20,000 वेतन का दावा फर्जी है. सीएम योगी आदित्यनाथ सरकार ने महंगाई को देखते हुए अंतरिम वेतन बढ़ाया है, साथ ही श्रमिकों और उद्योगों के हितों के बीच संतुलन बनाने की बात कही है. बीते सोमवार को नोएडा वेतन वृद्धि और बेहतर कामकाजी माहौल की मांग को लेकर निजी कंपनियों के कर्मचारियों का आंदोलन तेज रहा. स्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कड़ा एक्शन लिया और एक उच्च स्तरीय कमेटी का गठन किया था. मुख्यमंत्री की इसी कमेटी ने आज प्रेस वार्ता कर कई बातें साफ की हैं.

'हरियाणा से शुरू हुई और फैल गई फेक सूचना'

इसमें कहा गया है कि नोएडा के कर्मचारियों को लेकर एक फेक सूचना चली है कि केंद्र सरकार ने सबको 20 हजार वेतन के आदेश दिए हैं. यह झूठी बात हरियाणा से शुरू हुई और एनसीआर में फैल गई.उन्होंने आगे बताया कि हमने सोमवार को एक बैठक की जिसमें दोनों पक्षों को बुलाया गया. वर्कर्स का कहना है कि महंगाई बहुत बढ़ गई है लेकिन सैलरी नहीं बढ़ी है.

'हर जगह कॉस्ट ऑफ लिविंग अलग है तो...'

पहले पूरे प्रदेश के लिए एक फ्लैट रेट होता था. लेकिन अब हर जगह कॉस्ट ऑफ लिविंग अलग-अलग है. इसलिए तीन कैटरीगरी बनाई गई हैं. कमेटी ने यह रिकमंड किया है कि नोएडा - गाजियाबाद के लिए एक और अन्य जिलों के लिए कॉस्ट ऑफ लिविंग अलग है. ऐसे में उसी हिसाब से वेतन में बदलाव किए गए हैं. हमें श्रमिक को भी बचाना है और उद्योग को भी बचाना है. इसलिए श्रमिक और उद्योग वालों के लिए बीच का रास्ता निकाला जा रहा है ताकि किसी को नुकसान ना हो.

सोमवार को दिखा प्रदर्शनकारियों का आक्रोश

बता दें कि कई दिनों से जारी धरने के बाद सोमवार प्रदर्शनकारियों का आक्रोश बढ़ गया था, जिसके चलते सेक्टर-60 और 62 के आसपास भारी जाम की स्थिति बन गई. ट्रैफिक प्रभावित होने से ऑफिस जाने वालों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ा, वहीं इस दौरान कुछ वाहनों में आगजनी की घटनाएं भी सामने आईं. इस सब के बाद प्रदेश सरकार ने देर रात न्यूनतम मजदूरी दरों में बढ़ोतरी भी की है. अंतरिम वेतन वृद्धि के नए आदेश 1 अप्रैल 2026 से लागू होंगे. इसमें अलग-अलग श्रेणियां में अधिकतम करीब 3000 तक इजाफा हुआ है.

सड़कों पर उतरे प्रदर्शनकारी श्रमिक, कर दी पत्थरबाजी, मौके पर पहुंची पुलिस की टीम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नोएडा। मंगलवार को एक बार फिर श्रमिकों के प्रदर्शन की सूचना है। फेज दो में सड़कों पर उतरे प्रदर्शनकारियों ने जमकर पत्थरबाजी की। उत्तर प्रदेश के नोएडा से मंगलवार को लगातार दूसरे दिन श्रमिकों के उग्र प्रदर्शन की जानकारी सामने आ रही है। हालांकि, मंगलवार को कंपनियों को बंद रखने का निर्णय लिया गया। इस कारण अधिक बड़ा प्रदर्शन नहीं दिखा। लेकिन, सुबह से ही नोएडा पुलिस की ओर से किसी भी संभावित प्रदर्शन से निपटने की तैयारी की गई थी। फेज दो थाना क्षेत्र में एक बार फिर सोमवार की तरह सड़कों पर उतरे प्रदर्शनकारियों ने आम लोगों को निशाना बनाने का प्रयास किया। सड़कों पर पत्थरबाजी के जरिए माहौल को बिगाड़ने का प्रयास किया। हालांकि, मौके पर पहुंची पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को घेर लिया। उन्हें वापस घरों में जाने का निर्देश दिया गया। पुलिस प्रदर्शनकारियों को समझाने में जुटी हुई है। भारी संख्या में पुलिस बल की इलाके में तैनामी की गई है।

सेक्टर 70 से प्रदर्शन की तस्वीरें

नोएडा सेक्टर 70 से कर्मचारियों के प्रदर्शन की तस्वीर सामने आई है। यहां घरों से निकले प्रदर्शनकारियों ने वाहनों और पुलिस टीम को निशाना बनाने का प्रयास किया। सड़कों पर भारी मात्रा में ईंट-पत्थर बरसाए गए। इससे सड़क पर अफरातफरी का माहौल बन गई। पुलिस टीम भी इसकी जद में आई। पुलिस की टीम लगातार मौजूद है। प्रदर्शन कर रहे लोगों को समझने की कोशिश की जा रही है। लोगों से घरों के बाहर न निकलने की अपील की जा रही है। जानकारी के अनुसार, कर्मचारी झुंड में निकलकर अचानक सड़क पर आ रहे हैं और पत्थर फेंकना शुरू कर देते हैं। इस प्रकार की पत्थरबाजी में कुछ पुलिसकर्मियों को चोट लगने की बात सामने आई है। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए ले जाया गया है। पुलिस मौके पर जमा होने वाले लोगों को समझाकर वापस भेजे की कोशिश में जुटी हुई है।

प्रदर्शनकारियों के श्रमिक होने का दावा

पुलिस के सामने अब प्रदर्शनकारियों से निपटने की चुनौती है। दावा किया जा रहा है कि प्रदर्शनकारी श्रमिक हैं। हालांकि, श्रमिकों के वेतनवृद्धि की मांग को लेकर सरकार की ओर से अंतरिम राहत देते हुए इसमें वृद्धि की घोषणा कर दी गई है। इसके बाद भी श्रमिकों का आक्रोश कम होने का नाम नहीं ले रहा है। फेज दो इलाके में नारेबाजी और पत्थरबाजी की घटनाओं को देखते हुए भारी संख्या में सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है। सीनियर अधिकारी भी स्थिति का जायजा लेने पहुंच रहे हैं।

काम करने वाली मेड का भी प्रदर्शन

नोएडा में श्रमिकों के प्रदर्शन के बीच मंगलवार को घरों में मेड का काम करने वाली महिलाओं के भी प्रदर्शन की जानकारी सामने आ रही है। घरेलू कामकाज में लगने वाली महिलाओं ने मेहनताना बढ़ाए जाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। उन्होंने इस संबंध में सरकार के स्तर पर स्पष्ट नीति की घोषणा की मांग की।

दिल्ली में यमुना नदी 68 फीट से 15 पर आई, अब गहराई बढ़ाएगी सरकार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। यमुना में मॉनसून के दौरान हर साल आने वाली बाढ़ की समस्या को कम करने के लिए नदी की गहराई बढ़ाने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए बैथिमीट्रिक सर्वे किया जा रहा है। सिंचाई और बाढ़ विभाग के अधिकारियों के अनुसार, 1990 से पहले यमुना की गहराई 60 से 68 फीट तक होती थी लेकिन 48 किमी लंबी नदी के हिस्से में कई जगह गहराई सिर्फ 15 से 35 फीट रह गई है। ITO बैराज से ओखला बैराज के बीच करीब 14 किमी का हिस्सा सबसे ज्यादा प्रभावित है, जहां गहराई बेहद अनियमित है। कहीं-कहीं गहराई 23 फीट से भी कम है।

गहराई बढ़ाने की तैयारी

ड्रेजिंग कर 7-10 फीट तक गहराई बढ़ाने की योजना

बैथिमीट्रिक सर्वे के बाद सरकार NGT से ड्रेजिंग की इजाजत मांगेगी

ITO बैराज से ओखला के बीच का हिस्सा सबसे ज्यादा प्रभावित

जलस्तर तेजी से बढ़ जाता है

गहराई कम होने की वजह से हरियाणा के हथिनी कुंड बैराज से थोड़ा पानी छोड़े जाने पर भी जलस्तर तेजी से बढ़ जाता है। देश में अब तक किसी नदी की गहराई बढ़ाने के लिए ड्रेजिंग नहीं की गई है। ऐसे में दिल्ली सरकार सर्वे पूरा होने के बाद एनजीटी में ठोस दस्तावेजों के साथ ड्रेजिंग की इजाजत मांगेगी। सर्वे के बाद नदी की गहराई कम से कम 7 से 10 फीट तक बढ़ाने की योजना बनाई जा रही है। दिल्ली में पहले यमुना की चौड़ाई करीब 658 मीटर थी लेकिन अब यह आधा से ज्यादा घट गई है। इसी वजह से अब कम पानी छोड़े जाने पर भी बाढ़ का खतरा बढ़ जाता है।

गहराई एक समान करने के लिए एनजीटी से इजाजत मांगी जाएगी

स्टडी में 1994 से अब तक हथिनी कुंड बैराज से छोड़े गए पानी का आकलन किया गया, जिसमें पाया गया कि अब पहले के मुकाबले कम पानी में ही जलस्तर ज्यादा बढ़ रहा है। पूरे स्ट्रेच में गहराई एक समान करने के लिए एनजीटी से इजाजत मांगी जाएगी। यह बात सामने आई है कि साल 2010 में 4.96 लाख क्यूसेक और 2011 में 4.27 लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने के बावजूद बाढ़ की स्थिति नहीं बनी थी। साल 2013 में 5.37 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया, जिससे जलस्तर 207.32 मीटर तक पहुंचा था।

दिल्ली के बड़े अस्पतालों में डॉक्टरों की कमी, AIIMS का नाम भी शामिल

दिल्ली के शीर्ष सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों की भारी कमी

दिल्ली के बड़े सरकारी अस्पतालों जैसे एम्स, सफदरजंग में डॉक्टरों की कमी से मरीजों को इलाज में देरी और सर्जरी के लिए लंबा इंतजार करना पड़ रहा है, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव बढ़ता जा रहा है।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली: रेजिडेंट डॉक्टर्स किसी भी अस्पताल की बैकबोन होते हैं। इलाज की प्राइमरी केयर इन्हीं डॉक्टरों के कंधों पर होती है। लेकिन AIIMS सहित सफदरजंग, RML, लेडी हार्डिंग जैसे बड़े अस्पतालों में भी डॉक्टरों की कमी बनी हुई है। इसका असर इलाज पर पड़ रहा है और OPD की बढ़ती भीड़ और सर्जरी में लंबी वेटिंग की यह एक बड़ी वजह बन रही है। AIIMS में जहां फैकल्टी की कुल स्ट्रेंथ में से लगभग 35 पर्सेंट पोस्ट खाली हैं, वहीं पिछले तीन सालों में यहां काम कर रहे 42 डॉक्टरों ने रिजाइन भी कर दिया है।

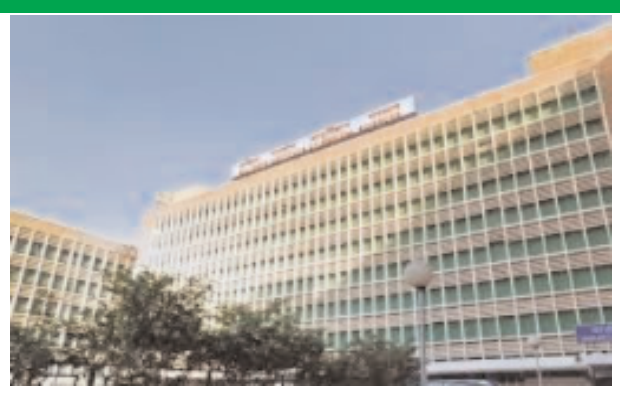

AIIMS जो देश के बाकी अस्पतालों के लिए मार्गदर्शक की तरह माना जाता है, वहां इतनी बड़ी संख्या में रेजिडेंट डॉक्टर और फैकल्टी के पद खाली होना चिंता की बात है। AIIMS में फैकल्टी के कुल 1306 पद हैं, जिनमें से 452 खाली हैं, यानी 34.6 पर्सेंट पद खाली पड़े हैं। लेकिन सबसे बड़ी परेशानी रेजिडेंट डॉक्टरों की कमी को लेकर है। AIIMS का ट्रॉमा सेंटर और इमरजेंसी सेवा 24 घंटे चलती है, ऐसे में सीनियर और जूनियर रेजिडेंट डॉक्टरों की कमी सेवाओं को प्रभावित कर सकती है। AIIMS सूत्रों के अनुसार, सीनियर रेजिडेंट्स के 530 पद खाली हैं, जिन्हें भरना बेहद जरूरी है। वहीं, नॉन फैकल्टी के कुल 13,911 पदों में से 2,540 खाली हैं, यानी करीब 18 पर्सेंट सीटें खाली हैं। सूत्रों का कहना है कि एक तरफ फैकल्टी और रेजिडेंट डॉक्टरों की कमी है, तो दूसरी तरफ लंबे समय से काम कर रहे सीनियर

मरीजों की बढ़ती परेशानी

दरअसल, एम्स में पूरे देश से मरीज इलाज के लिए आते हैं और यहां को लेकर उनका एक भरोसा है। कई बार लंबी सर्जरी वेटिंग मिलने के बाद भी मरीज दूसरे अस्पताल नहीं जाते और इंतजार करते रहते हैं। लेकिन जब इतनी बड़ी संख्या में डॉक्टरों के पद खाली हों, तो इसका असर सर्जरी की वेटिंग पर पड़ना तय है। दूसरी ओर, एम्स का मेडिकल एजुकेशन और रिसर्च भी इससे प्रभावित होता है। फैकल्टी भी एम्स छोड़ रहे हैं। पिछले तीन सालों में 42 डॉक्टरों ने रिजाइन किया है। यही स्थिति ꣲꣲꣲ की भी है, जहां 204 रेजिडेंट डॉक्टरों के पद खाली हैं, जिनमें 62 सीनियर रेजिडेंट शामिल हैं।

नोएडा हिंसा पर बरसीं बेटी शालिनी सिंह, अपनी ही सरकार और पुलिस को घेरा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नोएडा। श्रमिकों के हिंसक प्रदर्शन के बाद सियासी गलियारों में हलचल तेज हो गई है. पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह की बेटी शालिनी सिंह ने एक वीडियो जारी कर पुलिस इंटेलिजेंस और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर कड़े सवाल उठाए हैं. उन्होंने हाईटेक सिटी में हुई इस सुरक्षा चूक को लेकर सरकार को भी निशाने पर लिया है. नोएडा सिटीजन फोरम की कार्यकारी उपाध्यक्ष शालिनी सिंह ने मंगलवार को नोएडा में हुए श्रमिकों के हिंसक प्रदर्शन पर वीडियो जारी कर पुलिस और सरकार को आड़े हाथों लिया. उन्होंने प्रशासन से पूछा कि एक हाईटेक शहर में इतना बड़ा प्रदर्शन अचानक हिंसक कैसे हो गया और इंटेलिजेंस को इसकी कानों-कान खबर क्यों नहीं हुई.आपको बता दें कि कुश्ती संघ के अध्यक्ष रहे बृजभूषण शरण सिंह की बेटी शालिनी सिंह के एक भाई भाजपा सांसद और दूसरे विधायक हैं, इसके बावजूद उन्होंने अपनी ही सरकार और पुलिस की विफलता पर सवाल खड़े किए हैं. यह वीडियो ऐसे समय में आया है जब शालिनी हाल ही में राजनीति में आने के संकेतों को लेकर चर्चा में रही हैं.

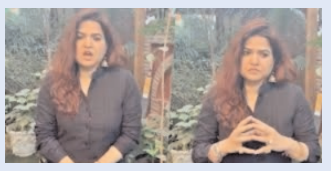

प्रशासन और इंटेलिजेंस पर उठाए गंभीर सवाल

शालिनी सिंह ने अपने वीडियो में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी है. उनका कहना है कि नोएडा जैसे विकसित और हाईटेक शहर में अगर हजारों लोग इकट्ठा होकर हिंसा कर रहे हैं, तो यह पुलिस और खुफिया तंत्र की बड़ी नाकामी है. उन्होंने इस बात पर हैरानी जताई कि प्रशासन को इस हिंसक मोड़ की भनक तक नहीं लगी.

सियासी मैदान में उतरने के साफ संकेत

गौरतलब है कि पिता बृजभूषण शरण सिंह की तरह ही शालिनी का यह बेबाक अंदाज अब सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोर रहा है. शालिनी हाल ही में तब चर्चा में आई थीं जब उन्होंने 'इंडिया टुडे' से बातचीत में अपने परिवार की सियासी विरासत का बचाव किया था. परिवारवाद के आरोपों पर उन्होंने तर्क दिया कि जब परिवार के सभी सदस्य अपने पैरों पर खड़े होकर राजनीति कर रहे हैं, तो इसे परिवारवाद नहीं कहा जाना चाहिए. उन्होंने इशारों-इशारों में चुनावी राजनीति में उतरने की इच्छा भी जाहिर की है, जिससे उनके इस ताजा रुख को भविष्य की बड़ी तैयारी के तौर पर देखा जा रहा है.

पर्शियन बिल्लियों के थे पासपोर्ट, मालकिन विदेश घुमाने लेकर जाने वाली थी, मौत पर पहुंची थाने

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाजियाबाद। यूपी के गाजियाबाद में लालकुआं निवासी कल्पना के घर में दो साल से पर्शियन नस्ल की दो बिल्लियां थी। एक मेल, एक फीमेल। परिवार का हिस्सा बन चुकी इन पेट्स से उनका भावनात्मक जुड़ाव था। युवती ने आरोप लगाया कि अस्पताल में गलत इलाज से फीमेल बिल्ली की मौत हो गई। वह प्रेग्नेंट भी थी। इसकी शिकायत पुलिस और जिला पशु चिकित्सा अधिकारी से की है। बिल्ली के पासपोर्ट बने हुए थे और वह उन्हें विदेश घुमाने ले जाने वाली थी।

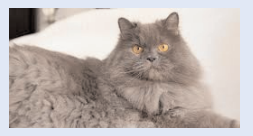

युवती ने लापरवाही का लगाया आरोप

कल्पना बिल्ली को संजय नगर स्थित CFCU पेट क्लीनिक में रूटीन चेकअप के लिए लेकर गई। उन्होंने बताया कि वह आंख ठीक से नहीं खोल पा रही थी। आरोप है कि क्लीनिक में डिहाइड्रेशन बताकर ड्रिप लगा दी गई। साथ ही इंफेक्शन बताया। अगले दिन उसकी हालत बिगड़ गई। उसे फिर उसी क्लीनिक लेकर पहुंचीं। उसे आईसीयू में भर्ती कर लिया गया। अल्ट्रासाउंड में सामने आया कि बिल्ली प्रेग्नेंट थी और उसके पेट में दो बच्चे मृत थे। युवती का आरोप है कि इसके बाद ऑपरेशन कर दोनों बच्चों को निकाला गया, लेकिन तब तक बिल्ली की हालत और बिगड़ चुकी थी। उसे नोएडा के एक अस्पताल लेकर पहुंचीं जहां उसकी मौत हो गई।

अस्पताल ने आरोपों को किया खारिज

युवती का आरोप है कि शुरुआत में प्रेग्नेंसी की जांच कर सही प्रोटोकॉल अपनाया जाता तो बिल्ली और उसके बच्चे बच सकते थे। वह उसे बाहर घुमाने के लिए ले जाने वाली थी। इनके पासपोर्ट भी बने थे। उन्होंने मधुबन बापूधाम थाने में शिकायत दी है और जिला पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. एसपी पाण्डेय से कार्रवाई की मांग की है। पशु चिकित्सा अधिकारी का कहना है कि मौत के बाद मामला आपराधिक हो गया है। पुलिस जांच में सहयोग मांगेगी तो विभाग की टीम जांच में शामिल होगी। वहीं, अस्पताल के डायरेक्टर विजेन्द्र सिंह यादव ने इन आरोपों को खारिज करते हुए बताया कि प्रोटोकॉल के अनुसार इलाज किया गया।

स?पताल की चौथी मंजिल से गिरकर महिला मरीज की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। यहां के बंधरा इलाके में अस्पताल में भर्ती महिला की चौथी मंजिल से नीचे गिरकर मौत हो गई। पति ने हत्या करने का आरोप लगाया है। यूपी की राजधानी लखनऊ के बंधरा इलाके में निजी अस्पताल में भर्ती एक विवाहिता की संदिग्ध हालात में चौथी मंजिल से गिरकर मौत हो गई। परिवारीजनों ने अस्पताल प्रशासन पर हत्या का आरोप लगाते हुए करीब सात घंटे तक हंगामा और प्रदर्शन किया। एसीपी कृष्णानगर ने बताया कि परिवारीजनों की तहरीर पर हत्या की रिपोर्ट दर्ज की गई है। यह मामला सोमवार सुबह का है। बंथरा के किशुनपुर कौड़िया निवासी अक्षत दीक्षित उर्फ सनी रोडवेज में संविदा बस चालक हैं। पत्नी सीता दीक्षित (32) का मानसिक संतुलन ठीक नहीं था। बंथरा के जुनाबगंज स्थित प्रसाद अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। रविवार दोपहर 2 बजे सीता को तबीयत ज्यादा खराब लगी तो वह प्रसाद अस्पताल पहुंच गई। अस्पताल से शाम 4 बजे उन्होंने पति अक्षत को फोन करके इसकी जानकारी दी।

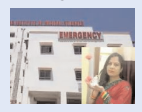

सुबह 6 बजे बेसुध मिली पत्नीः अक्षत

अक्षत अस्पताल पहुंचे तो देखा सीता चौथी मंजिल पर जनरल वॉर्ड में भर्ती थी। रात में अक्षत भी अस्पताल में रुक गए। अक्षत ने बताया कि तड़के चार बजे उनकी आंख लग गई। नींद टूटी तो देखा सीता बेड पर नहीं है। सुबह 6 बजे वह जनरल वॉर्ड के सामने जीने के पास जमीन पर बेसुध पड़ी मिली। जांच के बाद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि सीता ने खुदकुशी कर ली।

परिवार ने उठाए सवाल

अस्पताल के सीसीटीवी फुटेज में तड़के 4 बजे सीता जनरल वॉर्ड के कमरे से बाहर निकलती दिख रही है। उसकी चप्पले नीचे गिरती दिख रही है, पर वह गिरते हुए नहीं दिखी। सीता चौथी मंजिल से गिरी तो खून निकला होगा पर घटनास्थल पर खून के निशान नहीं मिले। क्या उसे साफ कर दिया गया है?

सीता के शरीर पर चोट के निशान भी नहीं है? पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार

बंथरा प्रभारी निरीक्षक राणा राजेश सिंह ने बताया कि शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट का इंतजार है। वहीं, सीता के भाई अधिवक?ता नीरज तिवारी की तहरीर पर बंथरा पुलिस ने मामले की हत्या में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मुंबईः 'टेक्नो कॉन्सर्ट' में ड्रग ओवरडोज़ से 2 छात्रों की मौत, एक ICU में भर्ती

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के गोरेगांव स्थित नेस्को वेयरहाउस में 11 अप्रैल को आयोजित एक हार्ड टेक्नो कॉन्सर्ट में शामिल हुए दो छात्रों की कथित ड्रग ओवरडोज़ से मौत हो गई है. वनराई पुलिस स्टेशन ने इस मामले में तत्परता दिखाते हुए एक इवेंट ऑर्गनाइज़र और कुछ पोस्ट ग्रेजुएट छात्रों सहित कुल पांच लोगों को गिरफ्तार किया है. मरने वालों में 24 वर्षीय एक युवक और 24 वर्षीय एक युवती शामिल है, जो अपने दोस्तों के समूह के साथ इटली के कलाकारों का कॉन्सर्ट देखने गए थे. सूत्रों के मुताबिक, इस ग्रुप के तीन सदस्यों ने ड्रग्स का सेवन था, जिसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ने लगी. पीड़ितों को पहले 'हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे ट्रॉमा अस्पताल' और फिर निजी अस्पतालों में ले जाया गया. इलाज के दौरान सोमवार तक दो लोगों ने दम तोड़ दिया, जबकि तीसरी महिला की हालत गंभीर बनी हुई है और वह आईसीयू में जीवन और मौत की जंग लड़ रही है.

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता BNS और NDPS एक्ट की सख्त धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है वनराई पुलिस ने ड्रग्स की बिक्री, कब्जे और आपराधिक साजिश के आरोप में पांच लोगों को हिरासत में लिया है. गिरफ्तार किए गए लोगों में कुछ पढ़े-लिखे पोस्ट ग्रेजुएट छात्र भी शामिल हैं. पुलिस फिलहाल आरोपियों से पूछताछ कर रही है, जिससे यह पता लगाया जा सके कि कॉन्सर्ट के दौरान छात्रों को किस तरह के घातक ड्रग्स बेचे या दिए गए थे, जिससे उनकी जान चली गई.

ड्रग ओवरडोज़ के बाद पीड़ितों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया था. गोरेगांव के एक निजी अस्पताल में भर्ती छात्र की पहले मौत हुई, जिसके बाद सोमवार को एक छात्रा ने भी दम तोड़ दिया. पुलिस सूत्रों के मुताबिक, शुरुआती जांच में यह ड्रग ओवरडोज़ से जुड़ा मामला लग रहा है. अभी भी एक महिला का इलाज चल रहा है, जिसकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है.

यह दुखद घटना उस वक्त हुई, जब नेस्को वेयरहाउस में इटली के टेक्नो कलाकार अपनी प्रस्तुति दे रहे थे. हार्ड टेक्नो म्यूजिक के इस आयोजन में बड़ी संख्या में युवा शामिल हुए थे.

महायुति के मंत्री नहीं चाहते थे महिला अफसर, मुझे साइड किया गया, महाराष्ट्र में मनीषा म्हैसकर IAS का खुलासा, खलबली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई :महाराष्ट्र में ठाणे के तीन भाई-बहन छुट्टी मनाने घर से निकले थे और मां से जल्द लौटने का वादा करके गए थे. लेकिन एक भीषण सड़क हादसे ने उनकी जिंदगी छीन ली और पूरे परिवार को उजाड़ दिया. दिल दहलाने वाला एक सच ये भी है कि इन मासूमों की मां ने सात साल पहले अपने पति को भी खो दिया था और अब बच्चे भी छिन गए.

'मां, हम बस दो-तीन दिन में वापस आ जाएंगे'

'मां, हम बस दो-तीन दिन में वापस आ जाएंगे,' मामा के यहां छुट्टी मनाने जा रहे बच्चों के यही आखिरी शब्द थे. लेकिन कुछ घंटों बाद, सोमवार की सुबह एक भयानक सड़क दुर्घटना में उनकी मृत्यु की खबर ने उनकी मां को झकझोर कर रख दिया.

22 साल की स्नेहा मोहापे, 20 साल की मानसी और उनका 17 साल के भाई प्रथमेश उन 11 लोगों में शामिल थे जिनकी वैन हादसे का शिकार हो गई. कल्याण तालुका के रायते गांव के पास उल्हास नदी पर बने नवनिर्मित पुल पर यात्रियों से भरी वैन और एक सीमेंट मिक्सर ट्रक की आमने-सामने की टक्कर में सभी 11 लोगों की मौत हो गई थी जिसमें 3 भाई बहन भी थे.

सात साल पहले अपने पति की मौत

इस त्रासदी ने बच्चों की मां अंजना मोहापे के पूरे सहारे को तहस-नहस कर दिया है. सात साल पहले अपने पति की मृत्यु के बाद से उन्होंने अपने बच्चों को बड़ी मुश्किलों से पाला था. घरेलू सहायिका के रूप में काम करने वाली अंजना ने अपने बच्चों को इस उम्मीद में खूब पढ़ाया कि वे जल्द ही अपने पैरों पर खड़े हो जाएंगे और परिवार को आर्थिक तंगी से बाहर निकालेंगे. परिवार के एक सदस्य नत्थू मोहापे ने बताया कि, 'वह इन्हीं के लिए जीती थी. पति को खोने के बाद, ये तीनों ही उसके जीने का एकमात्र सहारा थे.'

कॉलेज की छुट्टियां बिताने गए थे भाई- बहन

परिवार के एक अन्य सदस्य ने कहा, 'ये तीनों होनहार बच्चे थे और अपनी मां के लिए कुछ करने का सपना देखते थे. अब सब कुछ पल भर में खत्म हो गया.' भाई-बहन कॉलेज की छुट्टियां बिताने के लिए जिले के मुरबाद तालुका के पनहे गांव में अपने मामा के घर जा रहे थे. परिवार के सूत्रों के अनुसार, तीनों भाई-बहनों का अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव में किया जाएगा.

हादसे में 11 लोगों की गई जान

दुर्घटना इतनी भीषण थी कि वैन चकनाचूर हो गई. स्थानीय निवासी बचाव अभियान शुरू करने के लिए घटनास्थल पर पहुंचे, लेकिन तब तक लगभग सभी यात्रियों की जान जा चुकी थी. इस दुर्घटना ने कल्याण-अहिल्यानगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भारी वाहनों को लेकर स्थानीय लोगों में नए सिरे से आक्रोश पैदा कर दिया है. निवासियों ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य में लगे ट्रक, मिक्सर और डंपर ट्रक अक्सर राजमार्ग पर गति सीमा और सुरक्षा मानदंडों का उल्लंघन करते हैं.

डॉ आंबेडकर के महिला सशक्तीकरण का विस्तार है नारी शक्ति वंदन अधिनियम, महू में बोले सीएम मोहन यादव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल:मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को '21वीं सदी का सबसे बड़ा निर्णय' करार दिया है। उन्होंने कहा कि विधायी निकायों में आधी आबादी का प्रतिनिधित्व बढ़ाने वाले इस कानून के जरिए नरेन्द्र मोदी सरकार संविधान निर्माता डॉ. बीआर आंबेडकर के महिला सशक्तीकरण के भाव को आगे बढ़ा रही है।

उन्होंने बाबा साहब की 135वीं जयंती पर उनकी जन्मस्थली महू पहुंचकर श्रद्धांजलि दी है।

हमने महिला सशक्तिकरण के लिए काम किया

मुख्यमंत्री ने महिलाओं को मिलने वाले प्रसूति अवकाश, गुजारे भत्ते के हक और माता-पिता की संपत्ति में अधिकार के प्रावधानों का उल्लेख करते हुए कहा कि आंबेडकर ने हमेशा महिला सशक्तीकरण के लिए काम किया।

उन्होंने कहा कि महिला सशक्तीकरण को लेकर आम्बेडकर के इस भाव को आगे बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी महिलाओं को लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण देने जा रहे हैं। इससे आधी आबादी को इन विधायी निकायों में पर्याप्त प्रतिनिधित्व हासिल होगा।

21वीं सदी का सबसे बड़ा निर्णय

यादव ने कहा कि 21वीं शताब्दी के इस सबसे बड़े निर्णय को आम्बेडकर जयंती से जोड़कर देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आम्बेडकर ने देश की आजादी से पहले से सामाजिक समरसता की दिशा में काम करते हुए वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया और आजादी के बाद ऐसे संविधान की रचना की जिसमें समाज के सभी तबकों को समान अधिकार दिए गए

कांग्रेस नहीं जीतने दिया चुनाव

यादव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने आम्बेडकर को एक लोकसभा चुनाव में जीतने नहीं दिया था और इसके लिए देश की सबसे पुरानी पार्टी को पश्चाताप करना चाहिए।

इसके साथ ही सीएम मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस ने आम्बेडकर के साथ कदम-कदम पर छल किया। बाबा साहब की आत्मा कांग्रेस के नेताओं को कभी माफ नहीं करेगी।

मैहर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच बने गैप में गिरने वाली थी महिला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मैहर : जिले में रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर सोमवार शाम एक ऐसा खौफनाक मंजर सामने आया जिसे देखकर लोगों की सांसें थम गईं। रीवा-इतवारी एक्सप्रेस में चढ़ते समय एक महिला यात्री अचानक फिसलकर पटरी और प्लेटफॉर्म के बीच बने जानलेवा गैप में समाने लगी। लेकिन वहां तैनात जीआरपी और आरपीएफ के जवानों ने अपनी पलक झपकते ही ऐसी फुर्ती दिखाई कि महिला को मौत के मुंह से सुरक्षित बाहर खींच लिया। यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

रवाना हो रही थी ट्रेन

जानकारी के मुताबिक, छिंदवाड़ा निवासी योगिता श्रीवास (38 वर्ष) को जबलपुर जाना था। शाम करीब 6:45 बजे ट्रेन संख्या 11754 (रीवा-इतवारी एक्सप्रेस) स्टेशन से गति पकड़ रही थी। महिला ने चलती ट्रेन के पिछले जनरल कोच के हैंडल को पकड़कर अंदर जाने की कोशिश की, तभी उनका पैर पायदान से फिसल गया। संतुलन बिगड़ते ही वह ट्रेन के साथ घिसटने लगीं और प्लेटफॉर्म के नीचे गिरने ही वाली थीं।

शराबी के पास पहुंचे थे जवान

चौकाने वाली बात यह है कि यह घटना उस समय हुई जब जीआरपी आरक्षक दिनेश कुमार पटेल और आरपीएफ आरक्षक प्रमोद मिश्रा प्लेटफॉर्म पर एक अचेत पड़े शराबी की जांच कर रहे थे। अचानक शोर सुनकर जवानों की नजर गिरती महिला पर पड़ी। बिना एक सेकंड गंवाए दोनों जवानों ने अपनी जान की परवाह न करते हुए महिला को मजबूती से पकड़ा और पटरी की ओर जाने से पहले ही बाहर खींच लिया। महिला यात्री पूरी तरह सुरक्षित है, उन्हें मामूली खरोंचें आई हैं। हमारे जवानों ने जो सतर्कता दिखाई, उसने एक बड़ी अनहोनी को टाल दिया। स्टेशन प्रबंधन इन जवानों की बहादुरी की सराहना करता है। राजेश कुमार, स्टेशन मैनेजर, मैहर

मंदसौर में पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या करवा दी : प्यार में पति के करवाए टुकड़े, डीजल से शव जलाया और जेसीबी से खेत में गाड़ दिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मंदसौर। मध्य प्रदेश के मंदसौर में पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या करवा दी है। इसके बाद शव को डीजल डालकर जला दिया है। शव जलाने के बाद खेत में ही उसे दफना दिया। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है

आरोपी पंकज चौधरी, मृतक धनराज और उसकी पत्नी धापू बाई

मध्य प्रदेश के मंदसौर में प्रेम-प्रसंग में पति की हत्या हुई है। इसके बाद मृतक की बेटी ने मां और प्रेमी के लिए फांसी की मांग की है। आरोपियों ने मृतक की हत्या कर पहले शव को जलाया। इसके बाद उसे जमीन में गाड़ दिया। पुलिस ने आरोपी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है।

प्रेम-प्रसंग में हुई हत्या

मंदसौर पुलिस ने बताया कि दूधाखेड़ी गांव के धनराज नाथ की हत्या हुई है। उसकी पत्नी का नाम धापू बाई है। चार-पांच सालों से गांव के पंकज चौधरी के साथ उसका प्रेम प्रसंग चल रहा था। पति ने जब इसे लेकर टोका तो दोनों ने मिलकर उसकी हत्या कर दी। पत्नी ने अगले दिन थाने जाकर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। इसके बाद हमने जांच शुरू की।

डीजल डालकर जलाया

दरअसल, पंकज चौधरी ने मृतक धनराज को बुलाया गया था। गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी थी। इसके बाद पेट्रोल पंप से डीजल लाकर खेत में ही उसे जला दिया। खेत में जलाने के बाद जेसीबी से खोदा और उसमें गाड़ दिया। मामले की जांच के दौरान पुलिस को पंकज चौधरी और मृतक की पत्नी पर शक हुआ। इसके बाद सख्ती से पूछताछ में उसने सब कुछ उगल दिया।

परिवार की मांग है कि उसका घर तोड़ा जाए। हमने राजस्व अधिकारियों को सूचित किया है। जांच-पड़ताल के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। मकान तोड़ने की मांग की प्रवृति गलत है। विजय कुमार यादव, एसडीओपी

परिजनों ने किया था सड़क जाम

पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, जेसीबी ऑपरेटर की तलाश है। पत्नी और पंकज चौधरी को लेकर पुलिस की टीम घटनास्थल पर भी गई। वहां सीन रिक्रिएट किया गया है। वहीं, नाराज परिजनों ने दोनों पर कार्रवाई को लेकर करीब आठ घंटे तक सड़क भी जाम किया था। पुलिस ने समझाइश देकर मामले को शांत कराया है।

अवैध संबंध की वजह से हत्या

जानकारी के मुताबिक, 39 साल का धनराज नाथ दुधाखेड़ी गांव में रहता था। पुलिस जांच में सामने आया है कि धनराज की पत्नी धापूबाई का गांव के ही पंकज चौधरी के साथ काफी समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। जब धनराज को अपनी पत्नी और पंकज के रिश्ते के बारे में पता चला तो घर में आए दिन झगड़े होने लगे। इसी विवाद को हमेशा के लिए खत्म करने के लिए धापूबाई और पंकज ने धनराज को रास्ते से हटाने का फैसला किया।

बेरहमी से की हत्या और शव के किए टुकड़े

वारदात 10 अप्रैल की रात की है। एक सोची-समझी साजिश के तहत आरोपियों ने धनराज पर हमला किया। उस पर सब्बल और तलवार से कई वार किए गए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद पकड़े जाने के डर से आरोपियों ने शव को ठिकाने लगाने की योजना बनाई। पहले उन्होंने शव के टुकड़े किए और उसे जलाने की कोशिश की। जब लाश पूरी तरह नहीं जली, तो आरोपियों ने एक जेसीबी मशीन बुलाई और खेत में गहरा खुदवाकर शव के अवशेषों को वहां दबा दिया। उन्हें लगा कि जमीन के नीचे यह राज हमेशा के लिए दफन हो जाएगा।

बच्चों के शक ने खुलवा दी पोल

इस पूरी साजिश का पर्दाफाश धनराज के अपने बच्चों की वजह से हुआ। धनराज के अचानक लापता होने पर उसके बेटे और बेटी को अपनी मां की हरकतों पर शक हुआ। बच्चों ने पुलिस को जानकारी दी कि पिता आखिरी बार पंकज के साथ देखे गए थे और उसके बाद से घर नहीं लौटे। पुलिस ने जब पंकज और धापूबाई को हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ की तो वे टूट गए और अपना जुर्म कबूल कर लिया। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने जेसीबी से खेत की खुदाई करवाई, जहां से धनराज के शव के टुकड़े बरामद हुए। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल हथियार और जेसीबी को भी कब्जे में ले लिया है।

मुंबई-बेंगलुरु के बीच वंदे भारत स्लीपर, पुणे, सोलापुर रूट से 15 घंटे में पूरा होगा सफर, जानिए सारी डीटेल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि मुंबई से बेंगलुरु के बीच नई वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को मंजूरी मिल गई है। उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार जताया है। सीएम फडणवीस ने इस बात की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' के जरिए दी। यह नई ट्रेन छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस मुंबई से केएसआर बेंगलुरु सिटी जंक्शन तक चलेगी। यह सेवा खास तौर पर इन दो बड़े शहरों के बीच यात्रा करने वाले **यात्रियों के लिए गेम-चेंजर साबित होगी।**

रेल मंत्रालय के अनुसार, यह वंदे भारत स्लीपर ट्रेन रातभर की यात्रा को तेज और आधुनिक बनाएगी। अभी जहां पारंपरिक ट्रेनों जैसे उद्यान एक्सप्रेस से यह सफर पूरा करने में 22 से 24 घंटे लगते हैं, वहीं इस नई ट्रेन के जरिए यात्रा का समय घटकर करीब 13 से 15 घंटे रह जाएगा।

कलबुर्गी वाले रूट से चलाने की तैयारी

इस ट्रेन का संभावित रूट भी तय किया जा रहा है। फिलहाल यह पुणे, सोलापुर, कलबुर्गी और वाडी होते हुए चल सकती है। खासतौर पर कलबुर्गी वाला रूट ज्यादा पसंद किया जा रहा है क्योंकि यह 1,136 किलोमीटर का छोटा और पूरी तरह से विद्युतीकृत मार्ग है।एक समय में 823 यात्री कर सकेंगे सफरट्रेन की बनावट भी बेहद आधुनिक होगी। इसमें कुल 16 एसी कोच होंगे, जिनमें 823 यात्रियों के बैठने और सोने की सुविधा होगी। इनमें 11 एसी 3-टियर कोच, 4 एसी 2-टियर कोच और 1 एसी फर्स्ट क्लास कोच शामिल होगा। खास बात यह है कि फर्स्ट क्लास कोच में यात्रियों के लिए हॉट वॉटर शावर जैसी सुविधाएं भी दी जाएंगी। सरकार का मानना है कि वंदे भारत स्लीपर ट्रेन न केवल यात्रा को तेज बनाएगी बल्कि यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं भी देगी। इससे मुंबई और बेंगलुरु के बीच यात्रा करना अब पहले से कहीं ज्यादा आरामदायक और यादगार अनुभव होगा।

देश की दूसरी वंदे भारत स्लीपर

मुंबई-बेंगलुरु वंदे भारत स्लीपर सर्विस देश का दूसरा वंदे भारत स्लीपर कॉरिडोर बनेगा। इससे पहले, इस साल जनवरी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हावड़ा और गुवाहाटी (कामाख्या) के बीच भारत की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाई थी। यह ट्रेन पश्चिम बंगाल और असम को आपस में जोड़ती है।

मंडियों में पसरा सन्नाटा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर : मध्य प्रदेश, जिसे देश का 'सोया स्टेट' कहा जाता है, इस वक्त एक बड़े वैश्विक आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। पश्चिम एशिया में जारी सैन्य संघर्ष और शिपिंग रूट्स में आए व्यवधान के कारण भारत का सोया मील निर्यात मार्च महीने में 50 फीसदी तक गिरने के आसार हैं। फरवरी में जहां करीब 93,000 टन का निर्यात हुआ था, वहीं मार्च में इसके महज 40,000 से 50,000 टन रहने का अनुमान है। इस गिरावट का सीधा असर मध्य प्रदेश की मंडियों और किसानों की आय पर दिखना शुरू हो गया है।

निर्यात घटने के 3 बड़े कारण

सोयाबीन प्रोसेसर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अनुसार, निर्यात गतिविधियों पर लॉजिस्टिकल चुनौतियों का पहाड़ टूट पड़ा है। लाल सागर और पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण जहाजों के रास्ते बदल गए हैं या देरी हो रही है। इससे माल ढुलाई का खर्च और इंश्योरेंस प्रीमियम काफी बढ़ गया है। निर्यातकों को माल भेजने के लिए खाली कंटेनर नहीं मिल रहे हैं, जिससे फ्रेश ऑर्डर लेने में जोखिम बढ़ गया है। इसके अलावा भारतीय सोया मील अंतरराष्ट्रीय बाजार में 500-505 प्रति टन पर है, जबकि ब्राजील और अर्जेंटीना जैसे देश 420-430 में माल दे रहे हैं। महंगा होने के कारण भारतीय माल की मांग कम हो गई है।

एमपी की मंडियों पर असर

मध्य प्रदेश भारत के कुल सोयाबीन उत्पादन और व्यापार का केंद्र है। निर्यात में सुस्ती का सीधा मतलब है कि स्थानीय मंडियों में स्टॉक का उठाव धीमा हो गया है। व्यापारियों की धारणा कमजोर हुई है और इसका सीधा दबाव सोयाबीन के भावों पर देखा जा रहा है। ईरान और अन्य खाड़ी देशों ने अपनी खरीदारी कम कर दी है, जिससे घरेलू स्टॉक बढ़ रहा है। मार्केट में अनिश्चितता बनी हुई है। शिपिंग रूट्स बाधित होने से निकट भविष्य में सुधार की उम्मीद कम है। भारतीय मूल के मील की कीमतें पहले ही ज्यादा थीं, ऊपर से भू-राजनीतिक तनाव ने मांग को और कम कर दिया है और नए ऑर्डर टल रहे हैं।

'किसान जागेगा तो तुम्हें भी पूरी रात जगाऊंगा', अशोकनगर कलेक्टर ने कर्मचारियों को रात में किया रेस, सभी को जगाए रखा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मध्यप्रदेश के अशोकनगर में कलेक्टर साकेत मालवीय का नायक वाला अवतार देखने को मिला है। मंडी के बाहर कर्मचारियों की लाइन देखकर कलेक्टर साहब नायक वाले अवतार में आ गए। ऑफिस बंदकर चैन की नींद सो रहे कर्मचारियों को उन्होंने रेस कर दिया है। साथ ही दो टूक शब्दों में कहा कि किसान अगर जागेगा तो तुम्हें भी पूरी रात जगाऊंगा।

नायक अवतार में दिखे कलेक्टर

दरअसल, अशोकनगर में गेहूं खरीदी केंद्र पर किसान अपनी फसलों के साथ रतजगा कर रहे थे। उन्हें स्लॉट मिला था लेकिन गेहूं की तुलाई नहीं हुई। कर्मचारी ऑफिस बंदकर घर चले गए। किसान वहां अपनी फसलों के साथ डटे हुए थे। इस दौरान कलेक्टर साकेत मालवीय वहां पहुंच गए। मंडी की हालत देखकर वह तिलमिला गए। कर्मचारियों फोन लगाकर रेस कर दिया।

कृषि विकास अधिकारी को लगाई फटकार

कलेक्टर साकेत मालवीय ने इस दौरान मौके पर ही कृषि विस्तार अधिकारी को फटकार लगाई है। उन्होंने कहा कि आपलोगों से एक काम सही से नहीं होता है। किसान यहां रात में खड़ा है तो हम सब चैन से जाकर सो जाएंगे, ऐसे कैसे हो सकता है चलिए रात भर तुलाई करिए।

रात में अधिकारियों को बुलाया

किसानों की शिकायत पर कलेक्टर का ऑन स्पॉट फैसला
रात में कलेक्टर ने खरीदी केंद्र का ताला खुलवाया
अधिकारियों-कर्मचारियों को बुलाकर गेहूं की खरीदी करवाई
इस दौरान जमकर फटकार भी लगाई

किसानों की शिकायत पर पहुंचे थे कलेक्टर

सोमवार को रातीखेड़ा स्थित अमल वेयरहाउस पर सरकारी खरीदी पर तुलाई नहीं होने से नाराज किसानों ने कलेक्टर से शिकायत की थी। इसके बावजूद भी खरीदी शुरू नहीं हुई तो देर रात कलेक्टर साकेत मालवीय खरीदी केंद्र पहुंच गए। कलेक्टर ने मौके पर समस्त जिले के अधिकारियों को बुलाया। इसके बाद ताले खुलवाकर खरीदी केंद्र पर कई दिनों से खड़े किसानों की फसल की तुलाई करवाई। इस बीच कलेक्टर रात के अंधेरे में अपनी कुर्सी लगाकर केंद्र पर बैठे और किसानों की ट्राली तुलवाई।

'अधिकारी हो, दिन भर में काम शुरू नहीं करवा पाते हो', किसानों की परेशानी देखकर फट पड़े अशोकनगर कलेक्टर

किसान जागते रहेंगे और सब चैन से सो जाएंगे

इस दौरान कलेक्टर साकेत मालवीय ने जिला कृषि विस्तार अधिकारी की जमकर की क्लास लगाई। उन्होंने केंद्र पर जाकर पूछा कि क्यों लॉक कर दिया था भाई। वहां मौजूद कर्मचारियों ने बताया कि मुंशी नहीं था तो कलेक्टर बोले कि क्या हुआ जिला के अधिकारी हैं

पत्नी को किचन में जाने से रोकना क्रूरता, बॉम्बे हाई कोर्ट का पति के खिलाफ FIR रद्द करने से इनकार, सास को राहत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

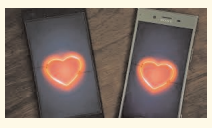

नागपुर : नागपुर से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां डेटिंग ऐप पर हुई दोस्ती एक युवक को भारी पड़ गई. युवती ने मिलने के बहाने युवक को शहर के एक पब में बुलाया, जहां उसके साथ लूट की वारदात को अंजाम दिया गया. दरअसल, शहर में डेटिंग ऐप के जरिए ठगी का एक संगठित गिरोह सक्रिय हो गया है. घटना के बाद से पुलिस ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है.

34 हजार रुपये से ज्यादा खाने का बिल

यह मामला तब सामने आया जब एक युवक ने डेटिंग ऐप पर एक युवती से दोस्ती की और दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई. कुछ दिनों बाद युवती ने युवक को शहर के सदर इलाके के एक पब में मिलने के लिए बुलाया. पब में पहुंचते ही युवती ने शराब और खाने-पीने का ऑर्डर देना शुरू किया और थोड़ी देर में पब की ओर से युवक के सामने 34 हजार रुपये से ज्यादा का बिल पेश कर दिया गया. इतना बिल देखकर युवक चौंक गया. बिल के बारे मे बार मैनेजर से पूछने पर उसने पीड़ित युवक को धमकाया, गाली गलौज करने लगा.जब युवक ने बिल का विरोध किया, तो पब के मालिक, मैनेजर और बाउंसर ने उसे धमकाना शुरू कर दिया. मारपीट और बदनाम करने की धमकी दी गई, जिससे डरकर युवक ने PI के जरिए पूरी 34 हजार की बिल की रकम चुका दी

जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में सुबह-सुबह लगे भूकंप के झटके, प्रशासन अलर्ट पर

श्रीनगर (एजेंसी)। देश के पहाड़ी राज्यों जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में मंगलवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे स्थानीय निवासियों में दहशत फैल गई। हालांकि, राहत की बात यह रही कि दोनों ही क्षेत्रों से अभी तक किसी भी प्रकार के जान-माल के बड़े नुकसान की कोई आधिकारिक सूचना प्राप्त नहीं हुई है। भूकंप की जानकारी मिलते ही संबंधित जिला प्रशासन और आपदा प्रबंधन इकाइयां तुरंत सक्रिय हो गईं। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले की भदेरवाह घाटी और उसके आसपास के इलाकों में सुबह 4:55 बजे भूकंप आया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 2.9 दर्ज की गई है। डोडा जिले के लिए इस तरह की हलचलें चिंता का विषय बनी हुई हैं, क्योंकि इससे पहले 12 अप्रैल को भी यहां 4.6 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप महसूस किया गया था, जिसका समय सुबह 04:32 बजे दर्ज हुआ था। इतना ही नहीं, मार्च की शुरुआत में भी क्षेत्र ने 4.2 तीव्रता के झटके झेले थे। लगातार आ रहे इन झटकों ने घाटी के लोगों को डरा दिया है। दूसरी ओर, उत्तराखंड के सीमावर्ती जिले पिथौरागढ़ में भी मंगलवार सुबह 7:07 बजे धरती कांपी। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.4 मापी गई है। सूचना मिलते ही जिला प्रशासन ने स्थिति का जायजा लेने के लिए भूकंप केंद्र और संवेदनशील इलाकों का निरीक्षण किया। गनीमत रही कि वहां भी स्थिति सामान्य है और संपत्तियों को कोई क्षति नहीं पहुंची है। भूकंप की यह सक्रियता केवल उत्तर भारत तक ही सीमित नहीं रही है। हाल ही में महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र, विशेषकर हिंगोली जिले में भी 4.7 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था। हिंगोली के जिलाधिकारी के अनुसार, पांगरा शिंदे गांव में कुछ घरों और सामुदायिक केंद्रों की दीवारों में दरारें देखी गई थीं। देश के विभिन्न हिस्सों में बार-बार आ रहे ये झटके भूकंपीय संवेदनशीलता को दर्शाते हैं, जिसके चलते प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने और सुरक्षा मानकों का पालन करने की अपील की है।

बीजेपी विधायक संजय गुप्ता सड़क हादसे में घायल, डॉक्टरों की टीम कर रही निगरानी

पटना (एजेंसी)। बीजेपी के कुम्हरार से विधायक संजय गुप्ता सड़क हादसे में घायल हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक संजय गुप्ता पश्चिम बंगाल में चुनावी कार्यक्रमों में शामिल होने के बाद सिलीगुड़ी से पटना लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में उनका वाहन हादसे का शिकार हो गया। दुर्घटना कितनी गंभीर थी, इसकी आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है, लेकिन बताया जा रहा है कि हादसे में उन्हें सीने में चोट लगी है। हादसे के तुरंत बाद उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टरों की टीम उनकी निगरानी कर रही है। फिलहाल उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डॉक्टरों द्वारा जांचें की जा रही हैं ताकि किसी अंदरूनी चोट की स्थिति का सही आकलन किया जा सके। इधर, घटना की खबर मिलते ही बीजेपी कार्यकर्ताओं और समर्थकों में चिंता का माहौल है। पार्टी के कई नेता और करीबी अस्पताल पहुंचकर उनका हालचाल जान रहे हैं। साथ ही पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने भी उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की है।

पटना में 78 हजार नशीले इंजेक्शन बरामद, चार गिरफ्तार, 7 पर मामला दर्ज

पटना (एजेंसी)। पटना में औषधि नियंत्रण प्रशासन ने नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। सोमवार को रानीगंज स्थित एक गोदाम से भारी मात्रा में नशीले इंजेक्शन जब्त किए गए। अधिकारियों ने 39 कार्टन में रखे करीब 78 हजार नशीले इंजेक्शन बरामद किए। इसकी कीमत 27.30 लाख है। इस मामले में सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, जिनमें से चार आरोपियों को मौके से गिरफ्तार किया है। औषधि नियंत्रण प्रशासन के अधिकारी जितेंद्र कुमार ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक पिकअप वाहन से नशीले इंजेक्शन की बड़ी खेप शहर में लाई जा रही थी। सूचना मिलते ही टीम ने पिकअप वाहन को रोका और शुरुआती खेप बरामद की। पकड़े गए आरोपियों की निशानदेही पर रानीगंज इलाके के गोदाम पर छापेमारी की गई। सोमवार सुबह करीब 11 बजे गोदाम की तलाशी ली गई। इस दौरान भारी मात्रा में इंजेक्शन के कार्टन मिले। अधिकारियों के मुताबिक कुल 39 कार्टन में करीब 78 हजार इंजेक्शन थे, जिनकी कीमत लाखों रुपए बताई जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक औषधि नियंत्रण प्रशासन ने इसे अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई बताया है। जांच में पता चला है कि जब्त किए गए इंजेक्शन का उत्पादन नारोडियन फार्मासिस्ट नामक कंपनी ने किया था। इसकी मार्केटिंग क्रिक फार्मा एजेंसी के जरिए की जा रही थी। दोनों कंपनियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों ने इसे जांच का अहम पहलू बताया।

पुणे के रेस्क्यू फाउंडेशन से 13 बांग्लादेशी युवतियां फरार, केयरटेकर को बंधक बनाकर रची साजिश

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां हडपसर इलाके के मोहम्मदवाड़ी रोड पर स्थित रेस्क्यू फाउंडेशन से 13 बांग्लादेशी युवतियां केयरटेकर पर हमला कर फरार हो गईं। यह घटना 23 मार्च की है, लेकिन इसका खुलासा करीब 20 दिन बाद 12 अप्रैल को हुआ। फरार हुई इन सभी युवतियों को मानव तस्करी के चंगुल से छुड़ाया गया था और हाल ही में उन्हें वापस बांग्लादेश भेजने के अदालती आदेश जारी हुए थे। पूरी वारदात संस्थान के सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। घटना वाले दिन सुबह करीब 6:30 बजे, जब परिसर में सफाई चल रही थी, एक युवती ने पेट दर्द का बहाना बनाया। जैसे ही केयरटेकर लक्ष्मी कांबले दवा लेकर कमरे में पहुंचीं, युवतियों ने उन पर हमला कर दिया। एक लड़की ने उन्हें पीछे से पकड़ा, जबकि अन्य ने उन्हें पीटा और उनके हाथ-पैर बांध दिए। केयरटेकर के मुंह में कपड़ा ठूंसकर उन्हें कमरे में बंद कर दिया गया। सफाई कार्य के कारण उस समय मुख्य द्वार खुला रह गया था, जिसका लाभ उठाते हुए ये युवतियां बाहर की ओर भागीं। रास्ते में जब सुरक्षा गार्ड ने उन्हें रोकने की कोशिश की, तो युवतियों ने उसे भी नहीं बख्शा; उसे घसीटा गया और उसके हाथ पर दांत से काट लिया गया। इस अफरातफरी के बीच सभी 13 युवतियां परिसर से बाहर निकलने में कामयाब रहीं। सूचना मिलते ही पुलिस ने तलाशी अभियान शुरू किया और अब तक सैयद नगर व हडपसर इलाके से दो लड़कियों को बरामद कर लिया गया है, जबकि 11 अब भी लापता हैं।

बंगाल चुनाव: विधानसभाओं में गूंज रहा हृदय माझे काबा और नयने मदीना...गाना

-मुस्लिम वोटरों को लुभाने में जुटी टीएमसी, बीजेपी ने बताया तुष्टीकरण

कोलकाता (एजेंसी)। हृदय माझे काबा और नयने मदीना...यानी दिल में काबा और आंखों में मदीना...पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बीच यह गाना विधानसभाओं में गूंज रहा है। यह गीत टीएमसी की सभाओं में उसकी सांसद सायनी घोष गा रही हैं। इस गीते की रील सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है तो वहीं रैलियों में वह खुद पूरा गीत गाकर मुस्लिम वोटरों का भरोसा जीतने में जुटी हैं। वहीं बीजेपी का कहना है कि यह मुस्लिम तुष्टीकरण है।

बता दें सायनी घोष टीएमसी सांसद हैं और पेशे से अभिनेत्री भी हैं। उन्होंने कई बांग्ला फिल्मों और सीरियल्स में काम किया। सायनी घोष ने बांग्ला टेलीफिल्म इच्चे दाना से अपने करियर की शुरुआत की थी। वह 2021 में टीएमसी में आई थीं और फिर 2024 में जादवपुर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ी और जीत हासिल की। हालांकि इससे पहले 2021 में उन्हें आसनसोल दक्षिण विधानसभा सीट से हार का सामना करना पड़ा था। इस चुनाव के बाद ही जून 2021 में उन्हें टीएमसी की यूथ विंग का अध्यक्ष बनाया था। उन्होंने अभिषेक बनर्जी की जगह ली थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक की जगह उन्होंने यूथ टीएमसी की जिम्मेदारी संभाली थी। इससे समझा जा सकता है कि ममता की वह कितनी करीबी हैं। सायनी घोष का नाम विवादों में भी जुड़ता रहा है। कई बार उनके बयान चर्चा में रहे हैं तो वहीं एक घोटाले में भी उनका नाम आया था। कम उम्र में ही बड़ी राजनीतिक सफलता पाने वालीं सायनी घोष अब अपनी गाने की क्षमता का इस्तेमाल राजनीतिक मंच पर कर रही हैं। वहीं बीजेपी इसे मुस्लिम तुष्टीकरण बता रही है।

बीजेपी समर्थकों की ओर से कई रील शेयर किए गए हैं और लिखा जा रहा है कि आखिर एक सांसद कैसे मंच से इस तरह का गाना गा सकती है। सायनी घोष को बीजेपी पर तीखे हमलों के लिए जाना जाता है। हाल ही में उनका दिया एक नारा भी चर्चा में रहा था, जिसमें उन्होंने कहा था कि बंगाल दिखाएगा- ममता की क्षमता। माना जा रहा है कि मुस्लिम बहुल इलाकों में इस गाने के जरिए टीएमसी माहौल बनाना चाहती है।

मुंबई में लाइव म्यूजिक कॉन्सर्ट के दौरान ड्रग ओवरडोज से 2 छात्रों की मौत, एक युवती की हालत गंभीर

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के पश्चिमी उपनगर गोरेगांव में आयोजित एक लाइव म्यूजिक कॉन्सर्ट के दौरान ड्रग्स के ओवरडोज से दो लोगों की मौत का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। मृतकों में एक युवक और एक युवती शामिल हैं, जो दोनों उच्च शिक्षित एमबीए छात्र बताए जा रहे हैं। जबकि एक युवती की हालत गंभीर बनी हुई है। बताया गया है कि मृतक दक्षिण मुंबई के एक प्रतिष्ठित मैनेजमेंट कॉलेज में पढ़ाई कर रहे थे। दोनों अपने 15 दोस्तों के समूह के साथ कॉन्सर्ट में शामिल हुए थे। जांच में सामने आया है कि दोनों छात्रों ने कॉन्सर्ट से पहले और उसके दौरान एक्स्टेसी टैबलेट्स का सेवन किया था। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 11 अप्रैल को गोरेगांव इलाके में नेस्को एक्ज़िबिशन सेंटर में आयोजित एक लेट-नाइट टेक्नो म्यूजिक कॉन्सर्ट के दौरान यह घटना हुई। वहां एक बड़े स्तर पर लाइव कॉन्सर्ट आयोजित किया गया था, जिसमें लगभग 3 से 4 हजार युवक-युवतियां शामिल हुए थे। संगीत और पार्टी के माहौल में शराब के साथ-साथ ड्रग्स के इस्तेमाल की भी जानकारी सामने आई है। कार्यक्रम के दौरान कुछ युवाओं ने कथित तौर पर अधिक मात्रा में ड्रग्स का सेवन कर लिया, जिससे उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। दो युवतियों को तुरंत हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे ट्रॉमा केयर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि एक युवक को लाइफ लाइन अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान लाइफ लाइन अस्पताल में भर्ती युवक की मौत हो गई। वहीं ट्रॉमा केयर अस्पताल से डिस्चार्ज के बाद दोनों युवतियों को आगे के इलाज के लिए निजी अस्पताल में शिफ्ट किया गया, जहां सोमवार दोपहर एक युवती ने दम तोड़ दिया। दूसरी युवती की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है और उसका इलाज जारी है। इस मामले में वनराई पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है और पुलिस जांच कर रही है। इस मामले में पुलिस ने लापरवाही और सदोष मनुष्यवध का मामला दर्ज करते हुए आयोजक सनी जैन, अन्य इवेंट आयोजकों और मृत छात्रों के दो मित्र को आरोपी बनाया है। अधिकारियों का कहना है कि मृतकों के खून के नमूने फॉरेंसिक जांच के लिए भेजे गए हैं, जिसकी रिपोर्ट आने के बाद यह स्पष्ट होगा कि किस प्रकार के ड्रग्स का सेवन किया गया था।

एयरपोर्ट पर सुरक्षा कतार लांघ गई अभिनेत्री करीना, सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस

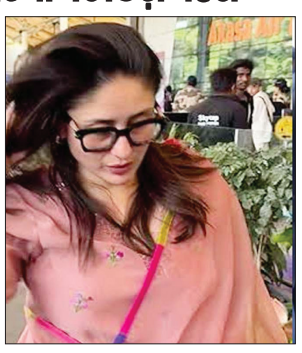

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर खान एक बार फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार वजह उनकी कोई फिल्म नहीं बल्कि मुंबई एयरपोर्ट का एक वीडियो है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो में करीना कपूर सुरक्षा जांच (सिक्योरिटी चेक) के दौरान लंबी कतार को छोड़कर सीधे सिक्योरिटी गेट की ओर जाती दिख रही हैं। इस वीडियो के सामने आने के बाद इंटरनेट पर सेलिब्रिटी प्रिविलेज यानी मशहूर हस्तियों को मिलने वाले विशेषाधिकारों को लेकर एक नई बहस शुरू हो गई है।

वीडियो वायरल होते ही माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। कई उपयोगकर्ताओं ने करीना के इस व्यवहार पर नाराजगी जताई और इसे आम नागरिकों के साथ नाइंसाफी करार दिया। एक यूजर ने पोस्ट करते हुए लिखा कि करीना कपूर ने कतार तोड़कर सीधे गेट पर पहुंचकर नियमों का उल्लंघन किया है। यूजर ने सवाल उठाया कि सेलिब्रिटी को यह विशेषाधिकार किसने दिया, जबकि अन्य यात्रियों की उड़ानें भी उतनी ही जरूरी होती हैं। कुछ लोगों ने इसे अहंकार बताया और सरकारी अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े किए।

हालांकि, बहस के बीच कई लोग करीना कपूर के बचाव में भी उतरे। सोशल मीडिया पर एक वर्ग ने स्पष्ट किया कि अधिकांश अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर पेड वीआईपी सर्विस (सशुल्क वीआईपी सेवा) उपलब्ध होती है। इस सेवा के तहत कोई भी यात्री एक निश्चित शुल्क (जैसे 6,000 रुपये) देकर एक्सप्रेस सुरक्षा जांच और त्वरित क्लियरेंस की सुविधा प्राप्त कर सकता है। समर्थकों का तर्क है कि यह कोई फ्री कल्चर नहीं बल्कि एक वैध व्यवसायिक सेवा है, जिसे करीना ने संभवतः खरीदा होगा। कुछ उपयोगकर्ताओं ने यह भी कहा कि जब राजनेताओं या क्रिकेटरों को ऐसी सुविधाएं मिलती हैं, तब कोई विरोध नहीं होता, लेकिन एक अभिनेत्री के मामले में समानता की बात उठाना गलत है।

इस विवाद ने देश में कतार संस्कृति और सेलिब्रिटी सुरक्षा पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। कुछ समर्थकों का मानना है कि सेलिब्रिटी अक्सर भीड़ और सुरक्षा कारणों से आम कतारों से बचते हैं। फिलहाल इस पूरे विवाद पर करीना कपूर खान की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। यह घटना एक बार फिर भारत में सार्वजनिक स्थलों पर मिलने वाली विशेष सुविधाओं और आम जनता की उनके प्रति धारणा के बीच के बड़े अंतर को उजागर करती है।

महिला आरक्षण विधेयक: कांग्रेस ने जारी किया निर्देश, सभी रहें विशेष सत्र में उपस्थित

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला आरक्षण विधेयक में परिसीमन समेत अन्य सियासी मसाला लपेटने की कोशिश अगर चुनावी बेला में सरकार की तरफ से की जाएगी तो विपक्ष अपनी लामबंदी से घेरने को तैयार है। इसको ध्यान में रखते कांग्रेस पार्टी ने लोकसभा में अपने सभी सांसदों के लिए तीन लाइन का व्हिप जारी किया है। इस व्हिप के तहत पार्टी के सभी लोकसभा सदस्य 16, 17 और 18 अप्रैल (गुरुवार, शुक्रवार और शनिवार) को सदन में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे और पार्टी के रुख के अनुसार मतदान करेंगे।

उल्लेखनीय है कि महिला आरक्षण विधेयक राज्यसभा से यूपीए सरकार के समय ही पारित हो गया था। लोकसभा में साथी दलों समेत अन्य दलों के विरोध के चलते पारित नहीं कराया जा सका था। राजद, सपा, जदयू समेत विरोध करने वाले दलों के नेता महिला आरक्षण में एससी, एसटी, ओबीसी महिलाओं के आरक्षण की मांग को लेकर बेहद मुखर थे। अब विधेयक का प्रारूप क्या होगा, विपक्षी दलों की रणनीति उसी आधार पर फ्लोर टेस्ट में बदलेगी।

कांग्रेस संसदीय दल के चीफ व्हिप से जारी निर्देश में स्पष्ट कहा गया है कि इन तीन दिनों के विशेष सत्र के दौरान लोकसभा में महिला आरक्षण समेत कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा और मतदान प्रस्तावित है। ऐसे में सभी सांसदों की उपस्थिति सुनिश्चित करना पार्टी के लिए अत्यंत आवश्यक है। व्हिप में सांसदों को सुबह 11:00 बजे से सदन की कार्यवाही शुरू होने से लेकर स्थगन तक मौजूद रहने के लिए कहा गया है। पार्टी नेतृत्व ने अपने निर्देश में यह भी रेखांकित किया है कि किसी भी परिस्थिति में अनुपस्थित रहने की अनुमति नहीं होगी और सभी सांसदों को बिना किसी चूक के पार्टी लाइन का समर्थन करना होगा। इस निर्देश को अत्यंत महत्वपूर्ण श्रेणी में रखा गया है, जो इसकी गंभीरता को दर्शाता है। इस घटनाक्रम के बाद लोकसभा की आगामी कार्यवाही पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं, जहां महिला विधेयक और प्रस्तावों पर तीखी बहस और निर्णायक मतदान होने की संभावना है।

क्या होता है तीन लाइन का व्हिप?

तीन लाइन का व्हिप संसद में जारी होने वाला सबसे सख्त निर्देश माना जाता है। इसके तहत संबंधित पार्टी के सांसदों के लिए सदन में उपस्थित रहना और पार्टी के निर्देशानुसार मतदान करना अनिवार्य होता है। यदि कोई सांसद इसका उल्लंघन करता है, तो उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है, जिसमें सदस्यता समाप्ति तक की कार्रवाई शामिल हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि तीन लाइन व्हिप का जारी होना इस बात का संकेत है कि सदन में होने वाले मतदान बेहद अहम हैं और सरकार तथा विपक्ष दोनों के लिए राजनीतिक रूप से निर्णायक साबित हो सकते हैं। ऐसे में पार्टी अपने सांसदों की पूर्ण उपस्थिति और एकजुटता सुनिश्चित करना चाहती है।

कल्याण में भीषण सड़क हादसा : डंपर और कार की सीधी भिड़ंत में मरने वालों की संख्या हुई 11

मुंबई। महाराष्ट्र के कल्याण इलाके में सोमवार को हुए एक हृदयविदारक सड़क हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है। अस्पताल में उपचार के दौरान दो और घायलों द्वारा दम तोड़ने के बाद प्रशासन ने इस आंकड़े की पुष्टि की। यह भीषण दुर्घटना कल्याण-मुरबाड मार्ग पर रायता पुल के पास सुबह करीब 11 बजे हुई, जब एक तेज रफ्तार कार और मिक्सर डंपर के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, कार कल्याण से मुरबाड की ओर जा रही थी, जिसमें क्षमता से अधिक कुल 12 यात्री सवार थे। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और आठ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया और घायलों को मलबे से निकालकर अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, इलाज के दौरान तीन अन्य लोगों ने भी दम तोड़ दिया, जिससे मृतकों का कुल आंकड़ा 11 पहुंच गया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से पीड़ितों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि नेशनल हाईवे 61 पर हुआ यह हादसा बेहद दुखद है। उन्होंने आश्वासन दिया कि स्थानीय प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है और घायलों को बेहतर उपचार प्रदान किया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक, घटना की सूचना मिलते ही टिटवाला पुलिस स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची और यातायात बहाल कराने के साथ ही शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

तमिलनाडु चुनाव प्रचार में एआई का इस्तेमाल, डिजिटल अवतार में वोट मांग रहे विजय

-चुनाव आयोग ने चार दिनों तक इस टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल की दी इजाजत

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव को लेकर प्रचार जोरों शोरों से जारी है। इस बीच चुनाव प्रचार में एक उम्मीदवार ने एआई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया, जिसकी चर्चा पूरे देश में हो रही है। दरअसल कुंभकोणम में तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) के एक उम्मीदवार ने होलोग्राफिक एआई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके, चुनावी रैलियों में पार्टी अध्यक्ष विजय की असली जैसी बड़ी और जीवंत छवि दिखाई, जिससे कई कार्यक्रमों में उनकी गैर-मौजूदगी की भरपाई हो जा रही है। राज्य में विधानसभा चुनावों के लिए 23 अप्रैल को मतदान होना है, और विजय कई चुनावी कार्यक्रमों में शामिल नहीं हो पा रहे हैं, ऐसे में उम्मीदवार मतदाताओं का जुड़ाव बनाए रखने के लिए दूसरे तरीके ढूंढ रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस बीच टीवीके के तंजावुर पूर्वी जिले के सचिव और कुंभकोणम से चुनाव लड़ रहे 32 साल के विनोद रवि ने इस एआई टेक्नोलॉजी हैक का इस्तेमाल किया। जानकारी के मुताबिक यह सिस्टम उन्होंने कामा टेक्नोलॉजीज से लिया है, जिसका रोजाना का किराया 50,000 रुपए है। रवि ने कहा कि चुनाव आयोग ने मुझे चार दिनों तक इस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने की इजाजत दी है। इससे मुझे बहुत ज्यादा जोश और आत्मविश्वास महसूस होता है, मानो हमारे थलापति मेरे ठीक बगल में खड़े होकर सीधे लोगों से बात कर रहे हों।

बता दें चुनावी वाहन पर लगा यह सिस्टम दृष्टि की निरंतरता के सिद्धांत पर आधारित होलोग्राफिक प्रोजेक्शन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करता है। इसमें एक प्रोजेक्शन फैन डिस्प्ले, तेज रफ्तार वाली मोटरें और एक सिंक्रोनाइज्ड ऑडियो सिस्टम लगा है, जिसे वाहन का जेनरेटर बिजली देता है।

यह सेटअप विजय की सिर से लेकर पैर तक की एक बहुत ही असली जैसी 3डी छवि बनाता है। इसे देखकर लगता है कि वे वाहन की छत से बाहर खड़े होकर लोगों की भीड़ को सीधे संबोधित कर रहे हैं। यह सिस्टम विजय के पुराने भाषणों की ऑडियो के साथ सिंक्रोनाइज्ड होता है, जिससे लगता है कि वे चुनावी वाहन से सीधे भाषण दे रहे हैं।

नोएडा हिंसा विकास को बाधित करने की साजिश, इसमें हो सकता है पाक कनेक्शन : राजभर

अराजकता और उग्र प्रदर्शन किसी भी समस्या का समाधान नहीं

नोएडा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के श्रम मंत्री अनिल राजभर ने सोमवार को नोएडा में हुई श्रमिक हिंसा को राज्य के विकास को बाधित करने की एक सुनियोजित साजिश बताया है। यह बवाल वेतन वृद्धि की मांग को लेकर हुआ था, जहां आगजनी और पथराव से सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचा गया। हाल ही में मेरठ और नोएडा से पकड़े गए चार संदिग्ध आर्तकियों के तार पाकिस्तान से जुड़े होने के कारण एजेंसियां अब इस हिंसा में बाहरी ताकतों की भूमिका की जांच कर रही है। सीएम के निर्देश पर वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचकर बातचीत के जरिए स्थिति को सामान्य बनाने और मजदूरों की समस्याओं को सुलझाने में जुटे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक श्रम मंत्री अनिल राजभर ने कहा है कि यह घटना महज एक विरोध प्रदर्शन नहीं है। हाल के दिनों में मेरठ और नोएडा से चार संदिग्धों की गिरफ्तारी हुई है, जिनके हैंडलर पाकिस्तान में बैठे थे। इस पृष्ठभूमि में राज्य में अस्थिरता पैदा करने की साजिश की आशंका को बल मिलता है। मंत्री ने अंदेशा जताया कि इस अशांति का मकसद मुजफ्फरनगर में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में बाधा डालना भी हो सकता था।

बता दें वेतन वृद्धि की मांग कर रहे फैक्ट्री मजदूरों का प्रदर्शन देखते ही देखते हिंसक हो गया था। नोएडा के फेज-2, सेक्टर 60, 62 और 84 में उपद्रवियों ने वाहनों को आग के हवाले कर दिया और जमकर तोड़फोड़ की। पत्थरबाजी की घटनाओं के कारण प्रमुख रास्तों पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया। राजभर ने स्पष्ट किया कि अराजकता और उग्र प्रदर्शन किसी भी समस्या का समाधान नहीं हैं और सरकार मजदूरों की हर जायज बात सुनने को तैयार है। मंत्री ने श्रमिकों से किसी भी तरह के बहकावे या उकसावे में न आने की अपील की है।

होर्मुज संकट के बीच चीन ने श्रीलंका को दिया दगा, भारत ने की आपातकालीन मदद

-भारत को पीएलसी में 51फीसदी नियंत्रक की हिस्सेदारी देकर अहसान चुका रहा श्रीलंका

नई दिल्ली (एजेंसी)। होर्मुज संकट में जब चीन ने ईरान के साथ दोस्ती का ढोंग रचा और श्रीलंका से दगा किया तब भारत ने श्रीलंका का हाथ थाम लिया। ईंधन की कमी, आर्थिक दबाव और ऊर्जा संकट से जूझ रहे श्रीलंका को भारत ने आपातकालीन मदद पहुंचाई। अब श्रीलंका इस अहसान का बदला चुकाने जा रहा है। भारत की प्रमुख रक्षा शिपयार्ड मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने श्रीलंका के सबसे बड़े शिपयार्ड कोलंबो डॉकयार्ड पीएलसी में 51 फीसदी नियंत्रक हिस्सेदारी हासिल कर ली है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह सौदा एमडीएल का पहली अंतरराष्ट्रीय अधिग्रहण है, जिसकी कीमत 26.8 मिलियन डॉलर यानी करीब 249.5 करोड़ रुपए है। मुंबई स्थित इस डिफेंस पीएसयू ने 9 अप्रैल को जारी बयान में कहा था कि इस डील से श्रीलंका का सबसे बड़ा शिपयार्ड अब उसके परिचालन नियंत्रण में आ गया है। यह सौदा जापान की ओनोमिची डॉकयार्ड से शेयर खरीदकर पूरा हुआ है। यह अधिग्रहण सिर्फ व्यापारिक नहीं, बल्कि जियो पॉलिटिक्स के लिहाज से भी अहम माना जा रहा है।

चीन श्रीलंका में हम्बनटोटा बंदरगाह पर 99 साल का पट्टा ले चुका है और कोलंबो में नियमित रूप से अपने नौसैनिक जहाज खड़े कर रहा है। भारतीय हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की बढ़ती पैठ को देखते हुए दिल्ली इस अधिग्रहण को अपने समुद्री विस्तार रणनीति का हिस्सा बता रही है। रिपोर्ट के मुताबिक एमडीएल के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर (रिटायर्ड) कैप्टन जगमोहन ने कहा कि एमडीएल द्वारा सीडीपीएलसी का अधिग्रहण हमारे दोनों संगठनों के लिए ही नहीं, बल्कि भारत और श्रीलंका के बीच समुद्री सहयोग के लिए मील का पत्थर है।

ईरान की अमेरिका-इजराइल से जंग के दौरान होर्मुज स्ट्रेट बंद होने से वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हुई है। श्रीलंका जैसे छोटे देश ईंधन संकट, महंगाई और आर्थिक दबाव से जूझ रहे थे, जबकि चीन ने ईरान के साथ संबंधों का दावा किया, लेकिन व्यावहारिक रूप से श्रीलंका को तत्काल राहत नहीं दी। इसके उलट भारत ने श्रीलंका को डीजल और अन्य ईंधन की इमर्जेंसी सप्लाई की। पड़ोसी पहले सिद्धांत के तहत नई दिल्ली ने श्रीलंका का साथ दिया, जिससे कोलंबो में आर्थिक स्थिरता बनी रही। अब यह अधिग्रहण उस सहायता का प्रत्युत्तर माना जा रहा है।

यह डील भारत की समुद्री अमृत काल विज़न 2047 के अनुरूप है, जिसके तहत देश को वैश्विक समुद्री शक्ति बनाने का लक्ष्य है। एमडीएल जैसी कंपनियां अब विदेशों में पैर पसार रही हैं, जिससे भारतीय जहाज निर्माण और रिपेयर क्षमता बढ़ेगी। विश्लेषकों का मानना है कि मुख्य शिपिंग रूट्स पर कोलंबो डॉकयार्ड की रणनीतिक स्थिति भारत को हिंद महासागर में मजबूत पकड़ देगी और चीन की 'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स' रणनीति को प्रभावी चुनौती मिलेगी। श्रीलंका के लिए भी यह फायदेमंद साबित होगा।

इंदौर बाजार भाव

इंदौर ।

दिसावरी मजबूती से मंगलवार को किराना जिंसों में हल्दी बाजार तेजी के रहे। सौंफ अच्छे मालों में मजबूत हुई। खाद्य तेलों में टिकाव रहा। अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य में अनाज, दलहन व तिलहन मंडी में अवकाश रहा।

व्यापारिक सूत्रों के अनुसार हल्दी में मॉग का सीज़न है। दिसावरी बाजारों में मजबूती से भावों में सुर्खी है।

वहीं, सौंफ व जीरा भी मजबूती बनाए हुए है। खाद्य तेलों में टिकाव कायम है। अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य में अनाज, दलहन व तिलहन मंडी में अवकाश रहा। भाव इस प्रकार रहे

किराना

शक्कर 4080-4180, खोपरा गोला 350-400, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 270-280, बेस्ट 280-300, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5500-5600, मीडियम 5600-5700, बेस्ट 5800-5900, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 250-380, सौंफ बार्रि क 220-380,

राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-745, मीनी मटरदाना 770-785, मटरदाना 800-815, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1050-1400, दालचीनी 245-260, जायफल 815-880, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 490-625, काजू (240) 920-950, काजू (320) 830-880, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडि यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820,

मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2350-2400, (160) 2700-2750, (200) 2550-2600, (250) 2650-2700

तेल

सींगदाना 1730-1750, मुम्बई 1760, राजकोट तेलिया 2730, सोया साल्वेंट 1460-1470, सोया रिफाइंड 1520-1530, कपास्या 1450, धूलिया 1460, कड़ी 1460,

रात की धारणा

गुजरात लुज 1700-1710, मुम्बई पाम 1450, मुम्बई सोया 1560,

खली

कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2525, देवास-उज्जैन 2525, खंडवा-बुरहानपुर 2500, अकोला 3725 (प्रति क्र ि टल)

तिलहन

सरसो 7200-7300, रायडा 6200-6300, सोयाबीन 5600, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन

चना कांटेवाला बेस्ट 5500-5600, एवरेज 5550-5600, विशाल 5500-5550, महाराष्ट्र विशाल 5650-5675, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रशि यन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6000-6100, एवरेज 5600-5700, मूंग गर्मी बेस्ट 7700-8000, मूंग बोल्ड 8200-8400, एवरेज 6500-6700, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7300, एवरेज 7000-7100, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7600-7800, महाराष्ट्र लाल 8000-8200, कर्नाटक 8100-8400, उड़द बेस्ट 8500-9000, एवरेज 7000-8000, हल्की 4000-6000,

दाल चना

दाल एवरेज 7000-7200, मीडि यम 7300-7400, बोल्ड 7600-7800, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400,

तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

हाजिर कच्चा तेल 135 डॉलर, सौदे में 104 डॉलर प्रति बैरल

मुंबई ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों को लेकर असामान्य स्थिति देखने को मिल रही है। हाजिर (स्पॉट) बाजार में कच्चा तेल 135 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया है, जबकि वायदा सौदों में इसकी कीमत 104 डॉलर प्रति बैरल दर्ज की गई। कीमतों के इस बड़े अंतर ने कारोबारियों और निवेशकों को चौंका दिया है।विशेषज्ञों का मानना है कि भू-राजनीतिक तनाव, आपूर्ति बाधाएं और उत्पादन में कटौती जैसे कारक स्पॉट कीमतों को ऊपर धकेल रहे हैं। वहीं वायदा बाजार में निवेशक आने वाले समय में आपूर्ति सुधरने और मांग में संतुलन बनने की उम्मीद जता रहे हैं, जिससे कीमतें अपेक्षाकृत कम बनी हुई हैं।तेल की ऊंची हाजिर कीमतों का सीधा असर पेट्रोल-डीजल के दाम, परिवहन लागत और महंगाई पर पड़ सकता है। आयात पर निर्भर देशों के लिए यह स्थिति चिंता बढ़ाने वाली है। ऊर्जा बाजार के जानकारों के अनुसार आने वाले हफ्तों में वैश्विक घटनाक्रम और उत्पादन संबंधी फैसले कीमतों की दिशा तय करेंगे।

भारतीय म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में रिकॉर्ड उछाल, एयूएम 73.73 लाख करोड़ के पार

- एसआईपी में लगातार मजबूत निवेश और बाजार के उतार-चढ़ाव के बावजूद निवेशकों का भरोसा कायम

मुंबई ।

भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग वित्त वर्ष 2025-26 में मजबूत ग्रोथ दर्ज कर रहा है। निवेशकों के बढ़ते भरोसे और लगातार एसआईपी निवेश के चलते इंडस्ट्री का एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। भारतीय म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। एसो सिएशन आफ म्युचुअल फंड इन इं डिया के ताजा आंकड़ों के अनुसार, उद्योग का कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट 12.2 फीसदी बढ़कर 73.73 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद निवेशकों का रुझान इक्विटी म्यूचुअल फंड्स की ओर बढ़ा है। मार्च महीने में एक्टिव इक्विटी फंड्स में इनफ्लो 40,450 करोड़ रुपये से अधिक रहा, जो जुलाई 2025 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। फरवरी में यह आंकड़ा 25,978 करोड़ रुपये था, जिससे स्पष्ट है कि बाजार में निवेशकों की भागीदारी बढ़ी है। रिटेल निवेशकों का भरोसा सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) में भी मजबूत दिखाई दिया। मार्च में एसआईपी के जरिए 32,087 करोड़ रुपये का निवेश आया, जो फरवरी के 29,845 करोड़ रुपये से अधिक है। यह दर्शाता है कि निवेशक उतार-चढ़ाव के बावजूद लंबी अवधि की रणनीति पर भरोसा कर रहे हैं। हालांकि, कुल मिलाकर मार्च में इंडस्ट्री से 2.39 लाख करोड़ रुपये का नेट आउटफ्लो भी दर्ज हुआ, जिसका मुख्य कारण डेट म्यूचुअल फंड्स से 2.94 लाख करोड़ रुपये की भारी निकासी रही। इसी अवधि में गोल्ड ईटीएफ में निवेश भी घटकर 2,266 करोड़ रुपये रह गया, जबकि फरवरी में यह 5,254 करोड़ रुपये था। इक्विटी कैटेगरी में फ्लेक्सी-कैप फंड्स सबसे ज्यादा आकर्षण में रहे, जहां 10,054 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आया। इसके साथ ही मिड-कैप और स्मॉल-कैप फंड्स में भी निवेश बढ़ा, जबकि लार्ज-कैप फंड्स में अपेक्षाकृत कम इनफ्लो देखने को मिला। म्यूचुअल फंड निवेश एक ऐसा माध्यम है जिसमें कई निवेशकों का पैसा एकत्र कर पेशेवर फंड मैनेजर द्वारा शेयर, बॉन्ड और अन्य साधनों में निवेश किया जाता है। एसआईपी के जरिए छोटे निवेश से शुरुआत कर लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न और जोखिम में संतुलन बनाया जा सकता है।

चीन के निर्यात में धीमी वृद्धि, वैश्विक अनिश्चितताओं और ऊर्जा संकट का असर गहराया

– मार्च में निर्यात 2.5 फीसदी बढ़ा, आयात में तेज उछाल, ईरान युद्ध और ऊर्जा कीमतों ने बढ़ाई चिंता

हांगकांग।

चीन के व्यापार आंकड़ों में मार्च के दौरान निर्यात वृद्धि में तेज गिरावट दर्ज की गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव, विशेषकर ईरान से जुड़े युद्ध और ऊर्जा संकट, ने अंतरराष्ट्रीय मांग और आपूर्ति श्रृंखलाओं पर नकारात्मक असर डाला है। चाइना के सीमा शुल्क विभाग द्वारा मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार मार्च महीने में देश का निर्यात सालाना आधार पर केवल 2.5 प्रतिशत बढ़ा। यह वृद्धि पिछले दो महीनों की तुलना में काफी कमजोर है, जब जनवरी-फरवरी में निर्यात 21.8 प्रतिशत की तेज गति से बढ़ा था। विश्लेषकों का कहना है कि यह गिरावट वैश्विक मांग में आई नरमी का संकेत है। दूसरी ओर, आयात में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है। मार्च में आयात 27.8 प्रतिशत बढ़ा, जो इस वर्ष के पहले दो महीनों की 19.8 प्रतिशत वृद्धि से अधिक है। इससे संकेत मिलता है कि घरेलू खपत और कुछ क्षेत्रों में मांग अभी भी बनी हुई है,

हालांकि निर्यात क्षेत्र दबाव में है। अर्थशास्त्रियों के अनुसार, इरान से जुड़े युद्ध और मध्य पूर्व में जारी तनाव ने वैश्विक ऊर्जा बाजारों को प्रभावित किया है। इससे न केवल तेल और गैस की कीमतों में अस्थिरता आई है, बल्कि वैश्विक सप्लाई चेन पर भी दबाव बढ़ा है।

इसका सीधा असर चीन के निर्यात पर पड़ रहा है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि युद्ध के कारण वैश्विक मांग कमजोर हुई है,

जिससे निर्यात में गिरावट देखी जा रही है। वैश्विक बाजार अब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की संभावित बीजिंग यात्रा और चीनी राष्ट्रपति एक्सआई जिं पिंग से उनकी मुलाकात पर भी नजर बनाए हुए हैं। विश्लेषकों का मानना है कि कमजोर घरेलू मांग और संपत्ति क्षेत्र की मंदी के बीच चीन के लिए निर्यात ही आर्थिक वृद्धि का मुख्य सहारा बना रहेगा।

ईरान-अमेरिका तनाव का असर भारत में, फ्रिज, पंखे, खाद्य तेल और कपड़ों के दाम 15 फीसद तक बढ़े

मुंबई।

पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव का असर अब भारतीय बाजारों में भी दिखाई देने लगा है। कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और सप्लाई चेन पर दबाव के कारण रोजमर्रा के सामान महंगे हो गए हैं। फ्रिज, पंखे, पेंट, कपड़े और अन्य उपभोक्ता वस्तुओं की लागत 10 से 15 फीसदी तक बढ़ी है, जबकि कई खाद्य सामग्रियों की कीमतों में 7 फीसदी तक इजाफा दर्ज किया गया है।विशेषज्ञों के अनुसार भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात करता है, खासकर खाद्य तेल और कच्चा तेल। अंतरराष्ट्रीय बाजार में दाम बढ़ने से परिवहन, पैकेजिंग और उत्पादन लागत पर सीधा असर पड़ता है। कंपनियां बढ़ी लागत का बोझ उपभोक्ताओं पर डाल रही हैं।यदि पश्चिम एशिया में हालात

लंबे समय तक तनावपूर्ण रहे तो महंगाई और बढ़ सकती है। सरकार स्थिति पर नजर बनाए हुए है, लेकिन आम लोगों की जेब पर फिलहाल दबाव साफ महसूस किया जा रहा है।

जनवरी-मार्च 2026 तिमाही में गोल्ड ईटीएफ में 31,561 करोड़ का निवेश दर्ज किया गया

– सोने में निवेश 6 गुना बढ़ा, एयूएम तीन गुना होकर 1.71 लाख करोड़ रुपए पहुंचा

नई दिल्ली ।

वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच निवेशकों ने सुरक्षित निवेश विकल्प के रूप में सोने की ओर रुख किया है। इसी कारण जनवरी-मार्च 2026 तिमाही में गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में रिकॉर्ड स्तर पर निवेश देखने को मिला, जो पिछले वर्ष की तुलना में कई गुना अधिक है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के ताज़ा आंकड़ों के अनुसार, जनवरी-मार्च 2026 तिमाही में गोल्ड ईटीएफ में कुल 31,561 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश दर्ज किया गया। यह पिछले वर्ष की समान अवधि के 5,654 करोड़ रुपये की तुलना में लगभग छह गुना वृद्धि को दर्शाता है। तिमाही आधार पर भी इस श्रेणी में निवेश 36 प्रतिशत बढ़कर 23,132 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। हालांकि, मासिक प्रवाह में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। जनवरी में जहां 24,040 करोड़ रुपये का भारी निवेश आया, वहीं फरवरी में यह घटकर 5,255 करोड़ रुपये और मार्च में 2,266 करोड़ रुपये रह गया। विशेषज्ञों का मानना है कि जनवरी में असामान्य रूप से अधिक निवेश जोखिम से बचने की प्रवृत्ति, पोर्टफोलियो पुनर्संतुलन और सोने की कीमतों में तेजी के कारण हुआ। मार्च में आई गिरावट को शुरुआती भारी निवेश के बाद

सामान्यीकरण माना जा रहा है। बाजार विश्लेषकों के अनुसार बाजार की अनिश्चितताओं के बीच सोना अब भी निवेशकों के लिए एक मजबूत विविधीकरण साधन बना हुआ है।

मजबूत निवेश प्रवाह के चलते मार्च 2026 के अंत तक गोल्ड फंड्स की प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) लगभग तीन गुना बढ़कर 1.71 लाख करोड़ रुपये हो गईं, जो एक वर्ष पहले 58,888 करोड़ रुपये थीं। गोल्ड ईटीएफ जो भौतिक सोने की कीमत को ट्रैक करते हैं, निवेशकों को डिजिटल रूप में सोने में निवेश का आसान विकल्प प्रदान करते हैं।

अगले 15 वर्षों में 80 करोड़ नौकरियों की कमी का खतरा- वर्ल्ड बैंक

- तेजी से बढ़ती आबादी और धीमी नौकरी सृजन से वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गंभीर दबाव की आशंका

मुंबई ।

वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच वर्ल्ड बैंक ने एक गंभीर चेतावनी जारी की है। बैंक के अनुसार, आने वाले 10 से 15 वर्षों में दुनिया एक बड़े रोजगार संकट की ओर बढ़ रही है, जहां कामकाजी उम्र की आबादी तेजी से बढ़ेगी लेकिन उसके अनुपात में रोजगार के अवसर नहीं बन पाएंगे। इस असंतुलन से वैश्विक स्तर पर सामाजिक और आर्थिक स्थिरता पर बड़ा असर पड़ सकता है। वर्ल्ड बैंक के अनुसार विकासशील देशों में अगले डेढ़ दशक में लगभग 1.2 अरब लोग कामकाजी उम्र में प्रवेश करेंगे, जबकि मौजूदा आर्थिक रुझानों के आधार पर केवल करीब 40 करोड़ नई नौकरियां ही सृजित हो पाएंगी। इसका अर्थ है कि दुनिया को लगभग 80 करोड़ रोजगार अवसरों की भारी कमी का सामना करना पड़ सकता है। वर्ल्ड बैंक के एक प्रमुख अ धिकारी ने कहा कि नीति निर्माता अक्सर तात्कालिक संकटों और क्षेत्रीय संघर्षों में उलझ जाते हैं, जबकि रोजगार जैसे दीर्घकालिक मुद्दे लगातार गंभीर होते जा रहे हैं। उन्होंने चेताया कि यदि समय रहते ठोस नीतिगत कदम नहीं उठाए गए, तो इसका प्रभाव केवल अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह वैश्विक प्रवासन, अस्थिरता और सामाजिक तनाव को भी बढ़ा सकता है। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि 2025 तक दुनिया भर में 11.7 करोड़ से अधिक लोग विस्थापित हो चुके हैं, जो बढ़ते दबाव का संकेत है। वर्ल्ड बैंक ने सरकारों से आग्रह किया है कि वे केवल तात्कालिक संकटों पर नहीं, बल्कि रोजगार सृजन, स्वच्छ पानी और बिजली जैसी बुनियादी जरूरतों पर भी समान रूप से ध्यान दें। साथ ही कृषि, स्वास्थ्य, विनिर्माण और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में निजी निवेश को बढ़ावा देने की जरूरत बताई गई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि वर्ल्ड बैंक के नेतृत्व में कुछ वैश्विक और बड़ी कंपनियाँ जैसे रिलायंस इंडस्ट्रीज, म हिंद्रा ग्रुप और डेनगोट ग्रुप रोजगार सृजन में अहम भूमिका निभा सकती हैं। वर्ल्ड बैंक का मानना है कि अगर अभी से कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाला दशक वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण साबित हो सकता है।

पश्चिम एशिया तनाव का भारतीय कंपनियों पर असर, बिक्री 40 फीसदी तक घटी

सप्लाई चेन बाधित, कई एफएमसीजी और कंज्यूमर कंपनियों की विस्तार योजनाएं प्रभावित

मुंबई ।

पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव का असर अब भारतीय कंज्यूमर और एफएमसीजी कंपनियों के कारोबार पर साफ दिखाई देने लगा है। बिक्री में गिरावट, लागत में तेज उछाल और सप्लाई चेन बाधित होने से कंपनियों की रणनीतियों पर पुनर्विचार शुरू हो गया है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और अस्थिरता के चलते भारतीय कंज्यूमर कंपनियों के कारोबार पर गंभीर असर पड़ा है। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण इस क्षेत्र में कई कंपनियों की बिक्री में 30 से 40 फीसदी तक की गिरावट दर्ज की गई है। साथ ही कंटेनर शिपिंग की लागत 4 से 5 गुना तक बढ़ जाने से लॉजिस्टिक्स और ऑपरेशनल खर्च में भारी वृद्धि हुई है। इस क्षेत्र में काम करने वाली प्रमुख कंपनियों में ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज, गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, डाबर, मैरिको, इमामी, रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, बीबा फैशन, आईडी फ्रेश फूड, रसना और बिसलेरी शामिल हैं। इन कंपनियों की कुल कमाई का लगभग 5 से 20 फीसदी हिस्सा इसी क्षेत्र से आता है। आईडी फ्रेश फूड के ग्लोबल सीईओ पी.सी. मुस्तफा के अनुसार कंपनी ने मौजूदा हालात को देखते हुए अपने निवेश और विस्तार योजनाओं की समीक्षा शुरू कर दी है। वहीं रसान के चेयरमैन पीरूज खंबाटा ने स्थिति को कोविड जैसे हालात बताया है, जिससे बाजार में अनिश्चितता बढ़ गई है। बीवा फैशन के एक अ धिकारी ने बताया कि यूएई में ईद तक कारोबार स्थिर था, लेकिन उसके बाद बिक्री में अचानक 30-40 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है। कंपनियां अब जोखिम कम करने के लिए अतिरिक्त स्टॉक, वैकल्पिक सप्लाई रूट और बीमा कवरेज पर ध्यान दे रही हैं। डाबर ने भी स्वीकार किया है कि इस क्षेत्र में चल रहे संघर्ष का उसके कारोबार पर असर पड़ा है। कंपनी की लगभग 15 फीसदी सालाना आय मिडिल ईस्ट से आती है और वहां करीब 500 कर्मचारी कार्यरत हैं। कुल मिलाकर, पश्चिम एशिया में जारी तनाव ने भारतीय कंपनियों के लिए मांग, लागत और विस्तार तीनों मोर्चों पर बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है, जिससे आने वाले समय में उनकी वैश्विक रणनीति और प्रभावित हो सकती है।

ऊर्जा और खाद्य कीमतें लंबे समय तक ऊंची रहने की आशंका आईएमएफ, विश्व बैंक, आईईए

वैश्विक संस्थाओं ने चेताया, तेल, गैस और उर्वरक बाजार पर गहरा असर, आपूर्ति बहाली में लगेगा समय

वॉशिंगटन ।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने संयुक्त रूप से चेतावनी दी है कि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण ऊर्जा और खाद्य वस्तुओं की कीमतें लंबे समय तक ऊंची बनी रह सकती हैं। तीनों संस्थानों ने कहा कि इसका असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर व्यापक और असमान रूप से पड़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने कहा है कि पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के कारण ईंधन और उर्वरक की कीमतों में लंबे समय तक तेजी बनी रह सकती है। इन संस्थानों ने इस महीने की शुरुआत में गठित एक समन्वय समूह के तहत बैठक कर स्थिति की समीक्षा की। संयुक्त बयान में कहा गया कि युद्ध का प्रभाव केवल ऊर्जा बाजार तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे वैश्विक स्तर पर लोगों का विस्थापन हुआ है, रोजगार प्रभावित हुए हैं और यात्रा व पर्यटन क्षेत्र में गिरावट आई है। इन क्षेत्रों को सामान्य स्थिति में लौटने में काफी समय लग सकता है। तीनों संस्थानों ने स्पष्ट किया कि यह संकट व्यापक, वैश्विक और असमान है। विशेष रूप से ऊर्जा आयात करने वाले देशों और निम्न-आय वाले देशों पर इसका अधिक गंभीर असर पड़ा है। तेल, गैस और उर्वरक की कीमतों में वृद्धि ने खाद्य सुरक्षा और रोजगार से जुड़ी चिंताओं को भी बढ़ा दिया है। बयान में यह भी कहा गया कि पश्चिम एशिया के कुछ तेल और गैस उत्पादक देशों को निर्यात राजस्व में नुकसान हुआ है। साथ ही होर्मुज जलडमरूमध्य से समुद्री आवागमन अभी भी पूरी तरह सामान्य नहीं हो पाया है, जिससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हो रही है। संस्थाओं ने चेतावनी दी कि भले ही भविष्य में आवाजाही सामान्य हो जाए, फिर भी युद्ध से प्रभावित बुनियादी ढांचे के कारण वैश्विक आपूर्ति को पूर्व स्तर पर लौटने में समय लगेगा। इससे ईंधन और उर्वरक की कीमतें लंबे समय तक ऊंची रह सकती हैं। आईएमएफ, विश्व बैंक और आईईए ने कहा कि वे स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं और सदस्य देशों को नीति सलाह और आवश्यकतानुसार वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए समन्वित प्रयास जारी रखेंगे, ताकि वैश्विक आर्थिक स्थिरता और रोजगार बहाली को समर्थन मिल सके।

हर तीसरे हार्ट इलाज पर 1.7 लाख से ज्यादा खर्च, स्पेशल इंश्योरेंस बना सहारा

नई दिल्ली ।

भारत में दिल से जुड़ी बीमारियां अब सिर्फ बुजुर्गों तक सीमित नहीं रहीं। 20 से 30 साल के युवाओं में तेजी से बढ़ते मामलों ने स्वास्थ्य और आर्थिक दोनों स्तरों पर चिंता बढ़ा दी है।

इलाज का खर्च बढ़ने के साथ हेल्थ इंश्योरेंस लेना भी चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक हार्ट से जुड़े हर तीन में से एक इलाज का खर्च 1.7 लाख रुपये से अधिक पहुंच जाता है, जबकि गंभीर मामलों में यह 5 लाख रुपये से ऊपर चला जाता है। खासतौर पर आईसीयू में भर्ती या सर्जरी की स्थिति में खर्च और बढ़ जाता है। विशेषज्ञों का अनुमान है

कि देश में करीब 6 से 7 करोड़ लोग किसी न किसी प्रकार की हृदय बीमारी से जूझ रहे हैं और हर साल 20 से 25 लाख नए मामले सामने आते हैं। कम उम्र में दिल की बीमारी का असर सिर्फ स्वास्थ्य तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह बीमा पॉलिसी लेने में भी बाधा बनता है। बीमा कंपनियां ऐसे मामलों में ट्रेडमिल टेस्ट, इको और एंजियोग्राफी जैसी विस्तृत जांच कराती हैं।

इसके अलावा पॉलिसी मिलने पर भी कई शर्तें लागू होती हैं, जैसे 2 से 3 साल का वेटिंग पीरियड और अधिक प्रीमियम। विशेषज्ञों के अनुसार, जोखिम को देखते हुए प्रीमियम में 30 से 80 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की जा सकती है। साथ ही को-पे क्लॉज के तहत मरीज को इलाज का 10 से 30 प्रतिशत खर्च खुद उठाना पड़ सकता है।

ऐसे में दिल के मरीजों के लिए स्पेशलाइज्ड हार्ट इंश्योरेंस पॉलिसी एक बेहतर विकल्प बनकर उभर रही है। यह पॉलिसी न केवल हृदय रोग, बल्कि उससे जुड़ी अन्य बीमारियों और इलाज को भी कवर करती है, जिससे मरीजों को तेजी से और भरोसेमंद कवरेज मिल सकता है।

कार्डियोलॉजिस्ट बनकर रखें लोगों के दिलों का ख्याल

एक बेहतरीन हृदय रोग विशेषज्ञ बनने के लिए छात्रों के पास ना सिर्फ चिकित्सा और विज्ञान में संबंधित ज्ञान होना चाहिए, बल्कि रोगियों की सेवा करने, दूसरों के प्रति दया करने, आत्म-प्रेरित होने और चिकित्सा शिक्षा और अभ्यास के लंबे समय तक जीवित रहने में सक्षम होना चाहिए। हृदय हमारे शरीर का एक बेहद महत्वपूर्ण आंतरिक अंग है और एक हेल्दी लाइफस्टाइल जीने के लिए जरूरी है कि आप इसका पूरी तरह ख्याल रखें।

आमतौर पर लोग अपने दिल का ख्याल रखने के लिए खानपान से लेकर अन्य कई उपाय अपनाते हैं, लेकिन फिर भी कई बार लोगों को कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इस स्थिति में व्यक्ति को कार्डियोलॉजिस्ट को कंसल्ट करने की जरूरत पड़ती है। कार्डियोलॉजी चिकित्सा का एक प्रभाग है जो हृदय विकारों से संबंधित निदान और उपचार से संबंधित है। दिल के विकारों से निपटने वाले चिकित्सा चिकित्सकों को आमतौर पर कार्डियोलॉजिस्ट या हृदय रोग विशेषज्ञ कहा जाता है। चिकित्सा विज्ञान की इस शाखा का बेहद महत्व है और अगर आप चाहें तो इस दिशा में अपना कदम बढ़ा सकते हैं-

क्या होता है काम

एक हृदय रोग विशेषज्ञ हृदय, धमनियों और नसों का डॉक्टर है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, हृदय रोग विशेषज्ञ हृदय की विफलता, जन्मजात हृदय दोष और कोरोनरी धमनी रोग का निदान और उपचार प्रदान करते हैं। इसमें धमनियों के संकीर्ण होने, हृदय के वाल्व में समस्याएं, मांसपेशियों के ऊतकों को नुकसान और पेरिकार्डियम के विकार के कारण प्रतिबंधित परिसंचरण के कारण होने वाली समस्याएं शामिल हैं।

स्किल्स

एजुकेशन एक्सपर्ट्स का मानना है कि एक बेहतरीन हृदय रोग विशेषज्ञ बनने के लिए छात्रों के पास ना सिर्फ चिकित्सा और विज्ञान में संबंधित ज्ञान होना चाहिए, बल्कि रोगियों की सेवा करने, दूसरों के प्रति दया करने, आत्म-प्रेरित होने और चिकित्सा शिक्षा और अभ्यास के लंबे समय तक जीवित रहने में सक्षम होना चाहिए। कार्डियोलॉजिस्ट बनने के लिए अनुशासन, धैर्य, उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्धता और आत्मविश्वास का होना भी उतना ही आवश्यक है। उनके पास जीवन की खतरनाक स्थितियों में निर्णय लेने की क्षमता होनी चाहिए। कैरियर कोच कहते हैं कि हृदय रोग विशेषज्ञ को भी आहार और व्यायाम विशेषज्ञ भी होना चाहिए।

योग्यता

एक कार्डियोलॉजिस्ट बनने के लिए एमबीबीएस की डिग्री के अलावा कई सालों की प्रैक्टिस, लाइसेंस व बोर्ड सर्टिफिकेशन होना चाहिए। कार्डियोलॉजिस्ट बनने के लिए एमडी/एमएस या डीएनबी की डिग्री लेने के बाद इस क्षेत्र में स्पेशलाइजेशन के लिए डीएम इन कार्डियोलॉजी की डिग्री लेनी होगी। इस डिग्री की अवधि लगभग तीन साल की होती है।

अवसर

कॅरियर काउंसलर के अनुसार, एक प्रोफेशनल कार्डियोलॉजिस्ट के लिए अवसरों की कोई कमी नहीं है। आप सरकारी या प्राइवेट हास्पिटल में बतौर डॉक्टर काम कर सकते हैं। इसके अलावा आप कार्डियक रिहैबिलेशन सेंटर या क्लीनिक टेस्टिंग सेंटर्स में भी काम कर सकते हैं। वहीं आप खुद की प्रैक्टिस भी शुरू कर सकते हैं और खुद का क्लीनिक खोल सकते हैं। जो कार्डियोलॉजिस्ट पढ़ाना पसंद करते हैं, वे मेडिकल कॉलेजों में बतौर लेक्चरर भी अपनी सेवाएं दे सकते हैं।

आमदनी

एक कार्डियोलॉजिस्ट की आमदनी उसके अनुभव व भौगोलिक स्थान पर मुख्य रूप से निर्धारित होती है। जो कार्डियोलॉजिस्ट शहर में काम करते हैं, उन्हें अपेक्षाकृत अधिक सैलरी मिलती है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में आमदनी का स्तर कम हो सकता है। हालांकि अगर आप किसी सरकारी अस्पताल में बतौर फ्रेशर काम शुरू करते हैं, तब भी शुरूआती दौर में आप 25000 रूपए आसानी से कमा सकते हैं। जबकि निजी अस्पतालों में वेतन अधिक हो सकता है। वहीं कुछ वर्षों के अनुभव के बाद आपकी आमदनी लाखों में हो सकती है।

प्रमुख संस्थान

- गोविंद वल्लभ पंत इंस्टीट्यूटी ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, नई दिल्ली
- रविन्द्रनाथ टैगोर इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियक साइंस, कोलकाता
- मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली
- ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, नई दिल्ली
- आर्म्ड फोर्स मेडिकल कॉलेज, पुणे
- संजय गांधी पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, लखनऊ

फॉरेंसिक साइंस के क्षेत्र में कॅरियर कैसे बनाएं? कोर्स, जॉब और सैलरी

फॉरेंसिक साइंस की फील्ड में काम करने वाले प्रोफेशनल फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट या फॉरेंसिक साइंस एक्सपर्ट्स कहलाते हैं। फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट्स टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके क्राइम स्पॉट पर मौजूद सबूतों की जाँच करते हैं और अपराधियों को पकड़ने में मदद करते हैं। इसके लिए वे क्राइम सीन, ब्लड सैंपल, डीएनए प्रोफाइलिंग आदि की जांच करते हैं।

फॉरेंसिक साइंस का इस्तेमाल आपराधिक मामलों की जांच और कानूनी प्रक्रियाओं के लिए किया जाता है। फॉरेंसिक साइंस में केमिस्ट्री, बायोलॉजी, फिजिक्स, जियोलोजी, साइकोलॉजी, सोशल साइंस, इंजीनियरिंग आदि फील्ड्स शामिल होती हैं। इस फील्ड में काम करने वाले प्रोफेशनल फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट या फॉरेंसिक साइंस एक्सपर्ट्स कहलाते हैं। फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट्स टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके क्राइम स्पॉट पर मौजूद सबूतों की जाँच करते हैं और अपराधियों को पकड़ने में मदद करते हैं। इसके लिए वे क्राइम सीन, ब्लड सैंपल, डीएनए प्रोफाइलिंग आदि की जांच करते हैं।

कोर्स

फॉरेंसिक साइंस में करियर बनाने के लिए 12द्ध में साइंस होनी जरूरी है। आप फोरेंसिक साइंस एंड क्रिमिनोलॉजी या फॉरेंसिक साइंस एंड लॉ में एक वर्षीय डिप्लोमा कर सकते हैं। आप फॉरेंसिक साइंस 3 साल की बीएससी, 2 साल की एमएससी भी कर सकते हैं। इस फील्ड में स्पेशलाइजेशन और रिसर्च करने के इच्छुक हों तो फॉरेंसिक साइंस में पीएचडी और एमफिल भी कर सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

एक फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट को जिज्ञासु होना चाहिए और साहसिक कार्यों में दिलचस्पी होनी चाहिए। इस फील्ड में हर कदम पर चुनौती है इसलिए आपको दिमागी तौर पर मजबूत होना जरूर है। इसके साथ ही आपके अंदर मजबूत कम्युनिकेशन स्किल्स होना भी बेहद जरूरी है। एक फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट को कई तरह की टेस्ट रिपोर्ट लिखनी होती हैं इसलिए आपकी राइटिंग स्किल्स भी अच्छी होनी चाहिए।फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट को सबूतों की जाँच करनी होती है इसलिए आपको एकाग्रता और सतर्कता के साथ काम करना आना चाहिए।

कहां मिलेगी नौकरी

इस फील्ड में सरकारी और प्राइवेट जॉब्स की भरमार है। फॉरेंसिक साइंस में डिग्री हासिल करने के बाद आपको पुलिस, लीगल सिस्टम, इंवेस्टिगेटिव सर्विस जैसी जगहों पर जॉब मिल सकती है। वहीं, कोई प्राइवेट एजेंसी भी आपको बतौर फॉरेंसिक साइंटिस्ट्स जॉब ऑफर कर सकती है। अगर आप में योग्यता है तो आपको फॉरेंसिक साइंटिस्ट इंटेलि?जेंस ब्यूरो और सीबीआई में भी नौकरी का अवसर प्राप्त हो सकता है। इसके अलावा आप किसी फॉरेंसिक साइंस शिक्षण संस्थान में टीचर के रूप पढ़ा कर अच्छी सैलरी कमा सकते हैं।

सैलरी

योग्यता के आधार पर आपको शुरुआत में 20-50 हजार रुपये प्रतिमाह तक सैलरी मिल सकती है। समय के साथ अनुभव होने पर आप 6 से 8 लाख रुपये तक महीना कमा सकते हैं।

विदेशों में स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई करने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

विदेशों से हायर एजुकेशन प्राप्त करना कई लोगों की टू-डू लिस्ट में शामिल होता है। कई लोग इसे प्राप्त कर लेते हैं और कई लोग इसे प्राप्त करने से वंचित भी रह जाते हैं। विदेशों से हायर एजुकेशन की पढ़ाई करने पर जीवन में कई अवसर मिलते हैं। हालांकि हायर एजुकेशन जितने बेहतर अवसर देता है उतना ही खर्चीला भी है। विदेशों में पढ़ाई करने के लिए एक बेहतर प्लानिंग की आवश्यकता तो होते ही है साथ ही आवश्यकता होती है नॉलेज की। उसी नॉलेज और प्लानिंग में से एक है स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई करना। जब स्कॉलरशिप की बात आती है तो हमें कई बातों को ध्यान में रखना पड़ता है। आइए जानते हैं कुछ महत्वपूर्ण बातों को जिन्हें स्कॉलरशिप प्राप्त करने से पहले ध्यान में रखना पड़ता है।

स्ट्रांग प्रोफाइल बनाएं

हालांकि स्कॉलरशिप के लिए एकेडमिक स्ट्रेन्थ आवश्यक है। अगर मास्टर्स करने का आप प्लान बना रहे हैं तो आपका जीपीए 70 से अधिक है तो स्कोर बेहतर माना जाता है। लेकिन केवल इतना ही आवश्यक नहीं है। स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई करते वक्त इस बात का ध्यान रखें कि आपका प्रोफाइल बेहद स्ट्रांग होना चाहिए। इसके लिए आप इसमें एक्स्ट्रा करिकुलम एक्टिविटी जैसे स्पोर्टस, म्यूजिक, ड्रामा इत्यादि की डिटेल जरूर लिखें। इससे आपका प्रोफाइल बेहद स्ट्रांग बनेगा।

यूनिवर्सिटी स्कॉलरशिप से आगे बढ़कर सोचें

ध्यान रखें कि विदेशों में पढ़ने के लिए केवल यूनिवर्सिटी ही नहीं बल्कि कई संस्था स्कॉलरशिप प्रदान करती है। ये स्कॉलरशिप सरकारी के साथ-साथ प्राइवेट संस्थाओं द्वारा भी दिया जाता है। अगर आप भारत में हैं तो कई संस्था जैसे टाटा आपको विदेश में पढ़ने के लिए स्कॉलरशिप देगी। इसके साथ ही अगर आप विदेश में हैं तो वो देश भी विदेशों छात्रों के लिए कई स्कॉलरशिप प्लान पर कार्य करता है। इन स्कॉलरशिप के बारे में दोनें देशों के एजुकेशन डिपार्टमेंट से जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

कोर्स से पहले कर दें अप्लाई

आप जो कोर्स करना चाहते हैं उसके शुरू होने से 18 महीने पहले आप अप्लाई करने की प्रक्रिया शुरू कर दें। ऐसा इसलिए क्योंकि आवेदन करने के बाद डॉक्यूमेंट सबमिशन और वेरिफिकेशन में काफी वक्त लगता है। ऐसे में आपको समय पर स्कॉलरशिप भी मिल जाएगा और कोर्स में भी कोई समस्या नहीं होगी।

एप्लीकेशन का कराएं रिव्यू

एप्लीकेशन फॉर्म भरने के बाद यह सबसे बेहतर आइडिया है कि उसका रिव्यू करा लिया जाए। रिव्यू कराने से एप्लीकेशन की कमियां सामने आएगी और उसके बाद सुधार किया जा सकेगा। अपना एप्लीकेशन और डॉक्यूमेंट लें और उसे किसी प्रोफेशनल के पास ले जाएं। ये प्रोफेशनल आपके शिक्षक या कोई अन्य एक्सपर्ट भी हो सकते हैं। इससे आपको रिव्यू मिलेगा और आप एप्लीकेशन में सुधार कर पाएंगे।

अधिक से अधिक रियल रहने का प्रयास करें

जब एप्लीकेशन लिखे तो ज्यादा से ज्यादा रियल रहने का प्रयास करें। यूनिवर्सिटी में आप खुद को निखारने और खुद को बेहतर बनाने के लिए जाते हैं इसी कारण एप्लीकेशन में खुद को ज्यादा बढ़ा-चढ़ा कर ना लिखें। जो हैं वह ईमानदारी के साथ लिखें और अपने स्किल, पैशन और इंटरेस्ट आदि के विषय में लिखें।

पेंट टेक्नोलॉजिस्ट बनकर कॅरियर को दें एक रंगीन दिशा

एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट अलग-अलग एप्लीकेशन के लिए विभिन्न पेंट की उपयुक्तता की पहचान और मूल्यांकन करता है। पेंट टेक्नोलॉजिस्ट ग्राहकों को पेंट के सही उपयोग के बारे में समझाता है और उत्पादों के लिए नए बाजारों की पहचान करता है। रंगों का जीवन से एक गहरा नाता है। रंगों के बिना दुनिया की कल्पना भी नहीं की जा सकती। कपड़ों से लेकर घर तक हर जगह तरह-तरह के रंगों का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन क्या आपने कभी इन्हीं रंगों में अपना करियर बनाने की सोची है। अगर नहीं, तो अब आप इस क्षेत्र में भी अपना भविष्य बना सकते हैं। जी हां, पेंट टेक्नोलॉजी एक ऐसा ही क्षेत्र है। अगर आप भी चाहें तो इस क्षेत्र में अपना सफल भविष्य बना सकते हैं। तो चलिए विस्तार से जानते हैं इस क्षेत्र के बारे में

क्या है पेंट टेक्नोलॉजी

पेंट टेक्नोलॉजी एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें पेंट बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले विभिन्न इंग्रीडिएंट जैसे रॉल, पॉलिमर व पिगमेंट आदि के बारे में अध्ययन किया जाता है। पेंट टेक्नोलॉजी में, विभिन्न प्रकार के पेंट, उनके निर्माण, विभिन्न प्रकार के पेंट के उपयोग और पेंट के अनुप्रयोग के लिए उपयोग की जाने वाली तकनीकों के बारे में अध्ययन किया जाता है। इस विषय क्षेत्र में स्नातक करने वालों को पेंट टेक्नोलॉजिस्ट के रूप में जाना जाता है।

क्या होता है काम

एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट अलग-अलग एप्लीकेशन के लिए विभिन्न पेंट की उपयुक्तता की पहचान और मूल्यांकन करता है। पेंट टेक्नोलॉजिस्ट ग्राहकों को पेंट के सही उपयोग के बारे में समझाता है और उत्पादों के लिए नए बाजारों की पहचान करता है। उनके काम में पेंट के नए रंग और बनावट विकसित करना, पेंट एप्लीकेशन के लिए नई तकनीक को विकसित करना आदि शामिल हैं। सरल भाषा में, वे नए उत्पादों को विकसित करने के साथ-साथ उन उत्पादों के गुणों को बढ़ाने और उन्नत करने के लिए जिम्मेदार हैं जो पहले से ही विकसित किए गए हैं।

पर्सनल स्किल्स

एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट को रंगों से बेहद प्यार होना चाहिए। साथ ही उसमें कई तरह के एक्सपेरिमेंटल स्किल्स भी होने चाहिए, ताकि वह नए रंगों के साथ-साथ उनके टेक्टचर को भी बेहतर बना सके। एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट को मेहनती होना चाहिए। इसके अलावा, आपमें अच्छी संचार कौशल और टीम भावना होनी चाहिए, क्योंकि आपको इस उद्योग में अन्य पेशेवरों के साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता होगी। साथ ही विभिन्न विभागों में टीमों का नेतृत्व करने के लिए पेंट टेक्नोलॉजिस्ट में प्रबंधकीय कौशल भी आवश्यक है।

योग्यता

इस क्षेत्र में कदम रखने के लिए आपको बीटेक इन पेंट टेक्नोलॉजी करना होगा। बीटेक के बाद आप एमटेक कर सकते हैं। अधिकांश संस्थानों द्वारा पेंट इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों को केमिकल इंजीनियरिंग में एक विषय के रूप में भी पेश किया जाता है।

संभावनाएं

पेंट उद्योग के विभिन्न विभागों में पेंट टेक्नोलॉजिस्ट की आवश्यकता होती है। वे पेंट निर्माण कंपनियों के किसी भी विभाग में काम पा सकते हैं। पेंट उद्योग मुख्य रूप से ऑटोमोबाइल और रियल एस्टेट उद्योग पर निर्भर है। कई बड़ी-बड़ी पेंट मैन्युफैक्चिरिंग कंपनियों जैसे एशियन पेंट्स इंडिया लिमिटेड, शालीमार पेंट्स, बर्जर पेंट्स इंडिया लिमिटेड, नेरोलैक पेंट्स लिमिटेड आदि में पेंट टेक्नोलॉजिस्ट की हमेशा ही जरूरत होती है। पेंट टेक्नोलॉजिस्ट ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री, होम फर्निशिंग इंडस्ट्री आदि में भी कार्य कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में वेतन आपके अनुभव और उस सेक्टर पर निर्भर करता है, जिसके लिए आप काम कर रहे हैं। इस क्षेत्र में शुरुआत करने वाले व्यक्ति प्रारंभ में 1,25000 रूपए से 2,00000 रूपए प्रति वर्ष कमा सकते हैं। इसके अलावा अगर आप किसी प्रतिष्ठित ब्रांड के साथ काम कर रहे हैं तो आपको आकर्षक वेतन मिल सकता है। वहीं, अनुभव बढ़ने के साथ-साथ आपका वेतन भी बढ़ता जाता है।

प्रमुख संस्थान

हरकोर्ट बटलर तकनीकी विश्वविद्यालय, कानपुर
यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, जलगांव, महाराष्ट्र
गार्वेयर इंस्टीट्यूट ऑफ कॅरियर एजुकेशन एंड डेवलपमेंट, सांताक्रूज, महाराष्ट्र
लक्ष्मीनारायण इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, नागपुर

आईपीएल में आज होगा आरसीबी और सुपर जायंट्स में मुकाबला

बेंगलुरु (एजेंसी)। (ईएमएस)। आईपीएल में बुधवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मुकाबला लखनऊ सुपर जायंट्स से होगा। इस मैच में जहां आरसीबी अपने घरेलू मैदान में जीत दर्ज करना चाहेगी। वहीं सुपरजायंट्स भी जीत के लिए पूरा प्रयास करेगी। आरसीबी का इस सत्र में काफी अच्छा प्रदर्शन रहा है। ऐसे में वह जीत की प्रबल दावेदार रहेगी। उसके पास विराट कोहली, फिल साल्ट, रजत पाटीदार और टिम डेविड जैसे अच्छे बल्लेबाज हैं। टीम ने अभी तक के मैचों में 200 से अधिक रन बनाये हैं। वह अंक तालिका में भी तीसरे स्थान पर है। वहीं दूसरी ओर, लखनऊ सुपर जायंट्स का अब तक का प्रदर्शन सामान्य रहा है। पिछले मैच में उसे गुजरात टाइटन्स के खिलाफ हार मिली थी। टीम के कप्तान ऋषभ पंत भी अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं1 टीम में निरंतरता की भी कमी है। अब सुपर जायंट्स का लक्ष्य किसी भी प्रकार से ये मैच जीतकर

अपनी लय हासिल करना होगा। बेंगलुरु के मशहूर चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच पर बड़े स्कोर बनते हैं। ऐस में इस मैच में रोमांचक मुकाला होना तय है। अब तक दोनो टीमों के बीच 6 मैच खेले गये हैं जिसमें से आरसीबी ने 4 जबकि सुपर जायंट्स ने 2 जीते हैं।

टीम इस प्रकार है

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

विराट कोहली, फिल साल्ट, रजत पाटीदार (कप्तान), क्रुणाल पंड्या, टिम डेविड, जितेश शर्मा, रोमारियो शेफर्ड, मंगेश यादव। भुवनेश्वर कुमार, जैकब डफी, सुयश शर्मा

इम्पैक्ट प्लेयर- देवदत्त पडिक्कल

लखनऊ सुपर जायंट्स

मिशेल मार्श, एडेन मार्कराम, ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), निकोलस पूरन, अब्दुल समद, मुकुल चौधरी, जॉर्ज लिंडे, मोहम्मद शमी, अवेश खान, दिग्वेश सिंह राठी, प्रिंस यादव

इम्पैक्ट प्लेयर- आयुष बडोनी

धोनी फिट हुए, 19 अप्रैल को सनराइजर्स के खिलाफ मैच से कर सकते हैं वापसी

मुम्बई (एजेंसी)। चेन्नई सुपरकिंग्स के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी फिट हो गये हैं और उनके 19 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद से होने वाले मैच से वापसी की संभावनाएं हैं। धोनी के नहीं होने से सीएसके काफी कठिन हालातों से गुजर रही है। उसे शुरुआती तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में धोनी के प्रशंसक चाहते हैं कि वह शीघ्र वापसी करें। प्रशंसकों को उम्मीद थी वह वह मंगलवार को केकेआर के खिलाफ मैच में उतरेंगे पर प्रबंधन ने इससे इंकार करते हुए कहा था कि वह धोनी की फिटनेस को लेकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहता।

44 साल के धोनी 2026 सत्र की शुरुआत से ही पिंडली की चोट परेशान रहे हैं। उनके बाहर होने से सीएसके टीम में नेतृत्व क्षमता और फिनिशिंग की कमी दिखी। इसी कारण सीएसके इस बार अंक तालिका में भी काफी नीचे हैं। उनके नहीं होने से विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संजू सैमसन निभा रहे हैं।

सीएसके की मेडिकल टीम धोनी को जल्दबाजी में पूरी समय मैदान पर उतारने का खतरा मोल नहीं लेना चाहती है। एमएस धोनी 19 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिाफ खेल सकते हैं पर ये तय है कि वह इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर ही उतरेंगे। वैसी भी धोनी पिछले आईपीएल सत्र से ही अंतिम ओवरों में उतरने के बाद भी मैच का रुख बदल देते हैं।

सैमसन को मिला आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को मार्च महीने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) प्लेयर ऑफ द मंथ का अवार्ड मिला है। सैमसन का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में शानदार रहा है। उन्होंने मार्च में टी20 विश्व कप 2026 में भी भारतीय टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। सैमसन को पहली बार ये खिताब मिला है। सैमसन ने टी20 विश्वकप में लगातार तीन अर्धशतक लगाये थे। वेस्टइंडीज के खिलाफ प्लेऑफ में उन्होंने 97 रनों की शानदार पारी खेलकर भारतीय टीम को बड़े अंतर से जीत दिलायी थी। इसके बाद सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 89 रन बनाए। वहीं फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ उन्होंने 89 रनों की पारी खेली थी।

सैमसन ने आईसीसी अवार्ड मिलने पर खुशी जताते हुए कहा है कि ये उनके लिए एक सुखद अनुभव है। साथ ही कहा कि टी20 विश्व कप की जीत में योगदान देना मेरा सपना था जो पूरा हुआ है। इस अवॉर्ड की दौड़ में सैमसन के अलावा तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और दक्षिण अफ्रीका के कॉनर एस्टरहुइज़न भी शामिल थे।

टीम इंडिया में वैभव सूर्यवंशी की एंट्री तय

-सचिन तेंदुलकर का 37 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ने की दहलीज पर 15 वर्षीय युवा सनसनी, आयरलैंड दौरे पर कर सकते हैं ऐतिहासिक डेब्यू

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के उभरते हुए सितारे वैभव सूर्यवंशी अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इतिहास रचने के बेहद करीब हैं। अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति आईपीएल 2026 में उनके विस्फोटक प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें आगामी जून में होने वाले आयरलैंड दौरे के लिए सीनियर टीम में शामिल करने पर गंभीरता से विचार कर रही है। यदि वैभव इस दौरे पर पदार्पण करते हैं, तो वह मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर के 16 साल की उम्र में डेब्यू करने के ऐतिहासिक रिकॉर्ड को तोड़कर भारत के सबसे युवा अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी बन जाएंगे। बीसीसीआई सूत्रों के अनुसार, चयनकर्ता राजस्थान रॉयल्स के इस प्रतिभाशाली बल्लेबाज को सीधे सीनियर टीम में परखना चाहते हैं।

वैभव सूर्यवंशी पहली बार तब चर्चा में आए थे जब आईपीएल 2025 की नीलामी में राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें 1.1 करोड़ रुपये में खरीदा था। उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ मात्र 35 गेंदों में शतक जड़कर अपनी आक्रामक बल्लेबाजी का लोहा मनवाया था। इतना ही नहीं, अंडर-19 वर्ल्ड कप के फाइनल में इंग्लैंड के विरुद्ध 80 गेंदों में 175 रनों की अविश्वसनीय पारी ने उन्हें रातों-रात वैश्विक स्तर पर सुर्खियों में ला दिया। उनकी इसी निरंतरता और प्रतिभा को देखते हुए आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल ने भी उन्हें कम उम्र में भारत के लिए डेब्यू करने का हकदार बताया है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) की रणनीति स्पष्ट है कि आयरलैंड जैसी टीम के खिलाफ वैभव को मौका देकर उनके कौशल को अंतरराष्ट्रीय दबाव में आजमाया जाए। चयनकर्ताओं का मानना है कि वैभव की बल्लेबाजी शैली आधुनिक टी20 क्रिकेट के अनुकूल है और उन्हें लंबा इंतजार कराने के बजाय अनुभव प्रदान करना टीम के भविष्य के लिए फायदेमंद होगा। 'द इंडियन एक्सप्रेस' की रिपोर्ट के मुताबिक, वैभव का नाम शॉर्टलिस्ट किया जा चुका है और यदि वे फिटनेस

मानकों पर खरे उतरते हैं, तो आगामी सीरीज में वे नीली जर्सी में बल्लेबाजी करते नजर आ सकते हैं।

बेंगलुरु या न्यू चंडीगढ़ में खेले जा सकते हैं आईपीएल प्लेऑफ

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के प्लेऑफ के लिए अभी मैच स्थल घोषित किये जाने हैं। इसके लिए बेंगलुरु और न्यू चंडीगढ़ सबसे आगे माने जा रहे हैं। आईपीएल गवर्निंग काउंसिल अंतिम चरण की मेजबानी के लिए कई बातों पर विचार कर रही है। कई राज्यों में विधानसभा चुनावों को देखते हुए कार्यक्रम की घोषणा में भी देर हो रही है। वहीं एक रिपोर्ट के मुताबिक, बेंगलुरु और न्यू चंडीगढ़ प्लेऑफ की दौड़ में सबसे आगे हैं हालांकि अंतिम फैसला कई बातों को ध्यान में रखते हुए लिया जाएगा। इसमें लॉजिस्टिक्स, यात्रा की व्यवस्था, ब्रॉडकास्ट की जरूरतें आदि भी इसमें शामिल हैं। आईपीएल के इस सत्र में कुल 74 मैच खेले जाने हैं। जिसमें 70 मैच 13 अलग-अलग स्थलों पर होंगे। इनमें मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु, चेन्नई, कोलकाता, हैदराबाद, जयपुर, न्यू चंडीगढ़, लखनऊ, अहमदाबाद, गुवाहाटी, रायपुर और धर्मशाला शामिल हैं। अब तक बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में कुल पांच लीग मैच हुए हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) इस बार अपने दो घरेलू मैच रायपुर में खेलेगी। वहीं पंजाब किंग्स को अपने चार मैच घरेलू मैदान मुल्लांपुर (न्यू चंडीगढ़) में खेलने हैं।

बीसीसीआई ने रॉल्यल्स के मैनेजर रोमी को नोटिस दिया, डगआउट के अंदर मोबाइल के उपयोग पर मांगा जवाब

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की भ्रष्टाचार रोधी ईकाई ने डगआउट के अंदर फोन का प्रयोग करने के मामले में राजस्थान रॉयल्स के मैनेजर रोमी भिंडर को नोटिस भेजकर एक दिन में जवाब मांगा है। रोमी को गुवाहाटी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ पिछले मैच में डगआउट में मोबाइल का प्रयोग करते हुए देखा हुआ था जबकि इसपर प्रतिबंध है। मोबाइल का उपयोग केवल ड्रेसिंग रुप में ही किया जा सकता है। गुवाहाटी में रोमी की मोबाइल का प्रयोग करते हुए की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर आई थी जिसके बाद से ही उनपर कार्रवाई किये जाने की मांग हो रही थी। इस दौरान वैभव सूर्यवंशी भी उनके साथ ही बैठे हुए थे। आईपीएल प्रोटोकॉल में साफ तौर पर कहा गया है कि टीम मैनेजर मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर सकते हैं पर डगआउट में नहीं, ऐसा करना नियमों के खिलाफ हैं। भ्रष्टाचार रोधी इकाई ने रोमी से 24 घंटे के अंदर यह बताने को कहा है कि उन्होंने मोबाइल का इस्तेमाल क्यों किया। वहीं ये भी कहा जा रहा है कि रोमी ने मेडिकली इमरजैंसी के कारण मोबाइल का इस्तेमाल किया था। इसका कारण है कि उनके फेफड़े हो गये हैं जिसके कारण वह पिछले दिनों वेंटिलेशन पर भी थे। इस मामले की जांच अभी भी जारी है।

प्रफुल्ल हिंगे ने आईपीएल डेब्यू में तीन विकेट झटक कर रचा इतिहास

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज प्रफुल्ल हिंगे सोमवार आईपीएल पर्दापण में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पहले ही ओवर में दो रन देकर तीन विकेट झटकर इतिहास रच दिया। वह आईपीएल में यह कारनामा करने वाले पहले गेंदबाज बन गये है। आज यहां खेले गये मुकाबले में प्रफुल हिंगे ने अपने आईपीएल करियर के पहले ही ओवर में तीन विकेट लेकर इतिहास रच दिया। इसके बाद अपने दूसरे ओवर में रियान पराग को आउटकर अपना चौथा विकेट लिया। प्रफुल हिंगे अपनी दूसरी ही गेंद पर युवा स्टार बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का बिना खाता खोले ही शिकार कर लिया। अगली 4 गेंदों के भीतर ही ध्रुव जुरेल और लुआन ड्री प्रिटोरियस भी आउट कर दिया। तीनों बल्लेबाजो को खाता भी नहीं खेल सके। प्रफुल हिंगे इतिहास में ऐसे पहले गेंदबाज हैं, जिन्होंने आईपीएल मैच की किसी पारी के पहले ही ओवर में 3 विकेट झटके है। वह पारी के पहले ओवर में 2 रन देकर तीन विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज हैं।

अभिषेक, दीप्ति सहित छह भारतीय क्रिकेटरों को मिले विजडन अवार्ड

लंदन (एजेंसी)। अभिषेक शर्मा और दीप्ति शर्मा सहित छह भारतीय क्रिकेटरों ने विजडन अल्मनैक 2026 पुरस्कारों में 9 में से 7 पुरस्कार जीते हैं। अभिषेक शर्मा को वर्ष का टी20 पुरुष क्रिकेटर। वहीं दीप्ति को वर्ष की महिला क्रिकेटर का अवार्ड मिला है। अभिषेक ने साल 2025 के सत्र में जबरदस्त प्रदर्शन किया। इस सत्र में उन्होंने 21 मैचों में 193 के बेहतरीन स्ट्राइक रेट से 859 रन बनाए, जिसमें एक शतक और 5 अर्धशतक शामिल हैं। वहीं दीप्ति ने पिछले साल आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप में 22 विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इस ऑलराउंडर के शानदार प्रदर्शन से भारतीय महिला टीम ने फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर अपना पहला खिताब जीता था।

दीप्ति ने 9 मैचों में 3 अर्धशतकों की मदद से 215 रन भी बनाए थे। इसके अलावा भारत के शुभमन गिल, मोहम्मद सिराज, ऋषभ पंत और रविंद्र जडेजा को भी इंग्लैंड में हुई टेस्ट सीरीज में अच्छे प्रदर्शन के लिए विजडन के वर्ष के पांच क्रिकेटरों में शामिल किया गया है। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क विश्व के सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर चुने गये हैं। उनके अलावा इंग्लैंड के बल्लेबाज हसीब हमीद थे को भी चार भारतीय खिलाड़ियों के साथ वर्ष के पांच सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटरों में भी जगह मिली है। शुभमन को पिछले साल टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड दौरे पर सबसे अधिक 754 रन बनाए और पांच मैचों की सीरीजको 2-2 से ड्रॉ कराने में अहम भूमिका के लिए पुरस्कार दिया गया। जड़ेजा ने भी पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था। जडेजा ने सीरीज में 5 अर्धशतक भी लगाये थे, जिसमें मैनचेस्टर में खेली गई उनकी शतकीय पारी भी शामिल है। उन्होंने 86 के औसत से 516 रन बनाए थे। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने इस सीरीज में सबसे अधिक 23 विकेट लिए जबकि ऋषभ ने 479 रन बनाए थे।

ईरान की महिला फुटबॉल कप्तान जहरा गनबरी को कोर्ट से राहत, जब्त संपत्ति लौटाई गई

तेहरान। ईरान की अदालत ने महिला फुटबॉल टीम की कप्तान जहरा गनबरी को बड़ी राहत देते हुए उनकी जब्त संपत्ति वापस करने का आदेश दिया है। यह फैसला उनके आचरण में बदलाव और मामले में निर्दोष पाए जाने के बाद लिया गया। ईरानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कोर्ट ने गनबरी की संपत्ति लौटाने का निर्णय हालिया समीक्षा के बाद सुनाया। इससे पहले उनकी संपत्ति एक विवाद के चलते जब्त कर ली गई थी, जो उस समय शुरू हुआ था जब उन्होंने और कुछ अन्य खिलाड़ियों ने विदेश में शरण लेने की कोशिश की थी। दरअसल, ऑस्ट्रेलिया में आयोजित एशियन कप के दौरान, जो क्षेत्रीय तनाव के शुरुआती दौर में हुआ था, गनबरी उन खिलाड़ियों में शामिल थीं जिन्होंने शरण मांगी थी। इस कदम ने उस समय काफी विवाद खड़ा कर दिया था और इसके बाद उनके खिलाफ कार्रवाई की गई थी। हालांकि, बाद में जहरा गनबरी समेत पांच खिलाड़ी और एक स्टाफ सदस्य ईरान लौट आए थे। 19 मार्च को तेहरान पहुंचने पर उनका स्वागत भी किया गया, जिससे संकेत मिला कि स्थिति में कुछ नरमी आई है। यह फैसला ईरान के भीतर खेल और सामाजिक मामलों में बदलते रुख का संकेत हो सकता है। गनबरी के मामले में कोर्ट का यह कदम खिलाड़ियों और खेल समुदाय के लिए एक सकारात्मक संदेश के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर खिलाड़ियों की स्वतंत्रता, सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के दौरान उनकी स्थिति को लेकर बहस को जन्म दिया है। आने वाले समय में इस तरह के मामलों में नीति और रुख किस दिशा में जाते हैं, यह देखना महत्वपूर्ण होगा।

मुंबई इंडियंस के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीद अभी भी बरकरार

मुम्बई। मुंबई इंडियंस की टीम का प्रदर्शन इस बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अच्छा नहीं रहा है और वह अब तक चार में से एक ही मैच जीती है। उससे लगातार तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में प्रशंसक आशंकित हैं कि पांच बार की विजेता इस बार प्लेऑफ में पहुंच पायेगी या नहीं। टीम 4 मैच में तीन हार के बाद अब अंक तालिका में 8वें नंबर नजर आ रही है हालांकि उसके प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें अभी भी बरकरार है। उसे पहले ही मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ जीत के साथ शुरुआत की थी पर इसके बाद से ही वह लगातार हार रही है। टूर्नामेंट में सभी टीमों को 14-14 मैच खेलने हैं। ऐसे में मुंबई इंडियंस के पास प्लेऑफ में क्वालीफाई करने का अब भी अवसर है। उसे अभी दस मैच खेलने हैं। प्लेऑफ में प्लेऑफ में क्वालीफाई करने के लिए मुंबई इंडियंस को अंक तालिका में शीर्ष चार में जगह बनानी होगी। अंतिम चार में पहुंचने के लिए उसे कुल 16 अंक चाहिये। वहीं अभी उसके 2 अंक ही हैं। ऐसे में टीम को बचे हुए 10 में से सात मैच जीतने होंगे। तभी वह शीर्ष चार में पहुंच सकती है। पहले सत्र में भी मुंबई इंडियंस ने शुरुआती झटकों के बाद वापसी करते हुए प्लेऑफ में जगह बनायी थी।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 से पहले घाना ने कार्लोस क़्वीरोज़ को बनाया मुख्य कोच

अकरा (घाना)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 से पहले घाना ने बड़ा फैसला लेते हुए पुर्तगाल के अनुभवी मैनेजर कार्लोस क़्वीरोज़ को अपनी राष्ट्रीय फुटबॉल टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। घाना फुटबॉल एसोसिएशन (जीएफए) ने सोमवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की। 73 वर्षीय क़्वीरोज़ लगातार पांचवें वर्ल्ड कप में कोच के रूप में हिस्सा लेने जा रहे हैं, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने पिछले महीने ओमान के कोच पद से इस्तीफा दे दिया था, जब टीम वर्ल्ड कप 2026 के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाई। वर्ल्ड कप शुरू होने से महज 72 दिन पहले घाना की टीम बिना कोच के रह गई थी, जब ऑस्ट्रिया और जर्मनी के खिलाफ मार्च में हुए फ्रेंडली मुकाबलों में हार के बाद ओटो अडो से रास्ते अलग कर लिए गए थे। जीएफए ने अपने बयान में कहा, 'कार्यकारी परिषद ने सभी प्रमुख हितधारकों के साथ मिलकर कार्लोस क़्वीरोज़ को सीनियर राष्ट्रीय टीम 'ब्लैक स्टार्स' का मुख्य कोच नियुक्त किया है।' क़्वीरोज़ का कोचिंग करियर बेहद शानदार रहा है। उन्होंने 2010 वर्ल्ड कप में पुर्तगाल को प्री-क्वार्टरफाइनल (राउंड ऑफ 16) तक पहुंचाया था। इसके बाद उन्होंने ईरान की टीम को लगातार तीन वर्ल्ड कप में कोचिंग दी, जहां टीम ने 13 मैचों में 3 जीत दर्ज की। मोज़ाम्बिक में जन्मे क़्वीरोज़ पूर्व गोलकीपर भी रह चुके हैं। उन्होंने अपने करियर में मिस्र, जापान, कोलंबिया और दक्षिण अफ्रीका जैसी टीमों को भी कोचिंग दी है, जबकि 1990 के दशक की शुरुआत में पुर्तगाल टीम का भी नेतृत्व किया। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में घाना को ग्रुप एल में रखा गया है, जहां उसका मुकाबला क्रोएशिया, इंग्लैंड और पनामा जैसी मजबूत टीमों से होगा। अब क़्वीरोज़ के अनुभव के दम पर घाना टीम बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद कर रही है।

आईपीएल में इस बार विकेटों के लिए तरस रहे बुमराह

मुम्बई (एजेंसी)। मुम्बई इंडियंस के अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का प्रदर्शन आईपीएल के इस सत्र में अब तक अच्छा नहीं रहा है। बुमराह की गेंदों को खेलना अच्छे-अच्छे बल्लेबाजों के लिए भी कठिन रहा है पर इस सत्र में वैभव सूर्यावंशी जैसे उभरते हुए बल्लेबाज ने भी उनपर जमकर चौके छक्के लगा दिये हैं। पिछले चार मैचों मैचों से बुमराह विकेट के लिए तरस रहे हैं। ये पहली बार है जब बुमराह इतने कठिन दौर से गुजर रहे हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ खेले मैच में भी बुमराह ने विकेट के लिए पूरा जोर लगा दिया पर असफल रहे। इस मैच में बुमराह ने चार ओवर में 35 रन दिये पर उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला।

आरसीबी के खिलाफ टक्कर से पहले बुमराह को पहले तीन मैचों में भी विकेट नहीं मिला था। पहला मैच मैच कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के खिलाफ हुआ था जिसमें बुमराह ने चार ओवर में 35 रन दिये पर विकेट नहीं ले पाये। वहीं दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 4 ओवर में 21 दिये और वह इस मैच में भी विकेट नहीं निकाल पाये।

तीसरे मैच में बुमराह ने राजस्थान के खिलाफ तीन ओवर की गेंदबाजी की और 32 रन दिए पर इस बार भी उन्हें विकेट नहीं मिला। ऐसे में कहा जा रहा है कि आईपीएल में लगता है बुमराह का जादू समाप्त हो गया है। उनके असफल होने से मुम्बई भी लगातार तीन मैचों से हार रही है। आईपीएल में इससे पहले के सत्रों की बात करें तो बुमराह का प्रदर्शन बेहद अच्छा रहा है। साल 2013 में डेब्यू के बाद से ही उन्होंने अब तक 149 मैचों में 183 विकेट लिए हैं। आईपीएल में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 10 रन देकर 5 विकेट लेने का रहा है।

ये भी कहा जा रहा है कहीं वह अपनी फिटनेस से समझौता तो नहीं कर रहे। कोलकाता नाइट राइडर्स, दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ उनके गेंद की रफ्तार थोड़ी कम दिखी। जिसे लग रहा है कि वह अपनी पूरी ताकत से गेंदबाज़ी नहीं कर रहे थे। ऐसे में सवाल बड़ा ये है कि क्या बुमराह चोट छिपाकर खेल रहे है या फ्रेंचाइजी के दबाव में फिट ना होने के बावजूद मैदान पर उतर रहे हैं1 धीमी रफ्तार से गेंदबाज़ी। बुमराह ने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ज्यादा समय बिताया था। वह मुंबई इंडियंस के साथ उनके पहले मैच से ठीक पहले ही जुड़े थे। ऐसे में वह अपने को थोड़ा बचाकर गेंदबाज़ी कर रहे थे जिससे भी कई सवाल उठ रहे हैं।

वीकएंड पर फिर गरजी 'धुरंधर 2', जानें 'डकैत' और 'प्रोजेक्ट हेल मेरी' का कैसा है हाल?

● सिनेमाघरों में बॉलीवुड, हॉलीवुड और साउथ की फिल्में धमाल मचा रही हैं। रविवार का दिन सभी फिल्मों के लिए ठीक-ठाक रहा। 'धुरंधर 2' सभी फिल्मों पर हावी रही है। इसे वीकएंड का फायदा मिला है। धीमी रफ्तार से 'डकैत' की कमाई जारी है। 'प्रोजेक्ट हेल मेरी' की भी वीकएंड पर कमाई बढ़ी है। आइए जानते हैं सभी फिल्मों का कलेक्शन।

'धुरंधर 2' दुनियाभर में भी अच्छी कमाई कर रही है। इसने 25 दिनों में वर्ल्डवाइड 1712.98 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। अगर फिल्म की कमाई इसी तरह जारी रही तो यह जल्द ही 'पुष्पा 2' का रिकॉर्ड तोड़ देगी। 'पुष्पा 2' का वर्ल्डवाइड कलेक्शन लगभग 1740 करोड़ रुपये है। 'धुरंधर 2' ने रचा इतिहास 'धुरंधर 2' चीन और खाड़ी देशों के कलेक्शन को छोड़कर, दुनिया भर में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई है। चीन और खाड़ी देशों के बिजनेस को छोड़कर 'दंगल' ने 700झ790 करोड़ रुपये, 'पुष्पा 2' 1685 करोड़ रुपये और 'बाहुबली 2' 1615 करोड़ रुपये की कमाई की थी।

'डकैत' का कुल कलेक्शन

साउथ की फिल्म 'डकैत' ने रिलीज के तीसरे दिन यानी रविवार को 6.40 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। शनिवार को इसने 6.85 करोड़ रुपये कमाए थे। पहले दिन इसकी कमाई 6.55 करोड़ रुपये थी। इस तरह से इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कुल 19.80 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। इसमें मृणाल ठाकुर और अदिवि शेष अहम किरदार में हैं। यह फिल्म तेलुगु और हिंदी में रिलीज हुई है।

'प्रोजेक्ट हेल मेरी'

26 मार्च को भारत में रिलीज होने वाली फिल्म 'प्रोजेक्ट हेल मेरी' ने रविवार को 4.05 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। शनिवार को फिल्म ने 4.10 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। दूसरे हफ्ते में इसने 20.30 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। पहले हफ्ते में फिल्म ने 24.70 करोड़ रुपये कमाए थे। इस फिल्म का टोटल कलेक्शन 55.01 करोड़ रुपये हो गया है।

नीतू कपूर ने ऋषि कपूर के साथ शेयर की थ्रोबैक तस्वीर

अपनी सगाई की 47वीं सालगिरह पर किया याद

रणबीर कपूर की मां और दिग्गज अभिनेत्री नीतू कपूर ने आज सोशल मीडिया हैंडल पर अपने दिवंगत पति ऋषि कपूर को याद करते हुए एक खास तस्वीर शेयर की है। यह खास तस्वीर उनकी सगाई की 47वीं सालगिरह के दौरान की है। नीतू ने किया ऋषि को याद नीतू कपूर ने इंसटाग्राम स्टोरी पर ऋषि कपूर के साथ अपनी एक खास पुरानी तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में नीतू और ऋषि दोनों बहुत खुश दिख रहे हैं। इस तस्वीर में दोनों के चेहरों पर प्यारी सी मुस्कान दिखाई दे रही है। नीतू ने इस थ्रोबैक तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा, 'आज ही के दिन 1979 में हमारी सगाई हुई थी।' नीतू और ऋषि की शादी नीतू और ऋषि कपूर की शादी 22 जनवरी 1980 को हुई थी। उस समय यह बॉलीवुड की सबसे महंगी और चर्चित शादियों में से एक थी। शादी में फिल्म इंडस्ट्री के बहुत सारे बड़े स्टार आए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नीतू अपनी शादी के बीच में इतने सारे स्टारों और भीड़ को देखकर बेहोश हो गई थीं। शादी के बाद 1980 में उनकी बेटी रिद्धिमा कपूर साहनी पैदा हुई और 1982 में बेटे रणबीर कपूर का जन्म हुआ। ऋषि कपूर का अप्रैल 2020 में कैंसर की वजह से निधन हो गया था। 'दादी की शादी' में नजर आएंगी नीतू कपूर नीतू कपूर जल्द ही फिल्म ह्यदादी की शादीह्न में नजर आएंगी। यह फिल्म कपिल शर्मा और रिद्धिमा कपूर साहनी के साथ है।

2003 की यादों में लौटीं पूजा भट्ट, 'पाप' के सेट से जॉन अब्राहम संग शेयर की अनदेखी तस्वीर

बॉलीवुड में कई ऐसी फिल्में बनी हैं, जो सिर्फ अपनी कहानी के लिए ही नहीं बल्कि अपनी लोकेशन और असलपन के लिए भी याद की जाती हैं। इन्हीं फिल्मों में एक नाम है 'पाप'... सोमवार को इस फिल्म से जुड़ी एक खास याद अभिनेत्री पूजा भट्ट ने साझा की। उनके इस पोस्ट ने फैंस को एक बार फिर 2003 के दौर में पहुंचा दिया। दरअसल, पूजा भट्ट ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर एक पुरानी तस्वीर शेयर की है, जो फिल्म 'पाप' की शूटिंग के दौरान ली गई थी। इस तस्वीर में वह जॉन अब्राहम के साथ सीढ़ियों पर बैठी नजर आ रही हैं। उनके आसपास काजा के स्थानीय लोग भी मौजूद हैं। सभी के चेहरे पर मुस्कान है। तस्वीर की खास बात यह है कि इसमें स्थानीय लोग अपने पारंपरिक पहनावे में नजर आ रहे हैं। ऊनी टोपी, गर्म कपड़े और सांस्कृतिक गहनों से सजी उनकी वेशभूषा उस इलाके की पहचान को बखूबी दर्शाती है। स्पीति वैली की यह झलक फिल्म की कहानी को और भी असली बनाती है। पूजा भट्ट ने इस तस्वीर को शेयर करते हुए लिखा, "2003 में काजा में ली गई यह तस्वीर फिल्म की सादगी और उसके असली अंदाज को बहुत खूबसूरती से दिखाती है।" बता दें कि 'पाप' पूजा भट्ट की डायरेक्टर के तौर पर पहली फिल्म थी। इस फिल्म में जॉन अब्राहम और उदिता गोस्वामी मुख्य भूमिका में थे, जबकि दिग्गज अभिनेता मोहन अगाशे ने भी अहम किरदार निभाया था। फिल्म की शूटिंग स्पीति की खूबसूरत वादियों में हुई थी। अगर फिल्म की कहानी की बात करें तो यह 'काया' नाम की एक बौद्ध लड़की (उदिता गोस्वामी) के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे भविष्य में आध्यात्मिक गुरु बनने के लिए तैयार किया जा रहा होता है। उसकी जिंदगी उस समय बदल जाती है, जब उसकी मुलाकात पुलिस इंस्पेक्टर शिवेन से होती है, जिसका किरदार जॉन अब्राहम ने निभाया है। फिल्म में धर्म, इच्छाएं, आत्मसंघर्ष और मोक्ष जैसे गहरे विषयों को बहुत ही संवेदनशील तरीके से दिखाया गया है।

प्रियंका चोपड़ा ने किए स्वर्ण मंदिर के दर्शन

'वाराणसी' के अलावा इस फिल्म में आएंगी नजर

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा इन दिनों भारतीय फिल्मों में वापसी की तैयारी कर रही हैं। महेश बाबू के साथ फिल्म 'वाराणसी' के बाद अब वह एक नई फिल्म पर काम कर रही हैं। जानिए प्रियंका की नई फिल्म का नाम क्या है। प्रियंका ने किए स्वर्ण मंदिर के दर्शन इस महीने की शुरूआत में प्रियंका चोपड़ा को स्वर्ण मंदिर में प्रार्थना करते और रसोई में सेवा करते देखा गया था। हाल ही में उन्होंने फिर से स्वर्ण मंदिर जाकर प्रार्थना की। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रियंका कल रात करीब 12 बजे स्वर्ण मंदिर में नजर आईं। वह वहां प्रार्थना कर रही थीं और परिक्रमा स्थल पर कुछ देर रुकीं। पंजाब में कई जगहों पर की प्रार्थना स्वर्ण मंदिर के अलावा, पिछले कुछ दिनों में प्रियंका ने पंजाब के कई और धार्मिक जगहों पर भी जाकर दर्शन किए। इनमें शहीद बाबा गुरबख्श सिंह जी, थड़ा साहिब, शहीदान सिंह मेमोरियल, झंडा बंगा साहिब, बाबा बुद्धा जी और दुख भंजनी बेर साहिब शामिल हैं। प्रियंका चोपड़ा ने स्वर्ण मंदिर में सेवा भी की कुछ दिन पहले प्रियंका की सेवा करते हुए तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे। उन तस्वीरों में प्रियंका सिर पर कपड़ा बांधे, पारंपरिक कपड़े पहने, सबके साथ एक जगह बैठी थीं। वह बर्तन धोने और दूसरे कामों में मदद कर रही थीं। प्रियंका ने मंदिर में सबके साथ प्रार्थना भी की थी। प्रियंका की नई फिल्म 'अमरी' की शूटिंग शुरू प्रियंका इन दिनों अपनी नई फिल्म के लिए पंजाब के अमृतसर में रुकी हुई हैं। फिल्म 'अमरी' की शूटिंग आधिकारिक तौर पर शुरू हो चुकी है। प्रियंका अपना पूरा शेड्यूल पूरा करने में व्यस्त हैं। वह आखिरी बार फिल्म 'द ब्लफ' में नजर आई थीं, जिसमें उन्होंने अभिनेता कार्ल अर्बन के साथ काम किया था। 'अमरी' के अलावा प्रियंका फिल्म 'वाराणसी' में नजर आएंगी। 'वाराणसी' में प्रियंका साउथ अभिनेता महेश बाबू के साथ नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन एसएस राजामौली कर रहे हैं।

'जना नायकन' लीक मामले में तमिलनाडु साइबर क्राइम ने शुरू की जांच, छह गिरफ्तार

थलपति विजय की आगामी राजनीतिक एक्शन थ्रिलर फिल्म 'जना नायकन' के रिलीज से पहले लीक होने की घटना सोशल मीडिया पर बड़ा मुद्दा बन चुकी है। साउथ के कई बड़े सुपरस्टार ने लीक और पाइरेसी की बढ़ती घटनाओं पर सवाल किए, जिसके बाद अब तमिलनाडु की साइबर पुलिस हरकत में आ गई है और मामले में 6 लोगों की गिरफ्तारी भी कर ली है। इस बात की जानकारी खुद तमिलनाडु की साइबर पुलिस ने दी है। तमिलनाडु पुलिस की साइबर क्राइम विंग ने कथित डेटा लीक की विस्तृत जांच आधिकारिक तौर पर शुरू कर दी है। यह शिकायत केवीएन प्रोडक्शंस के प्रोडक्शन कंट्रोलर आर. उदयकुमार की ओर से आई थी। उन्होंने तत्काल हस्तक्षेप की अपील करते हुए कहा कि अप्रकाशित फुटेज को गैरकानूनी रूप से प्राप्त कर अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया गया। शिकायत के अनुसार, यह कोई आकस्मिक लीक नहीं थी। इसमें 21 व्यक्तियों के नाम सामने आए हैं, जिन पर एक कथित पायरेसी नेटवर्क में शामिल होने का आरोप है। तमिलनाडु साइबर क्राइम ने अपने ट्वीट में जानकारी दी है कि अब तक छह गिरफ्तारियां हो चुकी हैं और 300 से अधिक अवैध लिंक पर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस ने पाइरेसी को अपराध बनाते हुए ऐसी हरकत करने वाले लोगों को चेताया है और कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी है। बता दें कि थ्रिलर फिल्म 'जना नायकन' अभिनेता विजय के राजनीति में आने से पहले की आखिरी फिल्म है, जिसमें पूजा हेगड़े लीड रोल में हैं। फिल्म में विजय की एंट्री के कुछ सीन्स को लीक कर दिया गया है, जिसमें अभिनेता सादे कपड़ों में बच्चों के साथ खेलते नजर आ रहे हैं। माना जाता रहा है कि यह फिल्म का शुरूआती सीन है, जिसे सोशल मीडिया पर वायरल किया जा रहा है। मामले में कमल हासन, रजनीकांत, चिरंजीवी, विजय देवरकोंडा और अल्लू अर्जुन जैसे अभिनेता घटना को निंदनीय बता चुके हैं। इससे पहले आरआरआर, पुष्पा-2 और बाहुबली-2 जैसी बड़े बजट की फिल्मों को भी पाइरेसी का दंश झेलना पड़ा था। मेकर्स ने उस वक्त भी फैंस से फर्जी लिंक्स से फिल्म न देखने की अपील की थी।

शाहरुख की इस फिल्म में काम ना करने का राजपाल यादव को है पछतावा

अभिनेता राजपाल यादव अपनी अपकमिंग फिल्म 'भूत बंगला' की रिलीज की तैयारी में जुटे हैं। हाल ही में उन्होंने बताया कि गलतफहमी में एक फिल्म ठुकराने का उन्हें बहुत पछतावा है। उनके मुताबिक गलतफहमी की वजह से उनके हाथ से शाहरुख खान की फिल्म 'ओम शांति ओम' निकल गई थी।शाहरुख को किया नाराज राजपाल यादव ने बताया कि शुरूआत में उन्हें प्रियदर्शन की फिल्म 'बिल्लू' में बिल्लू बार्बर का किरदार निभाना था। हालांकि, बाद में यह रोल इरफान खान ने निभाया। उन्हें एहसास हुआ कि 'ओम शांति ओम' में कथित तौर पर एक रोल ठुकराने के बाद उन्होंने अनजाने में शाहरुख खान को नाराज कर दिया था। राजपाल यादव ने बताया कि उन्हें इस गलतफहमी के बारे में तब पता चला, जब वे 'बिल्लू' के सेट पर थे। शाहरुख से मिले राजपाल जूम के साथ बातचीत में राजपाल यादव ने कहा 'बिल्लू' का पूरा प्रोडक्शन जूही चावला के भाई देखते थे। वह मुझसे गले मिले और कहा भाई शाहरुख से मिल लेना। भाई आपको बहुत प्यार करते हैं। जब हम 'कल हो ना हो' में काम कर रहे थे तो उन्होंने कहा था कि कभी एक लंबा और बढ़िया ट्रैक करेंगे, एक सीन में मजा नहीं आया। मैंने कहा मैं तो दोपहर में ही मिला था, उन्होंने कहा थोड़ा कंफ्यूजन है। तो मैंने पूछा क्या? तो वह बोले आपके लिए रोल लिखवाया था। आपने ये कह कर मना कर दिया कि टाइम नहीं है।' किसी ने पेश की खराब छवि राजपाल यादव ने आगे कहा कि मैंने अपने मैनेजर को बुलाया और पूछा कि क्या इस तरह का कोई मामला हुआ था। इस पर उसने कहा उन्हें नहीं पता। राजपाल यादव ने कहा 'पता चला कि बीच में किसी ने मेरी बुराई करके मेरी दूसरी छवि पेश कर दी। इस बारे में शाहरुख को भी नहीं पता और मुझे भी नहीं पता। तो ये बॉलीवुड है। यहां इस तरह के कई किस्से हो जाते हैं। इसके बाद हम और शाहरुख से ऐसे गले मिले जैसे कुछ हुआ ही नहीं।' 'ओम शांति ओम' का कलेक्शन फराह खान के निर्देशन में बनी 'ओम शांति ओम' में दीपिका पादुकोण थीं। फिल्म में शाहरुख खान मुख्य भूमिका में थे। 38 करोड़ रुपये में बनी इस फिल्म ने 148 करोड़ रुपये कमाए थे।

'ड्रैगन' की शूटिंग के बीच जूनियर एनटीआर ने बना ली शानदार बॉडी

साउथ के मशहूर अभिनेता जूनियर एनटीआर अपकमिंग फिल्म 'ड्रैगन' को लेकर सुर्खियों में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रशांत नील के निर्देशन में बन रही इस फिल्म की शूटिंग जारी है। इस बीच सोमवार को जूनियर एनटीआर ने सोशल मीडिया पर अपनी एक तस्वीर शेयर की है, जिसकी काफी चर्चा हो रही है। एनटीआर ने फ्लॉन्ट की बॉडी सोशल मीडिया पर जूनियर एनटीआर ने जो तस्वीर शेयर की है, वह वायरल हो रही है। इस तस्वीर में जूनियर एनटीआर अपना बैक साइड फ्लॉन्ट कर रहे हैं। तस्वीर के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा है 'बनाओ, खरीदो नहीं।' इस पोस्ट में उन्होंने अपने कोच और प्रशांत नील को टैग किया है। पोस्ट पर फैंस ने किए कमेंट तस्वीर में जूनियर एनटीआर की गठीली बॉडी देखकर फैंस हैरान हो गए। वे एनटीआर के समर्पण और जुनून की जमकर तारीफ कर रहे हैं। पोस्ट पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा है 'टाइगर'। एक और यूजर ने लिखा 'ड्रैगन'। एक और यूजर ने लिखा 'जय एनटीआर'। एक और यूजर ने लिखा है 'प्रशांत नील की ताकत'। सितंबर में शुरू की तैयारी खबरों के मुताबिक एक्टर ने अपनी फिल्म के लिए पिछले साल सितंबर में तैयारी शुरू की थी। अब ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं। उनकी वर्कआउट रूटीन में ताकत बढ़ाने वाली ट्रेनिंग और कोर एक्सरसाइज शामिल हैं, ताकि एक्शन सीन्स के लिए उनका शरीर पूरी तरह से तालमेल में रहे। कब रिलीज होगी 'ड्रैगन'? फिल्म 'ड्रैगन' एक पैन इंडिया प्रोजेक्ट है। प्रशांत नील के निर्देशन में बनी फिल्म में लंबी स्टार कास्ट हो सकती है। जूनियर एनटीआर फिल्म में मुख्य किरदार में हैं। फिल्म एक बड़े बजट की एक्शन थ्रिलर फिल्म है। रिपोर्ट्स के अनुसार पहले 2026 में रिलीज होने वाली फिल्म अब 2027 तक रिलीज हो सकती है।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान को सऊदी अरब-कतर देंगे पांच अरब डॉलर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की डूबती अर्थव्यवस्था को सऊदी अरब और कतर ने सहारा प्रदान करने का वादा किया है। दोनों देश खस्ताहाल पाकिस्तान को पांच अरब डॉलर की वित्तीय सहायता देंगे। पाकिस्तानी अंग्रेजी दैनिक डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, देश को महत्वपूर्ण समय में धन मिलने वाला है क्योंकि इस्लामाबाद इस महीने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 3.5 अरब डॉलर चुकाने की तैयारी कर रहा है। ऐसे में पाकिस्तान अपने विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव का सामना कर रहा है। रिपोर्ट में वित्त मंत्रालय के सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि पाकिस्तान के कमजोर विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव को कम करने के लिए सऊदी अरब और कतर पांच अरब डॉलर की वित्तीय सहायता प्रदान करेंगे।

ताइवान और चीन में नरमी के संकेत, शुरू करेंगे सीधी उड़ान

बीजिंग, एजेंसी। ताइवान व चीन के रिश्तों में जमी बर्फ पिघलने के संकेत दिखाई देने लगे हैं। चीन ने रविवार को ताइवान के साथ निलंबित संबंधों को कुछ हद तक बहाल करने का एलान किया है। इनमें चीनी शहरों के लिए सीधी उड़ानें व ताइवानी मत्स्य उत्पादों का आयात शामिल है। ताइवान की विपक्षी पार्टी की नेता चेंग ली-वुन ने लंबे अरसे बाद हाल ही में चीन की यात्रा पर थीं। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के अधीन ताइवान वर्क ऑफिस ने एक बयान में कहा कि वह कम्युनिस्ट पार्टी व ताइवान की कुओमिंतांग पार्टी के बीच एक दीर्घकालिक संचार तंत्र स्थापित करने की संभावना तलाशेगा। इसके साथ ही ताइवान के जलीय कृषि उत्पादों के आयात को सुविधाजनक बनाएगा जिन पर हाल के वर्षों में प्रतिबंध लगा दिया गया था।

नेपाल : पीएम बालेंद्र के खाते में 1.46 करोड़ रुपये

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र उर्फ बालेन शाह ने अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक किया है। उनके बैंक खाते में 1.46 करोड़ नेपाली रुपये जमा हैं। प्रधानमंत्री बालेन शाह की पत्नी सबिना काफ्ले के पास सोना, चांदी और हीरा-जवाहरात सहित दो किलो 216 ग्राम आभूषण हैं। सोना, चांदी और हीरे का अलग-अलग ब्योरा नहीं दिया गया है। संपत्ति विवरण में इन आभूषणों का स्रोत पैतृक बताया गया है। प्रधानमंत्री तथा मंत्रिपरिषद कार्यालय ने रविवार शाम प्रधानमंत्री सहित अन्य मंत्रियों की संपत्ति का विवरण सार्वजनिक किया है। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह बालेन की आलोचना करने पर एक यूट्यूबर को गिरफ्तार कर लिया गया। भारी विरोध व जेन-जी आंदोलनकारियों की तरफ से आपत्ति जताए जाने के बाद उसे छोड़ दिया गया है। हेडस नामक यूट्यूब चैनल चलाने वाले रोशन पोखरेल को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया गया था।

क्वींसलैंड में अलग-अलग दुर्घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई और आठ अस्पताल में भर्ती

ब्रिस्बेन, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड राज्य में 24 घंटे के भीतर हुई तीन भीषण सड़क दुर्घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से पांच की हालत गंभीर है और उनकी जान को खतरा है। क्वींसलैंड पुलिस सेवा (क्यूपीएस) ने एक बयान में कहा कि रविवार को स्थानीय समयानुसार शाम 5:40 बजे के आसपास ब्रिस्बेन से 60 किलोमीटर दक्षिण में स्थित छोटे शहर क्रायना के पास एक राजमार्ग पर एक वाहन के अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त होने से दो लोगों की मौत हो गई, जिनकी पहचान नहीं हो पाई है। इससे पहले, रविवार को स्थानीय समयानुसार सुबह 10:30 बजे के कुछ ही समय बाद क्रायना से 20 किलोमीटर पूर्व में माउंट टैम्बोरिन में दो कारों और एक मोटरसाइकिल के बीच हुई टक्कर के बाद आपातकालीन सेवाओं को बुलाया गया था।

इस्राइल ने रोमन गोफमैन को बनाया मोसाद का नया प्रमुख

येरूशलम, एजेंसी। इस्राइल ने रोमन गोफमैन को खुफिया एजेंसी मोसाद का नया प्रमुख नियुक्त किया है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पिछले साल दिसंबर में गोफमैन को नामित करने की घोषणा की थी। इस्राइली प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि वरिष्ठ पदों पर नियुक्ति के लिए गठित एक समिति ने रविवार को इस फैसले को मंजूरी दे दी। गोफमैन जून में अपना पदभार ग्रहण करेंगे। वह एजेंसी के वर्तमान निदेशक डेविड बार्निया का स्थान लेंगे। 49 वर्षीय गोफमैन एक अनुभवी सैन्य जनरल हैं। वर्तमान में वह प्रधानमंत्री के सैन्य सचिव के रूप में कार्यरत हैं।

अमेरिका-ईरान वार्ता विफल होने के बाद निक्की हेली बोलीं- तेहरान के साथ बातचीत समय की बर्बादी है

वाशिंगटन , एजेंसी। भारतीय मूल की रिपब्लिकन नेता निक्की हेली ने कहा कि अमेरिका का ईरान के साथ बातचीत से पीछे हटना सही था। उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 'ब्लॉकेड प्लान' का समर्थन किया और चेतावनी दी कि तेहरान होर्मुज स्ट्रेट का इस्तेमाल वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दबाव बनाने के लिए कर रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत आगे नहीं बढ़ पाई, दोनों पक्षों के बीच वार्ता बहुत अलग-अलग थी। निक्की हेली ने सीएनएन को एक इंटरव्यू में बताया, 'अमेरिका के पास 15 पॉइंट का प्लान था। ईरान के पास 10 पॉइंट का प्लान था। वे सच में मीलों दूर थे। ईरानी अपना न्यूक्लियर प्रोडक्शन और होर्मुज पर अपना कंट्रोल छोड़ने को तैयार नहीं थे।' उन्होंने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के बातचीत खत्म करने के फैसले का समर्थन करते हुए कहा, 'हम बातचीत जारी नहीं रखेंगे। यह हमारे समय के लायक नहीं है। ट्रंप सरकार अब निश्चित तौर पर आगे बढ़ रहा है। हम ईरान पर वहीं हमला करेंगे जहां उसे चोट पहुंचेगी।'

हेली ने इस ब्लॉकेड को ईरान को कमजोर करने की एक बड़ी आर्थिक रणनीति का हिस्सा बताया। उन्होंने कहा, 'ईरान को असल में घुटनों पर लाने के लिए उस पर आर्थिक रूप से हमला करना होगा। होर्मुज स्ट्रेट को खुला रखना वैश्विक व्यापार के लिए बहुत जरूरी है। उन्होंने चेतावनी दी कि ईरान अमेरिका और उसके साथियों पर दबाव बढ़ाने के लिए अपनी स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा, 'ईरान जीत को ट्रंप और खाड़ी के साथियों पर जितना हो सके उतना राजनीतिक और आर्थिक दबाव डालने के तौर पर देखता है। यह एक मुश्किल काम है। हेली ने कहा कि 20 फीसदी तेल, 20 फीसदी लिक्विफाइड नेचुरल गैस और एक तिहाई फर्टिलाइजर स्ट्रेट से होकर गुजरते हैं। उन्होंने कहा कि रुकावटें पहले से ही दिख रही थीं। उन्होंने कहा, 'आमतौर पर एक दिन में 135 जहाज स्ट्रेट से गुजरते थे। अब हमारे पास शायद कुछ ही बचे हैं, आपके पास 400 जहाजों का बैकलॉग है।'

हेली ने कहा कि मकसद कोई लंबी लड़ाई नहीं है। उन्होंने कहा, 'हम कभी न खत्म होने वाली लड़ाई नहीं चाहते। इसे जल्दी पूरा करने की जरूरत है।' उन्होंने बताया कि इस इलाके में अमेरिकी नेवी फोर्स पहले से ही रास्ते को सुरक्षित करने के लिए तैनात हैं। ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम पर, हेली ने कहा कि अभियान तब तक पूरा नहीं होगा जब तक यूरेनियम संवर्धन को हटाया नहीं जाता। उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि वह नहीं चाहते कि ईरान के पास न्यूक्लियर हथियार हो। खाड़ी के सहयोगी इस मकसद का समर्थन करते हैं।' उन्होंने सुझाव दिया कि एक टारगेटेड मिलिट्री ऑपरेशन की जरूरत पड़ सकती है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि शायद यही बात होगी, इसे पूरा होने में लगभग एक हफ्ते से 10 दिन लगेंगे।' निक्की हेली ने इसे एक स्पेशल फोर्स मिशन बताया जो खतरनाक होगा। हेली ने चीन और रूस पर ईरान की मदद करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'चीन ने सैकड़ों बैलिस्टिक मिसाइलें सप्लाई की हैं। बीजिंग जल्द ही और एयर डिफेंस सिस्टम दे सकता है।' उन्होंने सवाल किया कि क्या ट्रंप को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ प्लान की गई समिट पर आगे बढ़ना चाहिए। इसपर निक्की ने कहा, 'मुझे शक है कि समिट जारी रहनी चाहिए या नहीं। जब तक चीन ईरान को अपना सपोर्ट बंद नहीं करता, तब तक अमेरिका को और सख्त रवैया अपनाना चाहिए।' 2024 के कैंपेन के दौरान ट्रंप की आलोचना करने के बावजूद, हेली ने कहा, 'वह हमारे दुश्मनों से मजबूती से निपट रहे हैं, कमजोर नहीं हैं। उनका तरीका कभी-कभी अफरा-तफरी मचा सकता है।' इस दौरान निक्की ने घरेलू चिंताओं पर भी ध्यान दिलाया और कहा कि अमेरिका की अर्थव्यवस्था और बढ़ता कर्ज देश में सबसे बड़ा मुद्दा बना हुआ है। उन्होंने 40 ट्रिलियन डॉलर के करीब देश के कर्ज और एंटाइटलमेंट प्रोग्राम पर दबाव की ओर इशारा किया।

अमेरिका में विवेकानंद की पहली आदमकद प्रतिमा का अनावरण

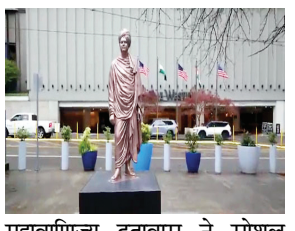

सिएटल , एजेंसी। प्रसिद्ध भारतीय दार्शनिक और आध्यात्मिक नेता स्वामी विवेकानंद की अमेरिका में पहली आदमकद प्रतिमा स्थापित की गई है. अमेरिका के सिएटल शहर में स्वामी विवेकानंद की यह प्रतिमा वेस्टलेक स्क्वायर पर लगाई गई है. जो आने वाले दिनों में सिएटल पहुंचने वाले भारतीयों को एक अलग गौरव की अनुभूति कराएगा. स्वामी विवेकानंद की इस प्रतिमा को देखकर सहज ही उनकी 1893 की शिकागो यात्रा का यादें ताजा हो जाएगी. जब पहली बार स्वामी विवेकानंद वैश्विक रूप से चर्चा में आए थे. स्वामी के जीवन में शिकागो की इस यात्रा का बड़ा महत्व है. 1893 में शिकागो में आयोजित विश्व धर्म संसद में स्वामी विवेकानंद ने हिंदू दर्शन की ऐतिहासिक व्याख्या की थी.

सिएटल की मेयर और भारत के महावाणिज्य दूत ने किया प्रतिमा का अनावरण : अधिकारियों ने बताया कि सिएटल शहर में 'वेस्टलेक स्क्वायर' पर स्थापित आदमकद कांस्य प्रतिमा अमेरिका में किसी नगर प्रशासन की ओर से लगाई गई अपनी तरह की पहली प्रतिमा है. भारतीय कलाकार नरेश कुमार कुमावत द्वारा बनाई गई इस प्रतिमा का सिएटल की महापौर केटी विल्सन और सिएटल में भारत के महावाणिज्य दूत प्रकाश गुप्ता ने शनिवार को संयुक्त रूप से अनावरण किया. भारत के महावाणिज्य दूतावास ने स्वामी की शिकागो यात्रा का जिक्र किया सिएटल में भारत के

महावाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''शिकागो 1893 से सिएटल 2026 तक!...सिएटल का प्रशासन शहर के मध्य क्षेत्र में स्वामी विवेकानंद स्मारक स्थापित करने वाला पहला नगर प्रशासन बन गया है.'' विल्सन ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यह स्मारक सिएटल की समावेशी भावना को दर्शाता है और भारत एवं अमेरिका के प्रशांत उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र के इस विविधतापूर्ण महानगरीय प्रौद्योगिकी केंद्र के बीच सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करता है. भारत और अमेरिका के आपसी संबंधों को मजबूत करने की पहल सिएटल में भारतीय मिशन ने एक बयान में कहा कि भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद ने सिएटल की ''समृद्ध बहुसांस्कृतिक पहचान और समावेशी भावना'' के सम्मान में उसे यह प्रतिमा भेंट की. महावाणिज्य दूतावास ने बताया कि प्रतिमा का अनावरण आईसीसीआर दिवस के अवसर पर किया गया और यह भारत की व्यापक सांस्कृतिक कूटनीतिक पहलों का हिस्सा है जिसका उद्देश्य भारत और अमेरिका के प्रशांत उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र के बीच लोगों के आपसी संबंधों को मजबूत करना है।

अमेरिका के स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को ब्लॉक करने से कच्चे तेल की कीमत 10 प्रतिशत बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार

मुंबई , एजेंसी। कच्चे तेल की कीमत में सोमवार को 10 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली है, जिससे दाम फिर से 100 डॉलर प्रति बैरल के पार निकल गया है। कच्चे तेल की कीमतों में उछाल की वजह ईरान से वार्ता विफल होने के बाद अमेरिका का स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को ब्लॉक करना है। सुबह 10:45 पर ब्रेंट क्रूड का दाम 7.41 प्रतिशत या 7.05 डॉलर बढ़कर 102.2 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड का दाम 8.54 प्रतिशत या 8.25 डॉलर बढ़कर 104.8 डॉलर प्रति बैरल हो गई है। घरेलू स्तर पर भी कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिली। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर क्रूड ऑल फ्यूचर्स (20 अप्रैल कॉन्ट्रैक्ट) 7.61 प्रतिशत या 697 रुपए बढ़कर 9,850 रुपए पर था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान 'जलमार्ग को खुला रखने में विफल रहा है' और चेतावनी दी कि अमेरिका स्ट्रेट में प्रवेश करने या बाहर निकलने की कोशिश करने वाले 'सभी जहाजों' को रोकेगा। उन्होंने समुद्री सुरक्षा और वैश्विक तेल आपूर्ति में संभावित व्यवधान को लेकर चिंता व्यक्त की। अमेरिका और ईरान ने 8 अप्रैल को दो सप्ताह के युद्धविराम पर सहमति जताई थी, जिसका उद्देश्य तनाव कम करना और एक महत्वपूर्ण वैश्विक तेल पारगमन मार्ग, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को फिर से खोलना सुनिश्चित करना था। हालांकि, दोनों देशों के बीच वार्ता विफल होने से आपूर्ति में व्यवधान की आशंका बढ़ गई है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज वैश्विक कच्चे तेल के परिवहन का एक महत्वपूर्ण मार्ग है, और इसमें किसी भी प्रकार की रुकावट का आपूर्ति श्रृंखलाओं और कीमतों पर तत्काल प्रभाव पड़ता है। इस बीच, घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट देखी गई, शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी जैसे प्रमुख सूचकांकों में लगभग 2 प्रतिशत की गिरावट आई। एशियाई बाजारों में भी प्रमुख सूचकांक भी लाल निशान में हैं, जिनमें निक्केई, हांग सेंग और कोस्पी जैसे प्रमुख सूचकांकों में 1 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई।

अभिषेक बनर्जी का चुनाव आयोग पर बड़ा आरोप, भाजपा के इशारे पर काम करने की बात कही

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोलकाता: तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी ने मंगलवार को कूचबिहार में एक राजनीतिक सभा को संबोधित करते हुए निर्वाचन आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि अब आयोग दिल्ली में बैठे भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के निर्देश पर काम कर रहा है और आईपीएसी निदेशक की गिरफ्तारी भी उसी का हिस्सा है। अभिषेक बनर्जी ने आरोप लगाया कि अब उन्हें और उनकी पत्नी रुजीरा बनर्जी की गाड़ियों की तलाशी लेने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने निर्वाचन आयोग पर राजनीतिक प्रतिशोध की भावना से काम करने का आरोप लगाया। अपने दावे के समर्थन में उन्होंने एक व्हाट्सऐप संदेश का स्क्रीनशॉट सार्वजनिक किया। तृणमूल कांग्रेस द्वारा साझा किए गए इस संदेश के

अनुसार, पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी को छोड़कर सभी तृणमूल नेताओं और मंत्रियों के वाहनों की तलाशी लेने का आदेश दिया गया है। इसमें विशेष रूप से अभिषेक बनर्जी और रुजीरा बनर्जी का नाम शामिल किया गया है और स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि किसी भी स्थिति में इन दोनों के वाहनों को तलाशी से बाहर न रखा जाए। अभिषेक बनर्जी ने कहा कि अपनी हार निश्चित देख भाजपा अब चुनाव आयोग के साथ मिलकर बदले की राजनीति पर उतर आई है। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस के चुनाव अभियान और जनसंपर्क कार्यक्रमों को निशाना बनाया जा रहा है। गौरतलब है कि राज्य में इसी महीने विधानसभा चुनाव होने हैं और इस समय कानून-व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी पूरी तरह निर्वाचन आयोग के पास है। शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करने के लिए आयोग पहले ही राज्य की पुलिस और प्रशासनिक व्यवस्था में कई बदलाव कर चुका है, जिनको लेकर विवाद भी पैदा हुआ है।

इसी बीच सामने आए इस व्हाट्सऐप संदेश में यह भी आरोप लगाया गया है कि स्वास्थ्य शिविरों के नाम पर धन का दुरुपयोग किया जा रहा था, जिसके चलते यह कार्रवाई की जा रही है। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस का कहना है कि यह आदेश केवल राजनीतिक हित साधने के उद्देश्य से जारी किया गया है।

तृणमूल कांग्रेस ने बयान जारी कर आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग ने एक व्हाट्सऐप समूह के माध्यम से पुलिस, पर्यवेक्षकों और केंद्रीय बलों को निर्देश दिया कि तृणमूल नेताओं और उनके परिजनों के वाहनों की तलाशी ली जाए। पार्टी ने इसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया के खिलाफ बताते हुए आयोग पर भाजपा का एजेंट बनकर काम करने का आरोप लगाया।

कोविड वैक्सीन ने ले ली हजारों जानें, दावे के समर्थन में उतरे एलन मस्क बोले- ऐसा लगा जान निकल जाएगी

वाशिंगटन, एजेंसी। कोरोना काल के दौरान जिस वैक्सीन को लेकर होड़ लगी हुई थी उसी को लेकर कई तरह के डरावने दावे भी किए जाते हैं। कोविड वैक्सीन को लेकर दावे करने वालों में अब एलन मस्क का भी नाम जुड़ गया है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 वैक्सीन का दूसरा डोज लेने पर उन्हें लगा कि जैसे यह उन्हें मार ही देगी। बता दें कि फाइजर के एक पूर्व टॉक्सिकोलॉजिस्ट ने जर्मनी की संसद में दावा किया था कि द्व्त्रह्न वैक्सीन को मंजूरी ही नहीं मिलनी चाहिए थी। उन्होंने दावा किया कि इस कोविड-19 वैक्सीन की वजह से जर्मनी में हजारों लोगों की जान चली गई। अमेरिकी बायोफार्मा कंपनी फाइजर

के यूरोपीय सेंटर के पूर्व टॉक्सिकोलॉजी हेड ने भी इसी तरह का दावा किया कि इतिहास में सबसे बड़े स्तर पर इस्तेमाल की गई वैक्सीन बेहद खतरनाक है। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया। पिछले सप्ताह इसे करोड़ों लोगों ने देखा। मस्क ने कहा कि इतने बड़े दावे को भी खबरों में हाइलाइट नहीं किया गया। दुनियाभर में शुरू हो गई बहस कोविड-19 वैक्सीन को लेकर इस तरह के दावे के बाद पूरी दुनिया में इसको लेकर बहस शुरू हो गई। बता दें कि इस बात का दावा करने वाले डॉ. हेलमुत स्टर्ज ने दशकों टॉक्सिलॉजी के क्षेत्र में काम किया है। इसमें पता लगाया जाता है कि कोई वस्तु कैसे इंसानों या फिर अन्य जीवों को प्रभावित करती है। 2007 में वह रिटायर हो गए थे। जर्मनी की धुर दक्षिणपंथी विपक्षी पार्टी की तरफ से उन्हें संसद में बुलाया गया था। उन्होंने वैक्सीन माफिया नाम की एक किताब भी लिखी। उनका कहना है कि शॉर्टकट तरीके से बिना पर्याप्त ट्रायल के ही वैक्सीन को मंजूरी दे दी गई। स्टर्ज ने दावा किया कि इस वैक्सीन को मंजूरी देने से पहले पांच जरूरी प्रीकीनिकल सेफ्टी मेजर पर ध्यान नहीं दिया गया। वहीं फाजर-बायोएनटेक की mRNA वैक्सीन पूरी दुनिया में करोड़ों लोगों को लगा दी गई। इस दावे को लेकर मस्क ने कहा कि दूसरा डोज लेने के बाद उनकी अस्पताल में भर्ती होने की नौबत आ गई थी। उन्होंने कहा, मुझे ऐसा लग रहा था कि जान निकल जाएगी। स्टर्ज का मुख्य तर्क है कि जल्दबाजी में कोविड-19 वैक्सीन का प्रीक्लीनकल ट्रायल नहीं हुआ। भारत में एम्स की एक स्टडी में कहा गया था कि युवाओं में हार्ट अटैक से वैक्सीन को कोई लेना देना नहीं है।

ईरान ने बातचीत विफल होने के लिए यूएस को ठहराया दोषी, अमेरिका पर शर्तों को बदलने का लगाया आरोप

तेहरान , एजेंसी। ईरान ने अमेरिका पर आरोप लगाया है कि उसने एक संभावित समझौते को अंतिम चरण में आकर पटरी से उतार दिया। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची के मुताबिक, बातचीत के दौरान अमेरिका ने ज्यादा से ज्यादा दबाव बनाने, बार-बार शर्तें बदलने (गोलपोस्ट शिफ्ट करने) और नाकाबंदी जैसी रणनीतियों का सहारा लिया, जिससे सहमति बनने की प्रक्रिया बाधित हो गई। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची का दावा है कि प्रस्तावित 'इस्लामाबाद समझौता' (एमओयू) लगभग तैयार था और दोनों पक्ष अंतिम सहमति के बेहद करीब थे। उनका कहा है कि इन परिस्थितियों के चलते 21 घंटे तक चली गहन और मुश्किल बातचीत आखिरकार बिना किसी समझौते के समाप्त हो गई। तेहरान ने यह भी संकेत दिया कि अगर बातचीत के दौरान शर्तों में लगातार बदलाव न किए जाते, तो यह डील संभव हो सकती थी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि तेहरान ने 47 सालों में वॉशिंगटन के साथ अपनी सबसे ऊंचे स्तर की सीधी बातचीत ईमानदारी और चल रहे झगड़े को खत्म करने में मदद करने के इरादे से की है। अराघची ने दुख जताया कि 'कोई सबक नहीं मिला। अराघची ने एक्स पर लिखा, '47 सालों में सबसे ऊंचे स्तर पर हुई गहरी बातचीत में, ईरान ने युद्ध खत्म करने के लिए अमेरिका के साथ

अच्छी नीयत से बातचीत की। लेकिन जब 'इस्लामाबाद एमओयू' से बस कुछ इंच दूर थे, तो हमें गोलपोस्ट बदलने और ब्लॉकेड का सामना करना पड़ा। कोई सबक नहीं मिला। अच्छी नीयत से अच्छी नीयत पैदा होती है। दुश्मनी से दुश्मनी पैदा होती है।' ईरानी विदेश मंत्री का यह कहना कि दोनों पक्ष एक समझौते को फाइनल करने से कुछ ही दूर थे, यह दिखाता है कि आखिरी स्टेज पर तनाव तेजी से बढ़ने से पहले अमेरिका और ईरान के बीच हुई बातचीत सफलता के कितने करीब आ गई थी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने कहा कि अमेरिका के साथ डिप्लोमैटिक ब्रेकथ्रू की संभावना अभी भी है, बशर्ते वॉशिंगटन अपना नजरिया बदले। उन्होंने अमेरिका से 'सर्वाधिकारवाद' को छोड़ने और ईरान के अधिकारों का सम्मान करने की अपील की। ऐसा बदलाव एक समझौते का रास्ता बना सकता है। बता दें, सर्वाधिकारवाद एक ऐसी राजनीतिक प्रणाली है, जिसमें राज्य सार्वजनिक और निजी जीवन के हर पहलू पर पूर्ण नियंत्रण रखता है। राष्ट्रपति पेजेश्कियन ने एक्स पर एक पोस्ट में बातचीत करने वाले डेलिगेशन के सदस्यों की सराहना करते हुए कहा, 'अगर अमेरिकी सरकार अपना सर्वाधिकारवाद छोड़ दे और ईरानी देश के अधिकारों का सम्मान करे।

ईरान मुद्दे पर पोप लियो की टिप्पणी से भड़के ट्रंप, धर्मगुरु को अपराध और कूटनीति में बताया कमजोर

वाशिंगटन , एजेंसी। ईरान के साथ संघर्ष और पाकिस्तान में आयोजित बातचीत विफल होने के बाद पोप लियो XIV ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कड़ी आलोचना की। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक लंबे सोशल मीडिया पोस्ट में पोप पर तीखा पलटवार किया। ट्रंप ने उन पर अपराध रोकने में ढिलाई बरतने का आरोप लगाया। साथ ही, उन्होंने विदेश नीति, ईरान और अमेरिका के घरेलू मुद्दों पर पोप के विचारों की कड़ी आलोचना भी की। ट्रंप ने अपने ट्रूथ सोशल प्लेटफॉर्म पर लिखा, 'पोप लियो अपराध के मामले में कमजोर हैं और विदेश नीति के लिए बहुत बुरे हैं।' इससे व्हाइट हाउस और वेटिकन के बीच तनाव फिर से बढ़ गया। पोस्ट में, ट्रंप ने पोप पर आरोप लगाया कि वे कोविड-19 महामारी के दौरान धार्मिक सभाओं पर लगी पिछली पाबंदियों को नजरअंदाज करते हुए अपने सरकार की आलोचना पर ध्यान दे रहे हैं। ट्रंप ने लिखा, 'पोप मेरी सरकार के 'डर' की बात तो करते हैं, लेकिन वो उस डर के बारे में कुछ नहीं बोलते जो कोरोना के समय चर्च ने झेला था। उस वक्त चर्च में प्रार्थना सभा आयोजित करने के लिए पादरियों और अन्य लोगों को गिरफ्तार किया जा रहा था।' राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान को लेकर पोप की राय पर भी निशाना साधा और कहा कि वे उस नरमी से सहमत नहीं हैं जिसे उन्होंने (पोप ने) नरमी बताया। उन्होंने कहा, 'मुझे ऐसा पोप नहीं चाहिए जो सोचता हो कि ईरान के पास न्यूक्लियर हथियार होना ठीक है।'

ट्रंप ने वेनेजुएला समेत विदेशों में अमेरिका के कामों का बचाव किया और उन्हें अमेरिका में ड्रग्स और अपराध संबंधित चिंताओं से जोड़ा और लिखा, 'मुझे ऐसा पोप नहीं चाहिए जो सोचता हो कि यह बहुत बुरा है कि अमेरिका ने वेनेजुएला पर हमला किया, एक ऐसा देश जो अमेरिका में भारी मात्रा में ड्रग्स भेज रहा था। वह देश अपनी

जेल खाली कर अपराधियों को हमारे देश में भेज रहा था। पोप की आलोचना यहीं तक नहीं रूकी। राष्ट्रपति ट्रंप ने व्यक्तिगत तौर पर हमला करते हुए पोप की तुलना उनके भाई से की। उन्होंने कहा, 'मुझे उनका भाई लुइस उनसे ज्यादा पसंद है, क्योंकि लुइस पूरी तरह से एमएजीए (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) के समर्थक हैं। वह इसे समझते हैं और लियो नहीं!' ट्रंप ने चुनावी जीत, अपराध में कमी और आर्थिक परफॉर्मेंस का हवाला देते हुए अपनी प्रेसीडेंसी का बचाव किया और लिखा, 'मैं ठीक वही कर रहा हूं जिसके लिए मुझे भारी बहुमत से चुना गया था, अपराध में रिकॉर्ड कम नंबर लाना और इतिहास का सबसे बड़ा स्टॉक मार्केट बनाना।' एक चौंकाने वाले दावे में, ट्रंप ने कहा कि पोप का चुनाव उनके अपने राष्ट्रपति पद से जुड़ा था। उन्होंने कहा, 'लियो को शुक्रगुजार होना चाहिए क्योंकि वह सबके लिए एक हैरान करने वाला सरप्राइज थे। अगर मैं व्हाइट हाउस में नहीं होता, तो लियो वेटिकन में नहीं होते।' उन्होंने पोप के राजनीतिक हस्तियों के साथ बातचीत की भी आलोचना की और पूर्व सलाहकार डेविड एक्सलरॉड का जिक्र करते हुए कहा, 'लियो को पोप के तौर पर अपना काम ठीक से करना चाहिए। कट्टरपंथी वामपंथ की सेवा करना बंद करें और एक महान पोप बनने पर ध्यान दें, न कि एक राजनेता बनने पर।'

ये बातें ट्रंप और वेटिकन के बीच बढ़ती दरार को दिखाती हैं, जिसमें दोनों पक्ष युद्ध और डिप्लोमेसी से लेकर इमिग्रेशन और घरेलू नीति जैसे मुद्दों पर अलग-अलग राय रखते हैं।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.